



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 25]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 22, 1974/ आषाढ़ 1, 1896

No. 25]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 22, 1974/ASADHA 1, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities
(other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

प्रार्थना

नई दिल्ली, 3 मई, 1974

या किसी राज्य की विधान सभा अथवा परिषद के सदस्य चुने जाने और
होने के लिए हम प्रार्थना की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए
निरहित घोषित करता है।

[सं० हरि०—वि० सं०/51/72 (14)]

जी० नागमुन्नयन, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDER

New Delhi, the 3rd May, 1974

क्र०आ० 1529. यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि म०
1972 में हुए हरियाणा विधान सभा के लिए निर्वाचन के लिए 51-नुह सभा
निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सोहन लाल मुपुत्र
श्री नानग राम, मकान नं० 891(1), वार्ड नं० 6, कस्बा नुह, जिला
गुड़गांव, हरियाणा, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन
बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा
दाखिल करने में असफल रहे है ;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्बन्ध सूचना दिये जाने पर भी
अपनी हम असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया
है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास
इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यायोजित्व नहीं है ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन
आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री सोहन लाल को संसद के किसी भी सदन के

S.O. 1529.—Whereas the Election Commission is satisfied
that Shri Sohan Lal S/o Shri Nanag Ram, House No.
891(1), Ward No. 6, Nuh Town, District Gurgaon, Haryana,
contesting candidate for General Elections to the Haryana
Legislative Assembly held in March, 1972 from 51-Nuh-Con-
stituency has failed to lodge an account of his election ex-
penses as required by the Representation of the People Act.
1951, and the Rules made thereunder ;

2. And whereas the said candidate, even after due noti-
ces, has not given any reason or explanation for the failure
and the Election Commission is further satisfied that he has
no good reason or justification for the failure ;

Now therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sohan Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. HN-LA/51/72/(14)]

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(न्याय विभाग)

नोटिस

नई दिल्ली 7 जून, 1974

क्रा० प्रा० 1530.—नोटरी नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा एतद्वारा नोटिस दिया जाता है कि श्री ए० एन० टैगोर, एडवोकेट तथा नोटरी, 6 हेस्टिंग स्ट्रीट, कलकत्ता ने उक्त नियम के नियम 8-ए के अधीन अपने वकालत के क्षेत्र को पश्चिम बंगाल राज्य में पश्चिमी राज्य तक जिसमें श्रीरोविदे क्षेत्र शामिल है, नोटरी क्षेत्र के रूप में बढ़ाने के लिए उक्त प्राधिकारी से निवेदन किया है।

2. उक्त नोटरी के वकालत क्षेत्र का विस्तार किये जाने से संबंधित यदि कोई आपत्ति हो तो उसे इस नोटिस के प्रकाशित होने की तारीख से चौदह दिन के भीतर-भीतर लिखित रूप में निम्नहस्ताक्षरी के पास प्रस्तुत की जाय।

[स० 22/72/73-न्याय]

के० त्यागराजन, उप सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Justice)

NOTICE

New Delhi, the 7th June, 1974

S.O. 1530.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 8-A, of the said Rules, by Shri A. N. Tagore, Advocate and Notary, 6, Hasting Street, Calcutta-1 for extension of his area of practice from the state of West Bengal to Pondicherry State including the Auroville area as a Notary.

2. Any objection for extension of area of practice of the said Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. 22/72/73-Jus.]

K. THYAGARAJAN, Dy. Secy.

(विधायी विभाग)

नई दिल्ली, 7 जून, 1974

क्रा० प्रा० 1531.—पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 (1966 का 31) की धारा 72 की उप धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार, विधि मंत्रालय (विधायी विभाग) की अधिसूचना सं० 4(3)/67-वक्फ तारीख

19 जुलाई, 1967 के साथ पठित वक्फ अधिनियम, 1954 (1954 का 29) की धारा 21 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और पंजाब वक्फ बोर्ड के परामर्श से, केन्द्रीय सरकार पंजाब वक्फ बोर्ड के सहायक सचिव श्री गजनकर अली खां, को श्री जलालुद्दीन खां के स्थान पर अगले प्रादेश तक पंजाब वक्फ बोर्ड के कार्यकारी सचिव के रूप में नियुक्त करती है और विदेश देती है कि नियुक्ति 20 अप्रैल, 1974 से हुई समझी जाएगी जिस तारीख से वे कार्यकारी रूप में काम कर रहे हैं।

2. श्री गजनकर अली खां सहायक सचिव के रूप में उन्हें प्राप्त वेतन और अन्य भत्ते लेते रहेंगे और सचिव के रूप में कार्य करने की अवधि के दौरान उन्हें केवल एक सौ द० प्रति मास अनिवार्यतः दिया जाएगा।

[स० 4(5)/71-वक्फ]

एन० श्रीनिवासन, उप सचिव

(Legislative Department)

New Delhi, the 7th June, 1974

S.O. 1531.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 21 of the Wakf Act, 1954 (29 of 1954), read with the notification of the Government of India in the Ministry of Law (Legislative Department) No. 4(3)/67-Wakf, dated the 19th July, 1967, issued under sub-section (1) of section 72 of the Punjab Reorganisation Act, 1966 (31 of 1966), and in consultation with the Punjab Wakf Board, the Central Government appoints Shri Ghazanfar Ali Khan, Assistant Secretary in the Punjab Wakf Board, to act as Secretary, Punjab Wakf Board, until further orders, vice Shri Jalaluddin Khan and directs that the appointment shall be deemed to have taken effect from the 20th day of April 1974, being the date from which he is so acting.

2. Shri Ghazanfar Ali Khan will continue to draw the pay and other allowances admissible to him as Assistant Secretary and will be paid in addition one hundred rupees only per month during the period he acts as Secretary.

[No. 4(5)/71-Wakf]

N. SRINIVASAN, Deputy Secy.

विधि मंत्रालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

नई दिल्ली, 2 मई, 1974

आय कर

क्रा० प्रा० 1530.—केन्द्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, सर्व श्री जे० एन० मेहरा और के० के० राय को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारियों की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2 सर्व श्री टी० एल० डीगड़ा और के० एस० गोविंदा की नियुक्ति जो अधिसूचना सं० 67 (क्रा० सं० 404/104/70-आई टी सी सी), तारीख 12-5-70 और सं० 336 (क्रा० सं० 404/128/73-आई टी सी

सी), तारीख 24-4-73 द्वारा की गई थी, 3 मई, 1974 से रद्द की जाती है।

3. यह अधिसूचना 3 मई, 1974 को प्रवृत्त होगी।

[सं० 606 (फा० सं० 404/133/74-आई टी सी सी)]

टी० आर० अग्रवाल, उप सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

New Delhi, the 2nd May, 1974

INCOME-TAX

S.O. 1532.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby authorises S/Shri J. N. Mehra and K. K. Rai who are Gazetted Officers of the Central Government, to exercise the powers of Tax Recovery Officers under the said Act.

2. The Appointment of S/Shri T. L. Dhingra and K. S. Gogia made by Notifications No. 67 (F. No. 404/104/70-ITCC) dated 12-5-70 and No. 336 (F. No. 404/128/73-ITCC) dated the 24th April, 1973 is cancelled with effect from 3rd May, 1974.

3. This Notification shall come into force with effect from 3rd May, 1974.

[No. 606 F. No. 404/133/74-ITCC]

T. R. AGGARWAL, Deputy Secy.

मई दिल्ली, 8 मई, 1974

आयकर

का० आ० 1533.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित संस्था को भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद्, विहित अधिकारी, द्वारा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के प्रयोजनों के लिए इन शर्तों के अधीन रखते हुए अनुमोदित किया गया है कि (क) संस्था संगृहीत निधियों और उनके

उपयोग के बारे में भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद् को एक वार्षिक रिपोर्ट भेजेंगी और (ख) इस छूट के अधीन संगृहीत निधियों के लिए पृथक लेखे रखे जाते हैं और उनका उपयोग केवल समाज विज्ञान अनुसंधान के प्रयोजनों के लिए किया जाता है।

संस्था

बड़ौदा सिटीजन काउंसिल, बड़ौदा

यह अधिसूचना 1-6-1973 से प्रभावी होगी।

[सं० 609/फा० सं० 203/19/73-आई टी (ए-2)]

डी० पी० भुनजुनवाला, उप सचिव

New Delhi, the 8th May, 1974

INCOME-TAX

S.O. 1533.—It is hereby notified for General information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Social Science Research, the prescribed authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 subject to the conditions that (a) the Institution sends an annual report to the ICSSR regarding the funds collected and their utilisation and (b) separate accounts are maintained for the funds collected under this exemption and their utilisation for purposes of social science research only.

INSTITUTION

Baroda Citizens Council, Baroda

This notification will take effect from 1-4-1973.

[No. 609/F. No. 203/19/73-IT(A-II)]

T. P. JHUNJHUNWALA, Deputy Secy.

नई दिल्ली, 27 मई, 1974

का० आ० 1534.—समय-समय पर यथा संशोधित अपील्य न्यायाधिकरण नियमावली 1946 के नियम 2 के उपनियम (ii) के खंड (ख) के अनुसरण में, भारत सरकार एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को उनके सामने दी गई तारीख से ऐसे किसी भी आयकर प्राधिकारी की ओर से, जो आयकर अपील्य न्यायाधिकरण के समक्ष किसी भी कार्यवाही में एक पार्टी हो, उपस्थित होने, बहस करने और कार्यवाही करने हेतु आयकर अपील्य न्यायाधिकरण के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्ति करती है :—

क्र० सं०	अधिकारी का नाम संबंधी	के रूप में नियुक्त	नियुक्ति की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	जी० आर० राघवन्, निरीक्षी सहायक, आयकर आयुक्त, मद्रास	वरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपील्य न्यायाधिकरण, मद्रास	3-4-1973
2.	जी० जी० गोपीनाथ, आयकर अधिकारी, श्रेणी-I, मद्रास	कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपील्य न्यायाधिकरण, मद्रास	24-10-1973
3.	एच० जी० जानकीरामन्, आयकर अधिकारी, श्रेणी-II, मद्रास	—यथोपरि—	1-8-1973
4.	बी० डी० गोपाल, आयकर अधिकारी, श्रेणी-II, मद्रास	कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपील्य न्यायाधिकरण, मद्रास	24-10-1973

(1)	(2)	(3)	(4)
5. एस० वी० मुख्माराव, अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, हैदराबाद		वरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण-हैदराबाद	23-5-1973 (अपराह्न)
6. ए०बी० स्वाभीनाथन्, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, काकीनाडा		वरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, हैदराबाद	11-5-1963 (अपराह्न)
7. शाह् हसीब अहमद आयकर अधिकारी, श्रेणी-II, आन्ध्र प्रदेश		कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण हैदराबाद	29-1-1973
8. पी०बी० चार्ल्स, आयकर अधिकारी, श्रेणी-I, आन्ध्र प्रदेश		—यथोपरि—	1-11-1973
9. एस० ए० जोशी, आयकर अधिकारी, श्रेणी-I, आंध्र प्रदेश		—यथोपरि—	5-11-1973
10. पी० श्री० जार्ज, सहायक आयकर आयुक्त (प्रतिनियुक्ति के लौटने पर)		वरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, बंगलौर	25-4-1973
11. डा० शरीश, आयकर अधिकारी, श्रेणी-I, विद्वत् तथा मराठवाड़ा, नागपुर		कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, नागपुर	22-11-1973
12. बी०एन्०शर्मा बड़ठाकुर, अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, तेजपुर		वरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, गौहाटी न्यायपीठ, कलकत्ता	11-10-1972
13. एस० गुरुकायस्थ, आयकर अधिकारी, श्रेणी-I, असम		कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, गौहाटी न्यायपीठ, कलकत्ता	20-10-1971 से 16-1-1972 (अपराह्न)
		कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, गौहाटी न्यायपीठ, गौहाटी	17-1-72
14. बी०आर० नमवाडकर, वरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, वरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, अहमदाबाद			12-7-1973
15. अजीत सिन्हा, अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, मेरठ		वरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, कानपुर न्यायपीठ, कलकत्ता	17-4-1971 से 17-12-1971 (अपराह्न)
		वरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, 'ख' न्यायपीठ, इलाहाबाद	18-12-1971
16. बी०के० मिश्र, आयकर अधिकारी, श्रेणी-I, लखनऊ		कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, 'क' न्यायपीठ, इलाहाबाद	14-5-1973
17. आर० के० सिंघल, आयकर अधिकारी, श्रेणी-I, लखनऊ		कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, 'ख' न्यायपीठ, इलाहाबाद	24-7-1972
18. एस०एम० शुक्ल, आयकर अधिकारी, श्रेणी-II, लखनऊ		कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, 'ख' न्यायपीठ, इलाहाबाद	12-1-1972 (अपराह्न)
19. डा० के० बी० भटनगर, आयकर अधिकारी, श्रेणी-I, लखनऊ		कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, 'क' न्यायपीठ, इलाहाबाद	12-7-1972
20. सी० बी० राय, आयकर अधिकारी, श्रेणी-I, लखनऊ		कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, 'ख' न्यायपीठ, इलाहाबाद	27-7-1973
21. एस०पी० सिंह, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, पटना		वरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, पटना	10-6-1971
22. हीरा सिंह, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, मुजफ्फरपुर		वरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, पटना	28-7-1973
23. एस०पी० मिन्हा, आयकर अधिकारी, श्रेणी-II, बिहार		कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, पटना	30-1-1974
24. बी०के० मुद्गमथ्यन, आयकर अधिकारी, श्रेणी-I, केरल		कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, कोचीन	12-10-1973

(1)	(2)	(3)	(4)
25. हरजीत सिंह, आयकर अधिकारी, श्रेणी-II, नई दिल्ली	कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, नई दिल्ली	4-7-1973	
26. जी०जी० चन्द निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, कटक	वरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, कटक	13-9-1972	
27. जी०पी० नन्दा, आयकर अधिकारी, श्रेणी-I, उड़ीसा	कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, कटक	1-12-1972	
28. के०सी० महापात्र, आयकर अधिकारी, श्रेणी-II, उड़ीसा	—यथोपरि—	23-5-1970	
29. एम०एम० बालोटिया, आयकर अधिकारी, श्रेणी-II, विदर्भ तथा मराठवाड़ा, नागपुर	कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, नागपुर	1-11-1972	
30. लाजपतराय, आयकर अधिकारी, श्रेणी-II, राजस्थान	कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, जयपुर	4-5-1973	
31. सी०बी०कांठारी, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अहमदाबाद	वरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, अहमदाबाद	25-4-1973	
32. पी०बी० मेनन, आयकर अधिकारी, श्रेणी-II, गुजरात	कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, अहमदाबाद	25-5-1973 (अपराहृत)	
33. जी० आर० तैशीने	—यथोपरि—	18-11-1972	
34. आर० के० उपाध्याय, आयकर अधिकारी, श्रेणी-I, गुजरात	—यथोपरि—	4-6-1973 (अपराहृत)	
35. आर० दत्त, आयकर अधिकारी, श्रेणी-II, असम	कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण गंगट्री	7-11-1973	
36. एम० ए० तासे, आयकर अधिकारी, श्रेणी-I, पूना	कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण पूना	14-5-1973	
37. बी० चन्द्रमौलि, वरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, नागपुर	वरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, जबलपुर	9-9-1971	
38. के० सुब्बाराव, आयकर अधिकारी, श्रेणी-I, मैसूर	कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण हैदराबाद	11-6-1970	
39. के० बी० अय्यर आयकर, अधिकारी, श्रेणी-I, बम्बई	कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, बम्बई	18-6-1973	
40. ए० के० मिश्र, आयकर अधिकारी, श्रेणी-II, लखनऊ	कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, इलाहाबाद	11-2-1974	
41. एन०एम० भाटिया, आयकर अधिकारी, श्रेणी-I, राजस्थान	कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, जयपुर	31-5-1973	
42. सी० ए० गुलनिकर, आयकर अधिकारी, (सेंट्रल), बम्बई	कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, 'क' न्यायापीठ, बम्बई कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, पूना	11-4-1971 20-9-74	

(सं० 10). निम्नलिखित अधिकारियों को, प्रत्येक के नाम के सामने उल्लिखित विन मंत्रालय (राजस्व तथा बीमा विभाग) की अधिसूचना द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ, उनके स्थानान्तरण के परिणामस्वरूप, उनके नामों के समाने उल्लिखित तारीख से एनद्वारा वापिस ली जाती हैं:—

क्र सं०	अधिकारी का नाम	अधिसूचना सं० तथा तारीख	तारीख जब से शक्तियाँ वापिस ली गयी हैं
1	2	3	4
सर्वश्री			
1.	के०एम० विश्वनाथन् वरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, हैदराबाद ।	सं० 393, आयकर संस्थापन दिनांक 9-8-1971	23-3-1973 (अपराहृत)
2.	के० सुब्बाराव, कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, हैदराबाद ।	सं० 9, आयकर संस्थापन, दिनांक 27-5-74	16-4-1974 (अपराहृत)

(1)	(2)	(3)	(4)
3. एम०एस० शुक्ल, कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय, न्यायाधिकरण, इलाहाबाद ।	—यथोपरि—		3-3-1973
4. के०बी० भटनागर, कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, क—न्यायपीठ, इलाहाबाद ।	सं० 9, आयकर संस्थापन, दिनांक 27-5-74		4-4-1983
5. सी०बी० राय, कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, ख—न्यायपीठ, इलाहाबाद ।	सं० 9, आयकर संस्थापन, दिनांक 27-5-74		1-1-1974 (अपराहृत)
6. बी०पी० सिन्हा, कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, इलाहाबाद ।	सं० 396, आयकर संस्थापन, दिनांक 26-8-72		30-1-1974
7. एम०ए० टाने, कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, [इलाहाबाद ।	सं० 9, आयकर संस्थापन, दिनांक 27-5-74		8-2-1974 (अपराहृत)
8. कंचल कृष्ण, वरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, नई दिल्ली	सं० 34, आयकर संस्थापन, दिनांक 31-1-70		15-1-1974 (अपराहृत)
9. बी०डी० आर० पांडे, कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, जयपुर ।	सं० 38, आयकर संस्थापन, दिनांक 14-2-1972		20-12-1972
10. के०सी० महापात्र, कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, कटक ।	सं० 9, आयकर संस्थापन, दिनांक 27-5-1974		1-4-1974
11. जी० एल० मूर्ती, कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, जयपुर ।	सं० 393, आयकर संस्थापन, दिनांक 9-8-1971		31-5-1971
12. सी०ए० गुलानीकर, कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, पूना ।	सं० 9, आयकर संस्थापन, दिनांक 27-5-74		14-3-1973
13. ए०एम० डेविड, कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, मद्रासदाबाद ।	सं० 43, आयकर संस्थापन, दिनांक 18-1-1971		18-11-1972
14. श्रीमती ममता देसाई, कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, बम्बई-1 ।	सं० 393, आयकर संस्थापन, दिनांक 9-8-1971		4-4-1973
15. बी०आर० अद्वैतपालकर वरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, बम्बई ।	सं० 393, आयकर संस्थापन, दिनांक 9-8-1971		18-6-1972 (अपर)
16. बी०आर० टलवाडकर, वरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, बम्बई ।	सं० 396, आयकर संस्थापन, दिनांक 26-8-1972		11-7-1973
17. वी०एम० गैलोन्डे, वरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, बम्बई ।	—यथोपरि—		3-7-1973
18. एम०वाई० एम०के० मैतन, वरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि आयकर अपीलीय, न्यायाधिकरण, बम्बई ।	सं० 396, आयकर संस्थापन, दिनांक 26-8-1971		31-3-1973
19. डी० सी० गोयल, कनिष्ठ प्राधिकृत, प्रतिनिधि आयकर अपीलीय, न्यायाधिकरण, नई दिल्ली ।	सं० 38, आयकर संस्थापन, दिनांक 14-2-1972		8-3-1972
20. के०बी० अय्यर, कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण नागपुर ।	सं० 452, आयकर संस्थापन, दिनांक 25-9-72		13-12-1972
21. डी०एम० थापर, वरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, चंडीगढ़	सं० 34, आयकर संस्थापन, दिनांक 31-1-1970		15-6-1971
22. एल०एम० एस० अश्ववर्ती, वरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, अपीलीय न्यायाधिकरण, नागपुर ।	सं० 43, आयकर संस्थापन, दिनांक 18-1-1971		11-6-1973
23. पी० राममूर्ति, कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, अपीलीय न्यायाधिकरण, नागपुर ।	सं० 34, आयकर संस्थापन, दिनांक 11-2-1970		14-12-1971
24. पी०एन०मलिक, कनिष्ठ प्राधिकृत, प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, चंडीगढ़	सं० 43, आयकर संस्थापन, दिनांक 18-1-1971		21-9-1971
25. एन०आर० भट्टाचारजी, कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय, न्यायाधिकरण, गौहाटी	सं० 452, आयकर संस्थापन, दिनांक 25-9-1972		6-11-1973 (अपराहृत)

1	2	3	4
	सर्वश्री		
26.	बी० चन्द्रमोनि, बरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, नागपुर।	सं० 393, आयकर संस्थापन, दिनांक 9-8-1971	8-9-1971 (अपराहृत)
27.	एम० एस० उन्निनायर, बरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण बम्बई।	सं० 43, आयकर संस्थापन, दिनांक 18-1-1971	28-8-1972
28.	एन० यू० रावल, बरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण अहमदाबाद।	—यथोपरि—	25-4-1973
29.	बी० यू० इरेदी, बरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण कोचीन।	सं० 43, आयकर संस्थापन, दिनांक 18-1-1971	13-2-1972

[अधिसूचना सं० 9 तथा 10/एफ०सं० 15/88/73-प्रशासन-6]

संतोष सिंह भाटिया, अवर सचिव,

(Income-tax Establishments)

S.O.1534—No.9 In pursuance of clause (b) of sub rule (II) of rule 2 of the Appellate Tribunal Rules, 1946, as amended from time to time the Government of India hereby appoint the undermentioned officers as Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal with effect from the date noted against them to appear, please, and act for any Income-tax Authority who is a party to any proceedings before the Income-tax Appellate Tribunal :—

Sl. No.	Name of the Officer	Appointed as	Date of appointment
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	G. R. Raghavan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Madras.	Senior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Madurai Bench Madras.	3-4-1973
2.	J. G. Gopinath, Income Tax Officer, Class I, Madras	Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Madurai Bench, Madras.	24-10-1973
3.	N. G. Janakiraman, Income Tax Officer, Class II, Madras	—Do—	1-8-1973
4.	V. D. Gopal, Income Tax Officer, Class II, Madras	Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Madras Bench, Madras.	24-10-1973
5.	S. V. Subba Rao, Appellate Assistant Commissioner of Income tax, Hyderabad.	Senior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Hyderabad.	23-3-1973 (A. N.)
6.	A. V. Swaminathan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Kakinada.	Senior Authorised Representative Income-Tax Appellate Tribunal, Hyderabad.	11-5-1973 (A. N.)
7.	Shah Haseeb Ahmed Income Tax Officer, Class II, Andhra Pradesh.	Junior Authorised Representative Income-tax Appellate Tribunal, Hyderabad.	29-1-1973
8.	P. B. Charles, Income Tax Officer, Class I, A. P	—Do—	1-11-1973
9.	S. A. Joshi, Income-tax Officer, Class I, A. P	—Do—	5-11-1973
10.	P. O. George, Assistant Commissioner of Income Tax (On return from deputation).	Senior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Bangalore.	25-4-1973
11.	Dr. Shrish, Income Tax Officer, Class I, Vidarbha and Marathwada, Nagpur.	Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Nagpur.	22-11-1973
12.	B. N. Sharma Barthakur, Appellate Assistant Commissioner of Income Tax, Tezpur.	Senior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Guahati.	11-10-1972

1	2	3	4
	S/Shri		
13.	M. Purkayastha, Income Tax Officer, Class I, Assam	Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Gauhati Bench, Calcutta. Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Gauhati Bench, Gauhati.	20-10-1971 to 16-1-1972 (A.N.) 17-1-1972
14.	V. R. Talwadkar, Senior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay.	Senior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal Ahmedabad.	12-7-1973
15.	Ajit Sinha, Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Meerut.	Senior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Kanpur Bench, Calcutta. Senior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, B-Bench, Allahabad.	17-4-1971 to 17-12-1971 (A. N.) 18-12-1971
16.	V. K. Misra, Income Tax Officer, Class I, Lucknow	Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, A-Bench, Allahabad.	14-5-1973.
17.	R. K. Singhal, Income Tax Officer, Class I, Lucknow	Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, B-Bench, Allahabad.	24-7-1972
18.	S. S. Shukla, Income Tax Officer, Class II, Lucknow	Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, B-Bench, Allahabad.	12-1-1972 (A.N.)
19.	K. B. Bhatnagar, Income-Tax Officer, Class I, Lucknow	Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, A-Bench, Allahabad.	12-7-1972
20.	C. B. Roy, Income-Tax Officer, Class I, Lucknow	Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, B-Bench, Allahabad.	27-7-1973
21.	S. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Patna.	Senior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Patna.	10-6-1971
22.	Hira Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Muzaffarpur.	Senior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Patna.	28-7-1973
23.	S. P. Sinha, Income Tax Officer, Class II, Bihar.	Junior Authorised Representative, Income Tax Appellate Tribunal, Patna.	30-1-1974
24.	V. K. Subramanian, Income-Tax Officer, Class I, Kerala	Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Cochin.	12-10-1974
25.	Harjit Singh, Income-tax Officer, Class II, New Delhi	Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, New Delhi.	4-7-1973
26.	G. B. Chand, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Cuttack.	Senior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Cuttack.	13-9-1972
27.	G. P. Nanda, Income-tax Officer, Class I, Orissa	Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Cuttack.	1-12-1972
28.	K. C. Mehapatra, Income Tax Officer, Class II, Orissa	—Do—	23-5-1970
29.	S. S. Balotia, Income Tax Officer, Class II, Vidarbha & Marathwada, Nagpur	Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Nagpur.	1-11-1972
30.	Lajpat Rai, Income Tax Officer, Class II, Rajasthan.	Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Jaipur.	4-5-1973
31.	C. V. Kothari, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Ahmedabad	Senior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Ahmedabad.	25-4-1973
32.	P. V. Menon, Income Tax Officer, Class II, Gujarat	Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Ahmedabad.	25-5-1973 (A.N.)
33.	G. R. Taishete, Income Tax Officer, Class I, Gujarat	—Do—	18-11-1972
34.	R. K. Upadhyaya, Income Tax Officer, Class I, Gujarat	—Do—	4-6-1973 (A.N.)
35.	R. Dutta, Income Tax Officer, Class II, Assam	Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Gauhati.	7-11-1973
36.	M. A. Tase, Income-tax Officer, Class I, Poona	Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Poona.	14-5-1973
37.	V. Chandramouli, Senior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Nagpur.	Senior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Jabalpur.	9-9-1971
38.	K. Subba Rao, Income Tax Officer, Class I, Mysore	Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Hyderabad.	11-6-1970

1.	2	3	4
S/Shri			
39. K. V. Iyer, Income Tax Officer, Class I, Bombay	Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay.	18-6-1973	
40. A. K. Misra, Income Tax Officer, Class II, Lucknow	Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Allahabad.	11-2-1974	
41. N. N. Bhatia, Income Tax Officer, Class I, Rajasthan	Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Jaipur.	31-5-1973	
42. C. A. Gulanjkar, Income Tax Officer, (Central) Bombay	Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, E-Bench, Bombay	14-4-71 to 19-9-71 (A.N.)	
	Junior Authorised Representative Income-tax Appellate Tribunal, Poona.	20-9-1971	

(No. 10) Consequent on their transfers, the powers conferred on the following officers, by the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) Notification noted against each, are hereby withdrawn with effect from the date shown against their names:—

S. No.	Name of the officer	Notification No. and date	Date from which the powers are withdrawn
1	2	3	4
S/Shri			
1. K. S. Vishwanathan, Senior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Hyderabad.	No. 393, Income Tax Establishments dated 9-8-1971.	23-3-1973 (A.N.)	
2. K. Subba Rao, Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Hyderabad.	No. 9, Income Tax Establishments, Dated 27-5-1974.	16-4-1973 (A.N.)	
3. S. S. Shukla, Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, B-Bench, Allahabad.	—Do—	3-3-1973	
4. K. B. Bhatnagar, Junior Authorised Representative, (Income-tax Appellate Tribunal, A-Bench, Allahabad.	—Do—	4-4-1973	
5. C. B. Roy, Junior Authorised Representative, Income-tax, Appellate Tribunal, B-Bench, Allahabad.	—Do—	1-1-1974 (A.N.)	
6. B. P. Sinha, Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Patna.	No. 396, Income Tax Establishments, Dated 26-8-1972.	30-1-1974	
7. M. A. Tase, Junior Authorised Representative, Income-tax, Appellate Tribunal, Poona.	No. 9, Income Tax, Establishments, Dated 27-5-1974.	8-2-1974 (A.N.)	
8. Kanwal Krishan, Senior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, New Delhi.	No. 34, Income Tax Establishments dated 31-1-1970.	15-1-1974 (A.N.)	
9. B.D.R. Panday, Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Jaipur.	No. 38, Income-tax Establishments, dated 14-2-1972.	20-12-1972	
10. K. C. Mohapatra, Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Cuttack.	No. 9 Income Tax Establishments Dated 27-5-1974.	1-4-1974	
11. G. L. Murthy, Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Jaipur.	No. 393, Income Tax Establishments, dated 9-8-1971.	31-5-1971	
12. C. A. Gulanjkar, Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Poona.	No. 9, Income Tax Establishments, dated 27-5-1974.	14-5-1973	
13. A. M. David, Junior Authorised Representative, Income-tax, Appellate Tribunal, Ahmedabad.	No. 43, Income-Establishments, Dated 18-1-1971.	18-11-1972	
14. Smt. Amda Desai, Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay.	No. 393, Income-Tax Establishments dated 9-8-1971.	4-4-1973	
15. B. R. Advalpalkar, Senior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay.	No. 393, Income Tax Establishments dated 9-8-1971.	18-6-1972 (A.N.)	
16. V. R. Talwadkar, Senior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay.	No. 369, Income Tax Establishments, dated 26-8-1972.	11-7-1973	
17. V. S. Gaitonde, Senior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay.	—Do—	3-7-1973	
18. M. Y. M. K. Menon, Senior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Cochin.	No. 396, Income Tax Establishments dated 26-8-1971.	31-3-1973	
19. D. C. Goel, Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, New Delhi.	No. 38, Income Tax Establishments, Dated 14-2-1972.	8-3-1972	

1	2	3	4
S/Shri			
20. K.V. Iyer, Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Nagpur.	No. 452, Income Tax Establishments, dated 25-9-72	13-12-1972	
21. D.S. Thapar, Senior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Chandigarh.	No. 34, Income Tax Establishments, dated 31-1-1970	15-6-1971	
22. L.S.S. Chakravorty, Senior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Nagpur.	No. 43, Income Tax Establishments, dated 18-1-71	11-6-1973	
23. P. Ramamurthy, Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Nagpur.	No. 34 Income tax Establishments, dated 11-2-1970	14-12-1971	
24. P.N. Malik, Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Chandigarh.	No. 43, Income Tax Establishments, dated 18-1-1971	21-9-1971	
25. N.R. Bhattacharjee, Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Gauhati.	No. 452, Income Tax Establishments, dated 25-9-1972.	6-11-1973 (A.N.)	
26. V. Chandramouli, Senior Authorised Representative, Income tax Appellate Tribunal, Nagpur.	No. 393, Income Tax Establishments, dated 9-8-1971	9-8-1971 (A.N.)	
27. M.S. Unni Nayar, Senior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay.	No. 43, Income Tax Establishments, dated 18-1-1971	28-8-1972	
28. N.U. Raval, Senior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Ahmedabad.	-do	25-4-1973	
29. V. U. Eradi, Senior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal Cochin.	No. 43, Income Tax Establishment dated 18-1-1971	13-2-1972	

[Notification No. 9 and 10/F. No. 15/88/73-Ad.VI]

SANTOKH SINGH BHATIA, Under Secy.

ORDER

New Delhi, the 22nd June, 1974

STAMPS

S.O. 1536.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the *ad hoc* bonds to the face value of one hundred lakhs of rupees, to be issued by the Karnataka State Financial Corporation, are chargeable under the said Act.

[No. 19/74-Stamp-F. No. 471/29/74-Cus. VII]

आवेष

का० प्रा० 1537.—केन्द्रीय सरकार, भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देती है कि, महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम, मुम्बई द्वारा देय शुल्क की रकम, नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट दिवसों जो, उसके स्तम्भ (3) में की तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट प्रकृत मूल्य के हैं, के जारी किए जाने की दशा में, उक्त सारणी के स्तम्भ (4) में की तत्संबंधी प्रविष्टि के नामने विनिर्दिष्ट रकम में समेकित की जाएगी।

सारणी

क्रम सं०	दिवस	अभिधान	शुल्क की समेकित राशि
(1)	(2)	(3)	(4)
		र०	पै०
1.	6 प्रतिशत मूला० औ० वि० बधपत्र, 1984	1,08,00,600	81,004.50
2.	6 प्रतिशत मूला० औ० वि० बधपत्र, 1985	1,10,00,000	82,500.00

[सं० 18/74-स्टाम्प-फा० सं० 471/25/74-सीमा शुल्क-7]

जे० रामकृष्णन, अवसर सचिव

नई दिल्ली, 4 जून, 1974

का० प्रा० 1535.—केन्द्रीय सरकार, साधारण बीमा कारबार (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1972 (1972 का 57) की धारा 35 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विनिर्दिष्ट करती है कि बीमा अधिनियम, 1938 (1938 का 4) की धारा 101 क के उपबन्ध प्रथम वर्णित अधिनियम की धारा 3 में यथा परिभाषित प्रत्येक अर्जक कम्पनी को लागू नहीं होंगे।

[फा० सं० 64 (49)-बीमा 1/73]

र० द० खानवलकर, अवसर सचिव

New Delhi, the 4th June, 1974

S.O. 1535.—In exercise of the powers conferred by section 35 of the General Insurance Business (Nationalisation) Act, 1972 (57 of 1972), the Central Government hereby specifies that the provisions of section 101 A of the Insurance Act, 1938 (4 of 1938), shall not apply to any acquiring company as defined in section 3 of the first mentioned Act.

[F. No. 64(49)-INS.1/73]

R. D. KHANWALKAR, Under Secy.

आवेष

नई दिल्ली, 22 जून, 1974

स्टाम्पस्

का० प्रा० 1536.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एन० द्वारा उक्त शुल्क से, जिसके द्वारा कर्नाटक राज्य वित्त निगम द्वारा जारी किए जाने वाले एक से लाख रुपए प्रकृत मूल्य के तथे बांड उक्त अधिनियम के अधीन प्रशस्य हैं, छूट देती है।

[सं० 19/74-स्टाम्प-फा० सं० 471/29/74-सीमा शुल्क VII]

ORDER

STAMPS

S.O. 1537.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899) the Central Government hereby directs that the amount of duties payable by the Maharashtra Industrial Development Corporation, Bombay, in the case of issues of the debentures specified in column (2) of the Table below of the face value specified in the corresponding entry in column (3) thereof, shall be consolidated into the sums specified against the corresponding entry in column (4) of the said Table.

TABLE

S. No.	Debentures	Denomination	Consolidated amount of duty
1	2	3	4
		Rs.	Rs.
1.	6% M.I.D. Bonds 1984	1,08,00,600	81,004.50
2.	6% M.I.D. Bonds 1985	1,10,00,000	82,500.00

[No. 18/74-Stamp-F. No. 471/25/74-Cus. VII]

J. RAMAKRISHNAN Under Secy

(बैंकिंग विभाग)

नयी दिल्ली, 1 जून, 1974

का० प्रा० 1538.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उप धारा (1) के उपबन्ध पटना अर्बन कोऑपरेटिव बैंक लि०, पटना पर 29 सितम्बर, 1972 से 28 फरवरी, 1974 तक की अवधि के लिए लागू नहीं होंगे।

[सं० एफ० 8/2/74-एसी]

(Department of Banking)

New Delhi, the 1st June, 1974

S.O. 1538.—In exercise of the powers conferred by section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (1) of section 11 of the said Act shall not apply to the Patna Urban Cooperative Bank Ltd., Patna, for the period from 29th September, 1972 to 28th Feb. 1974.

[No. F. 8/2/74-ACI]

नयी दिल्ली, 13 जून, 1974

का० प्रा० 1539.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, रिजर्व बैंक आफ इण्डिया की सिफारिश पर एतद्वारा घोषित करती है कि 1 जुलाई, 1971 से प्रारम्भ होकर 30 जून, 1976 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान—

(क) उक्त अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के उप खण्ड (I) और (II) के उपबन्ध नीचे लिखे बैंकों के मामले में वहाँ तक लागू नहीं होंगे जहाँ तक कि वे उपबन्ध कथित बैंकों का प्रबन्ध उन व्यक्तियों द्वारा किये जाते

का प्रतिशोध करते हैं जोकि, सन्धाय अधिनियम 1956 (1956 का 1) के अधीन एक पंजीकृत कम्पनी "कृषिक विन निगम लि०" के निदेशक हैं; और

(ख) उक्त अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (3) के उपबन्ध नीचे लिखे बैंकों के मामलों में वहाँ तक लागू नहीं होंगे जहाँ तक कि वे उपबन्ध उक्त बैंकों के उपर्युक्त कृषिक विन निगम लि० के शेयर धारण करने का प्रतिशोध करते हैं।

क्रम संख्या	बैंक का नाम
1.	सैण्ट्रल बैंक आफ इण्डिया
2.	बैंक आफ इण्डिया
3.	पंजाब नेशनल बैंक
4.	बैंक आफ बड़ोदा
5.	यूनाइटेड कामर्शियल बैंक
6.	यूनियन बैंक आफ इण्डिया
7.	देना बैंक
8.	बैंक आफ महाराष्ट्र
9.	इण्डियन ओवरसीज बैंक
10.	दी चार्टर्ड बैंक
11.	यूनाइटेड बैंक आफ इण्डिया
12.	सिण्डिकेट बैंक

[सं० एफ० 13/13/74-एसी]

New Delhi, the 13th June, 1974

S.O. 1539.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that, during the period commencing on the 1st July, 1974 and ending with the 30th June, 1976—

(a) the provisions of sub-clauses (i) and (ii) of clause (c) of sub-section (1) of section 10 of the said Act shall not apply to the undermentioned banks in so far as the said provisions prohibit the said banks from being managed by persons who are directors of the Agricultural Finance Corporation Limited, a company registered under the Companies Act, 1956 (1 of 1956); and

(b) that the provisions of sub-section (3) of section 19 of the said Act shall not apply to the undermentioned banks, in so far as the said provisions prohibit the said banks from holding shares in the said Agricultural Finance Corporation Limited.

Sr No. Name of the Bank

1. Central Bank of India
2. Bank of India
3. Punjab National Bank
4. Bank of Baroda
5. United Commercial Bank
6. Union Bank of India
7. Dena Bank
8. Bank of Maharashtra

9. Indian Overseas Bank
10. The Chartered Bank
11. United Bank of India
12. Syndicate Bank

[No. F. 13/13/74-AC]

का० प्रा० 1540.—बैंककारी विनियमन अधिनियम 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, रिजर्व बैंक इण्डिया की सिफारिश पर एतद्वारा घोषित करती है कि 1 जुलाई, 1974 से प्रारम्भ होकर 30 जून, 1976 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान :—

- (क) उक्त अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के उपखण्ड (i) और (ii) तथा धारा 10 ख की उप धारा (2) और (4) के उपबन्ध विजय बैंक लि०, मंगलूर और आन्ध्र बैंक लि०, हैदराबाद पर वहा तक लागू नहीं होंगे जहां तक की वे उपबन्ध उक्त बैंकों का प्रबन्ध उनके अध्यक्षों (मुख्य कार्यकारी अधिकारियों) द्वारा किये जाने का प्रतिशोध इस कारण करते हैं कि वे समवाय अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन एक रजिस्टर्ड कम्पनी "कृषिक वित्त निगम लि०" के निदेशक हैं; और
- (ख) उक्त अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (3) के उपबन्ध उक्त बैंकों के मामलों में वहां तक लागू नहीं होंगे जहां तक कि वे उपबन्ध उक्त बैंकों के उपर्युक्त कृषिक वित्त निगम लि० के शयर धारण करने का प्रतिशोध करते हैं।

[सं० एफ० 13/13/74-एसी]

ल० द० कटारिया, उप सचिव

S.O. 1540.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that, during the period commencing on the 1st July, 1974 and ending with the 30th June, 1976,—

- (a) the provisions of sub-clauses (i) and (ii) of clause (c) of sub-section (1) of section 10 and sub-sections (2) and (4) of section 10B of the said Act shall not apply to the Vijaya Bank Limited, Mangalore and the Andhra Bank Limited, Hyderabad, in so far as the said provisions prohibit the said banks from being managed by their Chairmen (Chief Executive Officers) by reason of their being directors of the the Agricultural Finance Corporation Limited, a company registered under the Companies Act, 1956 (1 of 1956); and
- (b) that the provisions of sub-section (3) of section 19 of the said Act shall not apply to the said banks in so far as the said provisions prohibit the said banks from holding shares in the said Agricultural Finance Corporation Limited.

[No. F. 13/13/74-AC]

L. D. KATARA, Dy. Secy.

उद्देश्यः—सं० एफ० 9-4(32)/72—बी०ओ० I(का III)—4, तारीख 4-12-72

नई दिल्ली, 5 जून, 1974

का० प्रा० 1541.—केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध तथा प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 के खण्ड 3 के उप-खण्ड (ख) के अनुसरण में, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श के पश्चात्, श्री ए० के० मेन गुप्त, प्रधान (कार्मिक) इण्डियन प्राक्सीजन लिमिटेड, कलकत्ता को, 5 जून, 1974 से प्रारम्भ

और 10 दिसम्बर 1973 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए, यूनाइटेड बैंक आफ इण्डिया का निदेशक नियुक्त करती है।

[संख्या 9-4/49/73-बी०ओ० I]

डी० एम० सुकथनकर, निदेशक

New Delhi, the 5th June, 1974

Ref :—No. F. 9-4 (32)/72-BO. I (Vol. III)-4, dated 4th December, 1972)

S.O. 1541.—In pursuance of sub-clause (f) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri A. K. Sen Gupta, Chief (Personnel), Indian Oxygen Ltd., Calcutta, to be a Director of United Bank of India, for the period commencing on 5th June, 1974 and ending with 10th December, 1975.

[No. F. 9-4/49/73-BO I]

D. M. SUKTHANKAR, Director

नई दिल्ली, 4 जून, 1974

का० प्रा० 1542.—बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10ख की उपधारा (1) और (2) के उपबन्ध, 30 जून, 1974 या उक्त बैंक के पूर्णकालिक अध्यक्ष की अगली नियुक्ति की तारीख में से जो तारीख पहले हो, उस तारीख तक ट्रेडर्स बैंक लि० पर लागू नहीं होंगे।

[सं० 15 (15 बी ओ० III/74]

एम० बी० उसगांवकर, अवर सचिव

New Delhi, the 4th June, 1974.

S.O. 1542.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-sections (1) and (2) of section 10B of the said Act, shall not apply to the Traders' Bank Ltd., till the 30th June 1974 or till the next appointment of a whole-time Chairman of that bank, whichever is earlier.

[No. 15(15)-B.O.III/74]

M. B. USGAONKAR, Under Secy.

(व्यय विभाग)

नई दिल्ली, 25 मई 1974

का० प्रा० 1543.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों और उसे इस निमित्त समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) की अधिसूचना न० का० प्रा० 3628 तारीख 4 नवम्बर, 1972 द्वारा यथा संगोधित, वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग कर्मचारिबुन्द निरीक्षण यूनिट) भर्ती नियम, 1965 में और संगोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग-कर्म-चारिवृत्त निरीक्षण युनिट) भर्ती (संशोधन) नियम, 1974 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग-कर्मचारिवृत्त निरीक्षण युनिट) भर्ती नियम, 1965 की अनुसूची में :—

(क) "ज्येष्ठ विश्लेषक", के पद से सम्बन्धित क्रम सं० 1 में, स्तम्भ 5 और 6 की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखी जाएंगी, अर्थात् :-

"40 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिलनीय)।"

आवश्यक :

- (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री या समतुल्य।
- (ii) कार्य-अध्ययन तकनीकों में प्रशिक्षण और प्रत्यक्षतः या पर्यवेक्षक की हैसियत में कार्य-अध्ययन संचालित करने का कम से कम 3 वर्ष का अनुभव या संगठन और पद्धति तथा प्रबन्धक सेवाओं में प्रत्यक्षतः या पर्यवेक्षक की हैसियत से कम से कम 3 वर्ष का प्रशिक्षण या संचालकीय सर्वेक्षण और परियोजनाओं के विश्लेषण की तकनीक में प्रत्यक्षतः या पर्यवेक्षक की हैसियत में कम से कम 3 वर्ष की अवधि पर्यन्त प्रशिक्षण।

(अन्यथा सुमहत् अर्हताओं की दशा में आयोग के विवेकानुसार अर्हताएं शिथिलनीय)।

वांछनीय :

- (i) सरकारी नियमों और विनियमों का ज्ञान।
- (ii) लोक प्रशासन प्रशिक्षण के समान विशेष अर्हताएं,
- (ख) "अनुसंधान एवं प्रशिक्षण अधिकारी" के पद से सम्बन्धित क्रम सं० 2 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों का लोप किया जाएगा;
- (ग) क्रम सं० 3 से 5 क्रमशः क्रम सं० 2 से 4 के रूप में पुनर्संख्या-कृत किए जाएंगे और कनिष्ठ विश्लेषक के पद से सम्बन्धित इस प्रकार पुनर्संख्याकृत क्रम सं० 2 में, स्तम्भ 5 और 6 की प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित रखी जाएंगी, अर्थात् "35 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिलनीय)।"

आवश्यक :

- (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री या समतुल्य।
- (ii) कार्य-अध्ययन/कार्य माप संचालित करने का कम से कम 2 वर्ष की अवधि के लिए प्रशिक्षण या अनुभव या किसी सरकारी या अर्द्ध सरकारी संगठन या राज्यतः प्राप्त समुद्धान में संचालकीय सर्वेक्षण और परियोजनाओं के विश्लेषण की तकनीकी का कम से कम दो वर्ष की अवधि पर्यन्त ज्ञान और अनुभव।

(अन्यथा सुमहत् अर्हताओं की दशा में, आयोग के विवेकानुसार अर्हताएं शिथिलनीय)

वांछनीय :

सरकारी नियमों और विनियमों का ज्ञान।"

[सं० ए० 12018/2/73-ई० 1 (बी)]

र० ल० सूद, अवर सचिव

(DEPARTMENT OF EXPENDITURE)

New Delhi, the 25th May, 1974

S.O. 1543.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and of all other powers enabling him in that behalf, the President hereby makes the following rules further to amend the Ministry of Finance (Department of Expenditure—Staff Inspection Unit) Recruitment Rules, 1965, as amended by the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Depart-

ment of Expenditure) No. S.O. 3628, dated the 4th November, 1972 namely :—

1. (1) These rules may be called the Ministry of Finance (Department of Expenditure—Staff Inspection Unit) Recruitment (Amendment) Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Ministry of Finance (Department of Expenditure—Staff Inspection Unit) Recruitment Rules, 1965.—

(a) in serial No. 1 relating to the post of "Senior Analyst", for the entry in columns 5 and 6, the following shall be substituted, namely :—

"40 years (relaxable for Government servants)";

"Essential :

- (i) Degree of a recognised University or equivalent.
- (ii) Training in work study techniques and experience in conducting work studies directly or in supervisory capacity for a minimum period of 3 years or training in O&M and Management Services directly or in supervisory capacity for a minimum period of 3 years or training in techniques of statistical survey and analysis of projects directly or in supervisory capacity for a minimum period of 3 years.

(Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified".

"Desirable :

- (i) Knowledge of Government rules, and regulations.
- (ii) Special qualifications like training in public administration".
- (b) Serial No. 2 relating to the post of "Research-cum-Training Officer" and the entries relating thereto shall be omitted;
- (c) Serial Nos. 3 to 5 shall be renumbered respectively as serial Nos. 2 to 4 and in S. No. 2 as so renumbered relating to the post of Junior Analyst, for the entry in columns 5 and 6, the following shall be substituted, namely :—

"35 years (relaxable for Government servants)".

"Essential :

- (i) Degree of recognised University or equivalent.
- (ii) Training in or experience of conducting work studies/work Measurements for a minimum period of 2 years or knowledge and experience in techniques of statistical survey and analysis of projects for a minimum period of 2 years in a Government or semi-Government organisation or a concern of repute.

(Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified).

"Desirable :

Knowledge of Government rules and regulations."

[No. A. 12018/2/73-E. I. (B)]

R. L. SUD, Under Secy.

समाहर्ता कार्यालय, कोषीय उपराष्ट्र मन्त्र

गुन्दुर, 27 अप्रैल, 1973

(दिनांक 20-7-72 की अधिसूचना सं० 1/72 का परिशिष्ट/अनुबंध)

का० अ० 1544.—निम्नलिखित वाक्य, पैरा '3' के रूप में जोड़ दिया जाये तथा अधिसूचना के प्रस्तुत प्रकरण 3 की संख्या बदल कर प्रकरण 4 कर दी जाए।

उपरोक्त छद्म, वायु द्वारा मिटाई जाने वाली भारतीय नम्बराक की खेती करने वाले ऐसे व्यक्तियों के सम्बन्ध में लागू नहीं होंगी, जो कि व्यवसायी संसाधकों को हरी नम्बराक बेचना चाहते हैं।

अनुसूची

क्रम सं०	प्रभाग का नाम	एम० ओ० आर०/आई० आर० का नाम	छूट प्रवर्त क्षेत्र	1944 की केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली के 15 वें नियम के अधीन, स्तम्भ-4 में उपवर्णित अधिकार क्षेत्रों में से बिना घोषणा किये नम्याखू की खेती करने वाला निम्नलिखित अधिकतम क्षेत्र में खेती कर सकता है।	मात्रा : 1944 की केन्द्रीय अम्यु-उत्पादन शुल्क नियमावली रिक्तियों के 16 वें नियम के अधीन स्तम्भ 4 में उपवर्णित अधिकारी क्षेत्रों में खेतिहर निम्नलिखित मात्रा में बिना घोषणा के तम्बाखू मुखा सकता है।
1	2	3	4	5	6
1	अंगोल आई० डी० ओ०	मरकापुर आई० आर०	दुपद फिरका : शायलिपल्ली, मोल्लपल्ली, चोकापल्लि। ओरनल फिरका : पेंडरल्ली, हनमुक्कला, एरिप्पा, डोर्नेला, चेगुवा, चुलो पल्ली। मरकापुर फिरका : विमुलाकोटा। येररागोन्डापलेम फिरका : कोमारोलु, कवलकुन्ताला, एन्डरापल्ली, कोलुकुला, वेन्कटादुपलेम।	12 ऐंसे	60 किलोग्राम
		कुन्डुकुर एम०ओ०आर०	त्रिपुराईधकम फिरका: मेदपि, कलिकाव, मुपल्ला, एनपलुकुर ग्राम ओ छोड्कर कुन्डुकुल ताल्लुका डुग्गीरुल्ला, तेनाली और अमरधनुरु फिरका गुन्दुर।		
		तेनाली एम०ओ० आर०	जिले के तेनाली ताल्लुक का फिरका। तेनाली ताल्लुक गुन्दुर जिले के चपरोलु फिरके के निम्नलिखित गांव : संगमजंगरलमुदि, बद्दुलुम्वि, श्रीरंगपुरम, चेडला-पल्ली, वेदपलम्, मन्नाला, पेनगुडुरुषद, तमुन्वर, पेडा गोडलावरलु और वेलीवरु। तेनाली ताल्लुका, गुन्दुर जिले, के केमिपारा फिरके के नीचे लिखे हुए गांव : मुन्तागी, दाधुलुरु पेडापारु, इन्तलुरु, विवालुरु, श्रीपुरम, तुमुलुरु, एथोडा, कुन्नावरम और बल्लभपुरम। वापटला, तालुक, गुन्दुर जिले के पोन्नुर फिरके के नीचे लिखे हुए गांव : बल्लभपुरम, अरुमन्डा, मन्नावरम, उप्पारापालम, बल्लभपुरम, बल्लुरु, बडिमुक्कला, टोथुपुडि, पोन्नुर, निरुन्नोरोलु, नन्नुरु।	12 ऐंसे	60 किलोग्राम
		रेपल्ली एम०ओ०आर०	रेपल्ली, तालुके के दुपीपुडी, मन्नापुडी, और कुन्नेनापुरा का सम्पूर्ण फिरका।		

1	2	3	4	5	6
		रपल्ली ताल्लुके, गुन्दुर जिले के चौडाहपलेम, चेराकुपल्ली का पूरा फिरका।			
		गुन्दुर जिले, तेनाली ताल्लुका, कोल्लूर किस्का के निम्नलिखित गांव :			
		बेमुडुपाडु, अनन्नावरम्, रवीकमपडु, श्रीतापुलो- वरम्, गुरीबिता, जिपल्ली, अग्रहम्, पेनामारु, अब्बाशा-गुडावल्ली, बोड्डुलुरुपडु, अग्रहरम् कुचीपुडी, कुचेल्लपडु, चन्नालावडा, पेरावली और वाराहपुरम्।			
		पश्चिमी गोदावरी जिले का पूरा भीमावरम् ताल्लुका।			
2. विजयवाड़ा आई० बी० प्रो०.	भीमावरम् आई० आर०, आकिविडु आई० आर०, गुडीवडा आई० आर०, बन्डर आई० आर०, तिरुवर आई० आर०,	कृष्णा जिले का केकलुरु ताल्लुका। कृष्णा जिले का सम्पूर्ण गुड्डिवडा ताल्लुका। कृष्णा जिले के सम्पूर्ण बन्डर और इविवी ताल्लुके। तुत्तिकीपाडु, मेडुरे, गोसावेडु, श्रीरागदपा गांव को छोड़कर, कृष्णा जिले के तिरुवर ताल्लुके का सम्पूर्ण रामपल्लगुडम् फिरका। गन्तुगपट्टु मिन्तिकुल्लल, पोलिसेत्तिपट्टु और इवोलेला गांवों को छोड़कर, कृष्णा जिले के सम्पूर्ण तिरुवर ताल्लुके के तिरुवर फिरके। कृष्णा जिले के गन्नावरम् ताल्लुके, व्यथूर फिरके के नीचे लिखे गांव : व्यथूर, तड्डु, संतडा, गोपुवारिपलेम, गरजवा, यकनपुर, कोम्मुर, कंकावलि, चिनावोगि- राला, पोडावोगिराला, अकनूर, चेम्पेन्द्रापलेम और दासुसुड। कृष्णा जिले के कपिलेश्वरपुरम् और गन्नावरम् ताल्लुके का सारा फिरका। कृष्णा जिले का कटक, गन्नावरम् ताल्लुके का सारा फिरका। कृष्णा जिले के मदुरै फिरका, गन्नावरम् ताल्लुके के निम्नलिखित गांव : मथुरे, इल्लुरु और कानिगिरील्लकस, मुलक्का- पल्लिल्लका, गुरिविदापल्ली, मधुनापरम्, अग्र- हरम्, श्रीरंगपुरम्, इनपुर, कुवेर, श्चंदापल्ली, लकपल्लिल्लका, पुत्तुमाषा, औरगुडि, कृष्णा- पुरम् और चक्षुवरिपलेम। कृष्णा जिले के थोटाघरु फिरके के विजवाडा ताल्लुके के निम्नलिखित ग्राम :			
				12 मैर्स	60 किलोग्राम

1

2

3

4

5

6

7

यक्षिण ताल्लुक, उत्तरार्ध ५० और अगस्तिपट्ट, देवरा-
पल्लि, पेनाकुल, गरिकापट्ट, सोय्युल, सोय्युल्लक,
मड्डुल, चिनापुलिपक, प्रोडुट्टर, कोन्पापनड्ड,
ओड्डापड्ड ।

12 गैस

80 किलोग्राम

कृष्णा जिले के कंकिपड्ड फिरके और विजयवाड़ा
ताल्लुके के नीचे लिखे गांव :

कंकिपड्ड, पुन्नापड्ड, कोल्लवेस्तु, उपलर, इदुपगल्लु,
गोमाला, वक्कुर, नेपल्ली, कुन्दुर, कन्डलामपड्ड,
नेन्नैरु, मरेवुमका, गोदावुर ।

कृष्णा जिले के पोंगकी फिरके विजयवाड़ा ताल्लुके
के नीचे लिखे गांव :

ओड्डावरम्, पोड्डापुलिपक, तडिगड्डपा, वेलपुल,
गुड्डावल्ली ।

श्रिंगनापेटा ग्राम ० आर ० तिरुवर ताल्लुके का विसनापेटा फिरका ।

नन्दिदम एम ० आर ० आर ० वात्सवी पोल्लमपल्ली, चिसाला, गोवरावरम्,
भीमावरम् ।

इन्दुगुपल्ली, कन्नैवीड्ड, चिनामोड्ड, गुपल्ली और
भोगलु गांव को छोड़कर कृष्णा जिले के नन्दी
गांव ताल्लुके, मोक्कापेट का सारा फिरका ।

पेड्डावरम्, रसनापेटा, कोमलपल्लम, मुपल्ला
अन्डलापड्ड, कसरवाडा, वेलडी, कोठापलम,
येनरु, चिन्तलापड्ड, थुल्लापट्ट, बोबिल्लापड्ड,
कोडावतिकेल्लुर, पेटमपड्ड गांव को छोड़कर
कृष्णा जिले के अन्डलापड्ड और नन्दी गांव,
ताल्लुके का सारा फिरका ।

पेनुगाचिप्रोलु, मंडलापड्ड, सुब्बट्टुगुड्डम, वेंकटापुरम,
थोरिगुड्डिपाड्ड और मगल्लु गांव को छोड़कर
कृष्णा जिले का पुन्नागन्धोप्रोलु, नन्दी गांव
ताल्लुके का सारा फिरका ।

कुडावाडा और रविरला ग्राम को छोड़कर कृष्णा
जिले के जामियापेटा और नन्दी गांव ताल्लुके का
का सारा फिरका ।

ओटाचेरला, नवावपेट, बोन्डीपलम, चेन्डापड्ड,
यंगनैकुलिपलम, कुनिपलम, मुनगाचरेला,
पोचिमपल्लि, कोठावीरनिपाड्ड, नन्दी गांव,
अम्बर पेटा, इशावरम, कन्नडापुरम, कंचला,
कोराप्रान्तिपरिकुन्डिका, गोल्लामुडि, राघवा-
पुरम, पल्लिगिरि, अन्नवरम् और सोमावरम्
को छोड़कर नन्दी गांव ताल्लुके का सारा
फिरका ।

(3) राजामुन्नी ग्राह ० रामचन्द्रपुरम, अंगुलुड, पूर्ब गोन्डुल, पुडिपल्ली,
डी ० आर ० नागल्लापल्लि, सीवरम, के ० वीरेवरम,
दंदानजी, गुब्बलापड्ड, वीरावरम्, वीरावरा-
पुल्लक, मोदिपल्लि, मन्थुर, देवीपटनम, कचलुल,

1	2	3	4	5	6	7
			टोम्येह, पश्चिमी गोनहुर, थाल्लुह, तल्लिपेह, कोन्डामडलु, दबीपटनम, रामनाहिपेटा, एरलापल्लि, तल्लिवाडा, एच० ओ०, कोन्डामडलु गांवों, उवाहरणस्वरूप देवीपटनम फिरका और चोडावरन् के उगुत्तुरपक्कु, गेड्डडा और पिन्डिरिमडि को छोड़कर वैशीपट्टनम फिरका, रामाचोडावरम् फिरका ।			
		पूरा भोकावरम फिरका जिममें कत्तुपुडु, कोटोपल्ली, तिम्मालय पलम, और कृष्णाडुपलम गांव, कोन्डागुट्टुर, नामवरण, भोपालपलम, श्रीकृष्णापटनम, जैगाम्पडु, मारमण्डा, इमि-रेडिपल्ली, कडियम फिरके का रजोवा, मोग्गपुडि, बोम्मुर, द्रुकुमपेट आदि राजामुन्नी फिरके के गांव, राघवपुरम फिरका के गजुला-पलम, बुल्लेडुपलेध और राघवापुरम गांव, नरमापुरम, जम्बुपटनम, पल्लेर्ला, कोटी और गडरड और कोरुकोडाडा आदि राजमुन्नी ताल्लुके के बुदुगुडी फिरके के गांव तथा राजमुन्नी ताल्लुके के कलावच्चन्ना को छोड़कर सम्पूर्ण राजगावरम् फिरका सम्मिलित हैं	32 ऐर्स		60 किलोग्राम	
		वेल्लावरम, पेड्डापुरम तुनी फिरके के डीपोला-वरम्, डोण्डावाका, रेपाका, और के० ओमल्ला-वरम् गांव को छोड़कर सम्पूर्ण पिथापुरम तथा प्रथीपडु ताल्लुके । पूर्वी गोदावरी जिले के काकीनाडा ताल्लुके का गोल्लालामामीड्डा और सामलकोट फिरके ।	12 ऐर्स		80 किलोग्राम	
	(4)	ओ० ऐलुरु आई० डी० पूरा पेण्टापडु फिरका, गनापवरम्, फिरका निडा-मर्च फिरका, युन्गुट्टुर फिरका, युन्गुट्टुर गांवों को व इसके पल्ली गांव जैसे नीलाद्रिपुरम, येरमल्ला, गुल्लापडु और गोपोनाथापटनम् को छोड़कर लेडापल्लीगुडेम ताल्लुके का भालमपुर फिरका, माधावरम् गांवों को छोड़कर, और काडियाडु तथा इसके पल्ली-गांवों नीलाद्रिपुरम् और कृष्णापुरम्, कोम्मगुडेम व इसके पल्ली ग्राम पत्तमपालेम, ताडेपल्लि, पेड्डा, ताडेपल्लि, चाइना ताडेपल्लि, रामाध-गुडेम और गुल्लापडु, वेंकटारमन्नागुडेम और गुल्लापडु, वीरामपलेम व इसके पल्ली गांव और वंरुगुडेम व जगनापेटा को छोड़कर ताडे-पल्लिगुडेम फिरका ।				
	(ख)	कलवलपल्लि और 1 परिगिडि गांव को छोड़कर पूरा अगल्लु फिरका, कोरुममिडि, अम्मपल्लि, सेडिपल्ले, कोयुरु और पल्लेन्टला गांवों को छोड़कर कोयूरुगल्लुके का वैवरा-पल्ली फिरका ।				

1	2	3	4	5	6	7
			(ग) पश्चिमी गोदावरी जिले के कोव्वूर ताल्लुके का पुरुषोथपल्ली, विजयेस्वरम, जीडिगुन्टा, पंडलनरु और मोड्डुगु यांबो को छोड़कर मारा निबुडबोल फिरका ।			
(5)	विशाखापटनम् आई० डी० ओ०	श्रीकाकुलम जिले का पुराचीपुरापल्ली, छत्तापुरम सोमपेट, तेक्काली, पालाकेन्डा, पथापपटनम् श्रीकाकुलम और नरामन्नापेटा ताल्लुका ।				
			(ख) पूरा विजयनगरम ताल्लुका । भीमुनीपटनम ताल्लुका का रेविडि फिरका, विशाखापटनम के भीमुनिपटनम ताल्लुका का कोनाडा और कुमिली फिरके व मारा विजयनगरम ताल्लुका अनकापल्ली, ताल्लुके के अनकापल्ली, कासिम-कोट, परावडा, नरसिंगविल्ली, चिन्तानिपुल्ला, अग्रहरम, मन्नावरम और मुनागपाक फिरके ।			
			इलम्माधिली ताल्लुके कोन्डाकेरला, पेनुगोल्लु, नक्कापल्ली, गोछोचेरला और श्रीरामपुरम फिरके, नरसीपटनम ताल्लुके के रेन्गुन्टा, सरुंगवरम, बूचमपेटा, मेकवरिपलेम, नरसी-पटनम्, के० डी० पेट व योनुगेन्डापेट, फिरका ।	12 ऐसं	60 किलोग्राम	
			चोडावरम, ताल्लुके के गोम्पा, चोडावरम, मादु-गुल्ला, के० कोटापडु, ए० कोडूर, श्रीरावल्ली, बुचय्यापेट, किन्नामि, मेडीताडा व तोतुवोलु फिरके ।			
			विशाखापटनम जिले के चिन्तापल्ली ताल्लुके के चिन्तापल्ली फिरके व कोय्यु और मोकरापान ताल्लुक । एलामनावली ताल्लुके के सालाम-कोडूर, डिमिली व ऐल्लमविल्ली फिरके । विशाखापटनम जिले के चोडावरम ताल्लुके के वडिडुडी कलीगोटला व देवारपल्ली, लक्ष्मी-पुरम् फिरके । विशाखापटनम ताल्लुके के विशाखापटनम कनिथी, मेघुरावाडा व पुन्डुरटो फिरके ।			
			भीमुनिपटनम ताल्लुके के डोरकाडा भोगापुरम, आन्नवपुरम्, रेवेडी, भीमुनिपटनम, तगारा-पुवालसा, कोरुकोन्डा, कोनाडा और कुमिली फिरके । कोथावलसा; जामी, वेपदा, श्रृंगावर-प्रकोटा, बोड्डम, लक्कावरापुकोटा, उत्तरा-पल्ली, अलमंडा और धरमावरम फिरके, श्रीगवारापुकोटा ताल्लुके ।	12 ऐसं	60 किलोग्राम	
			विशाखापटनम जिले के पाउरु ताल्लुके के बुम्बरी-गुडा और सुंकरामेट्टा फिरके ।			

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE :

Guntur, the 27th April, 1973

Addendum to Notification No. 1/72 dated 20-7-72)

S. O. 1544.—The following may be inserted as para 3 and the present para 3 in the Notification may be remembered as para 4.

“3 The above exemption will not apply to growers of I.A.C. tobacco, who intend to sell the green tobacco to professional curers”.

Addendum to Schedule annexed to Notification No. 1/72 dated 20-7-72.

There are some mistakes in the names of villages noted in Col. 4 of the Schedule. The Correct names of the villages are given hereunder;

Line No. in Gazette Notification	Name of Village mentioned in Notification	Correct name of Village
1	2	3
Page 5082		
Line 2	Vemlekota	Vemulakota
Line 3	Hevrragondapalem Firka	Yerragondapalem Firka
Line 4	Kpmarolu	Komarolu
Line 5 & 6	Kolu-Venkatadri palem	Kolukula, Venkatadripalem
Line 21	Manchara	Manchala
Line 27	Pavuluru	Davuluru
Line 30	Kanchavaram	Kunchavaram
Line 47	Repalli Tq.	Tenali Tq.
Line 69	Tirupur	Tiruvur
Line 71	Tunikipudu	Tunikipadu
Line 74	Tirupur	Tiruvur
Page 5083		
Line 5	Gopavanipalem	Gopuvaripalem
Line 7	Vegirala	Vogirala
Line 10	Babuluru	Davuluru
Line 21	Kanigirilankas	Kanigiri lankas
Line 25	Kunderu	Kuderu
Line 26	Penumacham	Penumacha
Line 46	Kondalappadur	Kandalampadu
Line 46	Tennedu	Tenneru
Line 52	Celpuru	Velpuru
Line 65	Chandallapady	Chandallapadu
Line 69	Chandrabapady	Chandralapadu
Page 5084		
Line 4	Manddapadu	Mandlapadu
Line 7	Magalluk Thorrigudipady	Magallu Thorrigudipadu
Line 19	Kothaveerunipad	Kothaveerunipadu
Line 26	Rompachodavaram	Rampachodavaram
Line 28, 29	Angalur	Anguluru
Page 5084		
Line 30	Pralle	Nagallapalli
Line 31	Dandanji	Dandangi
Line 33	Veeravasalanka	veeravarapulanka
Line 35	Kalthur	Kachuluru

	(1)	(2)	(3)
Line 35		Zayyeru	Toyyeru
Line 36		Thullur	Thalluru
Line 36, 37		Celiparu	Taliperu
Line 39		Tallivadu	Talliwada
Line 43		Ceddadi	Geddada
Line 51		Jegamadu	Jegampadu
Line 63		Burgupui	Burugupudi
Line 65		Entire Rajamundry firka	Entire Rajanagaram firka
Line 71		Dandavaka	Dondavaka
Line 72		Kommallavaram	K. O. Mallavaram
Page 5058			
Line 7		Vungutur	Ungutur
Line 9		"	"
Line 11		Gollapadu	Gollapadu
Line 11, 12		Gopithapuram	Gopinadhapatnam
Line 13		Madavaram	Madhavaram
Line 16		Kadiada	Kadiadda
Line 23, 25		Gopllapadu	Gullapadu
Line 26		Venkata Veerapalem	Veerampalem
Line 28		Bagarudem	Bangarugudem
Line 46		Moduru	Modduru
Line 58, 59		Konda and Kusili	Konada and Kumili
Line 66, 67		Munagopaka	Munagapaka
Page 5086			
Line 2		Goicherla	Godicherla
Line 5 Makevarialem	Makevaripalem
Line 6		Naraspatnam	Narsipatamn
Line 11		K. Kodapadu	K. Kotapadu
Line 20		Dimli	Dimili
Line 31		Kumuli	Kumili
		Konda	Konada
Line 39		Kaklavarapukota	Lakkavarapukota
Line 43		Dumbribuda	Dumbriguda
Line 45		Peduru	Pederu

राज्य संसद
(इलायची नियंत्रण)

नई दिल्ली, 13 जून, 1974

क्र० आ० 1545.—इलायची नियम 1966 के नियम 5 के साथ पठित इलायची अधिनियम 1965 (1965 का 42) की धारा 4 की उपधारा 3 के खण्ड (ग) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि राज्य सभा के सदस्य श्री बी०वी० अब्दुल्ला कोया इलायची बोर्ड के सदस्य के रूप में राज्य सभा द्वारा निर्वाचित किये गये हैं और विनिर्दिष्ट करती है कि यह सदस्य 8 मई 1974 से तीन वर्ष की अवधि के लिए इलायची बोर्ड के सदस्य के पद पर कार्य करते रहेंगे और तब तक कि यदि वे उपर्युक्त अवधि की समाप्ति से पूर्व किसी भी दिन राज्य सभा के सदस्य नहीं रहते तो उसी दिन वे इलायची बोर्ड के सदस्य भी नहीं रहेंगे।

[29/1/72-प्लांट (बी)]

एस० महादेव अय्यर, अवर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE
(CARDAMOM CONTROL)

New Delhi, the 13th June, 1974

S.O. 1545.—In pursuance of clause (c) of sub-section (3) of section 4 of the Cardamom Act, 1965 (42 of 1965) read with rule 5 of the Cardamom Rules, 1966, the Central Government hereby notifies that Shri B. V. Abdulla Koya, Member of Rajya Sabha has been elected by the Rajya Sabha as a member of the Cardamom Board and specifies that the member shall hold office as a member of the Cardamom Board for a period of three years with effect from 8th May, 1974 provided that if he ceases to be a member of the Rajya Sabha on any day before the expiry of the said period he shall on that day cease to be a member of the Cardamom Board.

[29/1/72-Plant (B)]

S. MAHADEVA IYER, Under Secy.

संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय, केंद्रीय लाइसेंस क्षेत्र

आदेश

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1974

क्र० आ० 1546.—सर्वश्री ओरिएण्टल लॉगमेन्स लि०, 5 हेमिल्टन हाउस, एम ब्लॉक, कनाउट प्लेस, नई दिल्ली को संलग्न सूची के अनुसार कागज और बोर्ड, टीसू पेपर, आर्ट तथा क्रोम पेपर आदि के आयात के लिए 48,669 रुपये के लिये लाइसेंस संख्या पी/एल/2686581/सी दिनांक 12/5/72 प्रदान किया गया था। उन्होंने आयात व्यापार नियंत्रण हेतु क्रियाविधि, 1973-74 की कंडिका 320 के अनुसार यथा अपेक्षित एक शपथपत्र दाखिल किया है। उसमें उन्होंने बताया है कि बिना कुछ भी उपयोग किए ही 48669 रुपये के लिये लाइसेंस संख्या पी/एल/2686581 दिनांक 12-5-72 की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

2. मैं संतुष्ट हूँ कि उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

3. अद्यतन यथासंशोधित आयात व्यापार नियंत्रण, आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की उपधारा 9 (सी) के अन्तर्गत मेरे लिए प्रदान अधिकारों का प्रयोग कर 48669 रुपये के लिए उक्त लाइसेंस संख्या पी/एल/2686581 दिनांक 12-5-72 (सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति) को रद्द किया जाता है।

4. अब आदेशक को आयात व्यापार नियंत्रण हेतु क्रियाविधि 1973-74 की कंडिका 320 की व्यवस्थाओं के अनुसार उक्त लाइसेंस की अनुविधि सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति अलग से जारी की जा रही है।
[संख्या क्र०/2/जे एम-69/एम सी-3/सी एल ए]

ए० एल० भल्ला, उप-मुख्य नियंत्रक,

कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक

Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports
(Central Licensing Area)

ORDER

New Delhi, the 15th January, 1974

S.O. 1546.—M/s. Orient Lograns Ltd., 5 Hamilton House, L-Block Connaught Place, New Delhi were granted licence No. P/L/2686581/C dated 12/5/72 for Rs. 48669 for the import of Paper and Boards, Tissue Paper, art and Chrome Paper etc. as per list attached. They have filed an affidavit as required under para. 320 of Import Trade Control Hand Book of Rules & Procedure, 1973-74 wherein they have stated that Customs Purposes copy of licence No. P/L/2686581 dated 12/5/72 for Rs. 48669 has been lost/misplaced without having been utilised at all.

2. I am satisfied that the Customs Purposes copy of the said licence has been lost/misplaced.

3. In exercise of the powers conferred on me under subject clause 9(c) in the Import Trade Control Order 1955 dated 7-12-1955 as amended upto date, the said licence No. P/L/2686581 dated 12/5/72 for Rs. 48669/- (Customs Purposes copy) is hereby cancelled.

4. The applicant is now being issued duplicate Customs Purposes copy of the said licence in accordance with the provisions of para. 320 of Import Trade Control Hand Book of Rules & Procedure, 1973-74.

[Chem/2/JS 69/SC III/CLA/

A. L. BHALLA, Dy. Chief Controller

For Jt. Chief Controller

आदेश

नई दिल्ली, 13 फरवरी, 1974

क्र० आ० 1547.—सर्वश्री इन्डियन पॉलिमर इन्स्टीट्यूट, मावन बाजार, लुधियाना को आयात व्यापार नियंत्रण क्रम ग० 122(1)/5 के अन्तर्गत पॉलिस्टर फ़िल्म के आयात के लिये 13968/- रुपये मूल्य का एक लाइसेंस सं० पी/एल/1612940 दिनांक 13-2-1969 प्रदान किया गया था। अब उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुविधि के लिये इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल प्रति किसी सीमाशुल्क प्राधिकारी से पंजीकृत कराए बिना और बिना उपयोग किये बिना खो गई है।

अपने तर्कों के समर्थन में आवेदक ने आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि हेतु क्रियाविधि, 1973-74 के परिशिष्ट 8 के साथ पड़े जाने वाले पैरा 318(2) के अन्तर्गत यथासंशोधित स्टाम्प पेपर पर एक शपथपत्र दाखिल किया है। मैं मन्तुष्ट हूँ कि लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति खो गई है।

अद्यतन यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9(सी) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं उपर्युक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति को रद्द करने का आदेश देता हूँ।

अब आवेदक के मामले पर आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि हेतु क्रियाविधि, 1973-74 के पैरा 320 के अनुसार सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुविधि जारी करने के लिये विचार किया जाएगा।

[संख्या:आर०-3/एमएम 68/एयूपीसी/सीएलए]

के० आर० धीर, उप-मुख्य नियंत्रक

कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 13th February, 1974

S.O. 1547.—Indian Pencil Industries, Saban Bazar, Ludhiana were granted Licence No. P/S/1612940 dated the 13th February, 1969 for Rs. 13968 for Import of Polyester Film under I.T.C. Sr. No. 122(i)V. They have now applied for duplicate Custom purpose Copy of the above licence on the ground that Original has been lost without having been registered with any Custom Authority and utilised at all.

The applicant has filed an affidavit on stamped paper in support of their contention as required under para 318(2) read with Appx. 8 of I.T.C. Hand Book of Rules and Procedure 1973-74. I am satisfied that the Original Custom Purpose Copy has been misplaced.

In exercise of the powers conferred on me under clause 9(cc) imports (control) Order 1955, dated 7-12-55 as amended upto date, I order the cancellation of the Custom Purposes copy of the above licence.

The applicant's case will now be considered for the issue of duplicate Custom Purpose copy in accordance with para 320 of I.T.C. Hand Book of Rules and Procedure, 1973-74.

[No. 1-3/AM.68/Au. P'b./C/LA]

K. R. DHEER, Dy. Chief Controller
For Jt. Chief Controller.

संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय,

(सीह और इरपात प्रभाग)

आवेश

कलकत्ता, 23 फरवरी, 1974

विषय:—सर्वश्री जुपीटर स्टील मैनुफैक्चरिंग कम्पनी, 20-ए, ब्राबूरन रोड, कलकत्ता-1 को जारी किए गए आयात लाइसेंस सं० पी/एस/8220410/आर/एम एम/41/सी-32-31/01/54 तथा 55/ए डी एन दिनांक 2-12-71 को सीमा-शुल्क निकासी प्रति को रद्द करना।

का० आ० 1548.—सर्वश्री जुपीटर स्टील मैनुफैक्चरिंग कम्पनी, 20-ए, ब्राबूरन रोड, कलकत्ता-1 को 1970-71 अवधि के लिए निम्नलिखित अनुसार एक आयात लाइसेंस जारी किया गया था:—

आयात लाइसेंस की संख्या और दिनांक	विवरण	मूल्य
पी/एस/8220410 /आर/एम एम/41/सी/31-32/01/54 तथा 55/- एडीएल दिनांक 2-12-71	प्राइम एम०एम० प्लेट्स-ट्स किलड क्वालिटी-5 मि० सी० तथा 6 मि० सी०	58,814/- रुपये

उन्होंने जेष मूल्य 58,814 रुपये (अठ्ठावन हजार आठ सौ चौदह रुपये मात्र) के लिये उपर्युक्त आयात लाइसेंस की सीमा-शुल्क निकासी प्रति की अनुमति के लिए आवेदन किया है क्योंकि उन्होंने इस बात की पुष्टि कर दी है कि उपर्युक्त लाइसेंस की सीमा-शुल्क निकासी प्रति किसी भी सीमा-शुल्क कार्यालय में पंजीकृत कराए बिना और किसी अंश तक उपयोग किए बिना खो गई है। कुल धनराशि जिसके लिए उपर्युक्त लाइसेंस जारी किया गया था 58,814 रुपये (अठ्ठावन हजार आठ सौ चौदह रुपये मात्र) है और कुल धनराशि जिसके लिए मूल सीमा-शुल्क निकासी प्रति का उपयोग किया गया था, कुछ भी नहीं है। अब सीमा-शुल्क निकासी प्रति अनुमति की आवश्यकता 58,814/- रुपये (अठ्ठावन हजार आठ सौ चौदह रुपये मात्र) की पूर्ण धनराशि के लिए है।

2. इस तर्क की पुष्टि में आवेदक ने प्रेसीडेन्सी मजिस्ट्रेट, कलकत्ता द्वारा विधिवत साक्ष्योक्त स्टाम्प कागज पर एक शपथ-पत्र दाखिल किया है।

मैं संतुष्ट हूँ कि आयात लाइसेंस सं० पी/एस/8220410/आर/एम एम/41/सी/31-32/01/54 तथा 55/ए डी एन दिनांक 2-12-71 को सीमा-शुल्क निकासी प्रति खो गई है और निवेश देना हूँ कि इसकी अनुमति प्रति 58,814 रुपये के पूर्ण मूल्य के लिए आवेदक को जारी की जाए। उपर्युक्त आयात लाइसेंस की सीमा-शुल्क निकासी प्रति पूर्ण धनराशि 58,814 रुपये के लिए रद्द की जाती है।

[स.जे. सी/आई एम्ड एम/2/01/एडीएल/55]

बी० के० बिस्वास,

उप मुख्य नियंत्रक

Office of the Jt. Chief Controller

(Iron & Steel Division)

ORDER

Calcutta, the 23rd February, 1974

Sub. :—Cancellation of Customs Clearance Purpose copy of import licence No. P/S/8220410/R/ML/41/C-31-32/01/54 & 55/ADL, dt. 2-12-71 Issued to M/s. Jupiter Steel Manufacturing Co., 20-A, Brabourne Road, Calcutta-1.

S. O. 1548.—M/s. Jupiter Steel Manufacturing Co., 20-A Brabourne Road, Calcutta-1 were issued import licence for period 1970-71 as under :—

I/L. No. & Date	Description	Value
P/S/8220410/R/ML/41/C/31-32/01/54 & 55/ADL, dated 2-12-71.	Prime M.S. Plates Killed Quality—5 MM & 6 MM.	Rs. 58,814/-

They have applied for duplicate Customs Clearance purposes copy(s) of the above Import licence(s) for the balance value of Rs. 58,814 (Rupees fifty eight thousand eight hundred and fourteen only) since they have confirmed that the Customs clearance copy(s) of the above licences has been lost, without having been registered with the Customs House/with any Customs House and without utilising any part. The total amount for which the above licences was issued is Rs. 58,814 and the total amount for which the original copy(s) was utilised is Rs. Nil. The duplicate C.C.P. copy(s) now required is to cover the entire amount of Rs. 58,814 respectively.

2. In support of this contention the applicant has filed an affidavit on a stamped paper duly attested by Presidency Magistrate, Calcutta.

3. I am satisfied that the Customs Clearance Copy/& of Import Licences Nos. P/S/8220410/R/ML/41/C/31-32/01/54 & 55/ADL, dt. 2-12-71 has been lost and direct that the duplicate Customs Clearance copy(s) of the Import Licence for the full value of Rs. 58,814 should be issued to the applicant. The Customs Clearance copy(s) of the above import licence (s) is cancelled for the amount of Rs. 58,814/-.

[No. 6 JC/I&S-II/01/Addl./55]

B. K. BISWAS,

Deputy Chief Controller

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात का कार्यालय

आवेश

पंजिम, 5 अप्रैल, 1974

का० आ० 1549 — सर्वश्री केवरीनेटा पी० केमोटिस एण्ड इरपात, एस० पेडरो रोड को सामान्य क्षेत्र से क्रम सं० 83/4 के अन्तर्गत आयात के लिये 1250 रुपये मूल्य का एक आयात लाइसेंस सं० पी/ई/2659165/सी/एसएम/48/जे/37-38 दिनांक 10-7-73 प्रदान किया गया था।

उन्होंने उक्त लाइसेंस की सीमा-शुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रतियां जारी करने के लिये इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल प्रतियां उपयोग किये बिना और किसी भी सीमा-शुल्क प्राधिकारी से प्राधिकारी से पंजीकृत कराने बिना खो गई हैं।

आवेदक ने प्रथम श्रेणी के मजिस्ट्रेट के सामने विधिवत् साक्ष्यांकित स्टाम्प पर एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। अप्रोप्रिअरी मन्तुष्ट है कि लाइसेंस सं० पी/ई/2659165/सी/एक्स एक्स/48/जी/37-38 दिनांक 10-7-73 की मूल सीमा-शुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई है और इनकी अनुलिपि प्रतियां आवेदक को जारी की जानी चाहियें।

आयात नियंत्रण आदेश, 1955 के खण्ड 9 (सी सी) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं उक्त लाइसेंस की सीमा-शुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति रद्द करने का आदेश देता हूँ।

अब आवेदक को आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि पुस्तिका 1973-74 के पैरा 320(4) की शर्तों के अनुसार पूर्वोक्त लाइसेंस की (केवल सीमा-शुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की) अनुलिपि जारी की जा रही है।

[सं० ई-1/83-4/15/ए एम-74]

Office of the Deputy Chief Controller of Imports and Exports

ORDER

Panjim, the 5th April, 1974

S.O. 1549.—M/s. Caxinata P. Camotim & Irmao, S. Pedro Goa were granted import licence No. P/E/2659165/C/XX/48/G/37-38 dated 10-7-73 for Rs. 1,250 from General Area for import of Wines under S. No. 83/IV.

They have applied for issue of duplicate Custom Purpose copy and the Exchange Control Purpose copy of the licence on the ground that the original copies thereof have been lost having been unutilised and without being registered with any Custom Authority.

The applicant has filed an affidavit on stamped paper duly attested before the First Class Magistrate, Panjim, the undersigned is satisfied that the original Customs Purpose copy and the Exchange Control Purpose copy of the licence No. P/E/2659165/C/XX/48/G/37-38 dated 10-7-73 have been lost and direct that a duplicate Customs Purpose Copy and Exchange Control Purpose copy of the said licence should be issued to the applicant.

In exercise of the powers conferred on me under Section 9(cc) of Import Control Order 1955, I order the cancellation of the original Custom Purpose copy and Exchange Control Purpose copy of the said licence.

The applicants are now being issued a duplicate copy or (Custom and Exchange Control Purpose only) of the aforesaid licence in accordance with the provisions of para 320(4) of the ITC Hand Book of Rules & Procedure 1973-74.

[No. EI/83-IV/15/AM-74]

आदेश

का०आ० 1550.—सर्वश्री पैरामाउन्ट एजेंसीज, हाउस सं० ई-860, स्टोन्स्टेवाम, इल्हाम, गोवा को सामान्य मुद्रा से क्रम सं० 84/4 के अन्तर्गत ब्रांडी, जिन और व्हिस्की के आयात के लिये 1250 रु० मूल्य का आयात लाइसेंस सं० पी/ई/2659217/सी/एक्स एक्स/48/जी/37-38 दिनांक 12-7-73 प्रदान किया गया था।

उन्होंने उक्त लाइसेंस की सीमा-शुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमा-शुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति उपयोग किए बिना और किसी भी प्राधिकारी से पंजीकृत कराने बिना खो गई है।

आवेदक ने नोटरी पब्लिक, पंजिम के सामने विधिवत् साक्ष्यांकित स्टाम्प पेपर पर एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। अप्रोप्रिअरी मन्तुष्ट है कि लाइसेंस सं० पी/ई/2659217/सी/एक्स एक्स/48/जी/37-38 दिनांक 12-7-73 खो गया है और निदेश देने हैं कि इनकी अनुलिपि प्रतियां आवेदक को जारी की जानी चाहियें।

आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के खण्ड 9(सी सी) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं उक्त लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति को रद्द करने का आदेश देता हूँ।

अब आवेदकों को आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि पुस्तिका, 1973-74 के पैरा 320(4) की शर्तों के अनुसार पूर्वोक्त लाइसेंस (सीमा-शुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति) की अनुलिपि प्रति जारी की जा रही है।

[सं० ई-1/84-4/41/ए एम-74]

ORDER

S.O. 1550.—M/s. Paramount Agencies, House No. E-860, Sto. Estevam Ilhas, Goa, were granted import licence No. P/E/2659217/C/XX/48/G/37-38 dated 12-7-73 for Rs. 1,250 from General Area for import of Brandy, Gin. Whisky under S. No. 84/IV.

They have applied for issue of duplicate Custom Purpose copy and Exchange Control Purpose Copy of the said licence on the ground that the original copies thereof have been lost having been unutilised and without being registered with any Custom Authority.

Applicant has filed an affidavit on stamped paper duly attested before the Notary Public, Panjim. The undersigned is satisfied that the original Custom Purpose Copy and the Exchange Control Purpose Copy of the Licence P/E/2659217/C/XX/48/G/37-38 dated 12-7-73 have been lost and direct that a duplicate Custom Purpose Copy and Exchange Control Purpose Copy of the said licence should be issued to the applicant.

In exercise of the powers conferred on me under Section 9(cc) of Import (Control) Order, 1955, I order the cancellation of the original Custom Purpose Copy of and Exchange Control Purpose Copy of the said licence.

The applicants are now being issued a duplicate copy of the (Custom and Exchange Control Purpose only) of the aforesaid licence in accordance with the provisions of para 320(4) of the ITC Hand Book of Rules and Procedure, 1973-74.

[No. EI/84-IV/41/AM-74]

10 अप्रैल, 1974

का०आ० 1551.—सर्वश्री केवसीनेटा पी०केमोटिस एण्ड हरमाओ एम०पेटरो, गोवा को क्रम सं० 84/IV के अन्तर्गत सामान्य मुद्रा से क्रम सं० 84/4 के अन्तर्गत ब्रांडी, जिन और व्हिस्की के आयात के लिये 1250 रु० मूल्य का एक आयात लाइसेंस सं० पी/ई/2659164/सी/एक्स एक्स/48/जी/37-38 दिनांक 16-7-73 प्रदान किया गया था।

उन्होंने उक्त लाइसेंस की सीमा-शुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिये इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमा-शुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति उपयोग किये बिना और किसी भी सीमा-शुल्क प्राधिकारी से पंजीकृत कराए बिना खो गई है।

आवेदक ने प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट, पंजिम के सामने विधिवत् साक्ष्य-युक्त स्टाम्प पेपर पर एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी सन्तुष्ट है कि लाइसेंस सं० पी/ई/2659164/सी/एक्स एक्स/48/जी/37-38 दिनांक 16-7-73 की मूल सीमा-शुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति खो गई है और निदेश देने हैं कि इनकी अनुलिपि प्रतियां आवेदक को जानी की जानी चाहियें।

आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के खण्ड 9(सी सी) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं उक्त लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति को रद्द करने का आदेश देना हूँ।

अब आवेदक को आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि पुस्तिक, 1974-75 के पैरा 320 की शर्तों के अनुसार पूर्वोक्त लाइसेंस (केवल सीमा-शुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति) की अनुलिपि प्रति जारी की जा रही है।

[सं० ई-1/84-4/29/ए एम-74]

ORDER

The 10th April, 1974

S.O. 1551.—M/s. Caxinata P. Camoti & Irmao, S. Pedro Goa, were granted import licence No. P/E/2659164/C/XX/48/G/37-38 dated 16-7-1973 for Rs. 1,250 from General Area for import of Brandy, Gin and Whisky under S. No. 84/IV.

They have applied for issue of duplicate Custom Purpose Copy and Exchange Control Purpose Copy of the said licence on the ground that the original copies thereof have been lost having been unutilised and without being registered with any Custom Authority.

The applicant has filed an affidavit on stamped paper duly attested before the First Class Magistrate, Panjim. The undersigned is satisfied that the original Custom Purpose Copy and the Exchange Control Purpose Copy of the licence No. P/E/2659164/C/XX/48/G/37-38 dated 10-7-73 have been lost and direct that a duplicate Custom Purpose Copy and Exchange Control Purpose Copy of the said licence should be issued to the applicant.

In exercise of the powers conferred on me under Section 9(cc) of Import (Control) Order, 1955, I order the cancellation of the original Custom Purpose Copy and Exchange Control Purpose Copy of the said licence.

The applicants are now being issued a duplicate copy of the (Custom and Exchange Control Purpose only) of the aforesaid licence in accordance with the provisions of para 320 of the ITC Hand Book of Rules & Procedure 1974-75.

[No. EI/84-IV/29/AM74]

आदेश

कां०आ० 1552.—मर्वेश्री प्रेमभाई शिवाभाई तंगल, वमन को क्रम सं० 84/4 के अन्तर्गत सामान्य मुद्रा क्षेत्र से ब्रांडी, जिन और व्हिस्की के आयात के लिये 2473 रुपये मूल्य का एक आयात लाइसेंस सं० पी/ई/0190422/सी/एक्स एक्स/40/जी/33-34 दिनांक 15-9-71 प्रदान किया गया था। पार्टी ने 2104 रुपये मात्र की सीमा तक आयात

लाइसेंस का उपयोग कर लिया था और इसलिये उस पर 369/— रुपये मात्र का उपयोग करता शेष है।

आवेदक ने प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट, पंजिम के सामने विधिवत् शपथ लेकर स्टाम्प पेपर पर एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी सन्तुष्ट है कि लाइसेंस सं० पी/ई/0190422/सी/एक्स एक्स/40/जी/सं० 33-34 दिनांक 15-9-71 की मूल सीमा-शुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति खो गई है और निदेश देने हैं कि इनकी अनुलिपि प्रतियां आवेदक को जानी की जानी चाहियें।

यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के खण्ड 9(सी सी) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं उक्त लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति को रद्द करने का आदेश देना हूँ।

अब आवेदक को आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि पुस्तिक 1974-75 के पैरा 320 की शर्तों के अनुसार पूर्वोक्त लाइसेंस (केवल सीमा-शुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति) की अनुलिपि प्रतियां जारी की जा रही है।

[सं० ई-1/84-IV 26/ए एम 72]

ORDER

S.O. 1552.—M/s. Premabhai Chibabhai Tangal, Daman were granted an import licence No. P/E/0190422/C/XX/40/G/33-34 dated 15-9-71 for Rs. 2,473 from General Area for import of Brandy, Gin and whisky under S. No. 84/IV. The party utilised the import licence to the extent of Rs. 2,104 only and hence the balance remains Rs. 369 only.

The applicant has filed an affidavit on stamped paper duly attested before the First Class Magistrate, Panjim. The undersigned is satisfied that the original Customs Purpose Copy and the Exchange Control Purpose copy of the licence No. P/E/0190422/C/XX/40/G/33-34 dated 15-9-71 have been lost and direct that a duplicate Custom Purpose copy and Exchange Control Purpose copy of the said licence should be issued to the applicant.

In exercise of the powers conferred on me under Section 9(cc) of the Imports (Control) Order, 1955 as amended I order the cancellation of the Original Custom Purpose copy and Exchange Control Purpose copy of the said licence.

The applicant are now being issued a duplicate copy of the (Custom and Exchange Control Purpose only) of the aforesaid licence in accordance with the provision of para 320 of the ITC Hand Book of Rules and Procedure 1974-75.

[No. EI/84-IV/26/AM-72]

आदेश

कां०आ० 1553.—मर्वेश्री लाल जी बाहन माटे, कया कुल्हा रिवेश, पंजिम, गोवा को सामान्य मुद्रा क्षेत्र से क्रम सं० 308- (डी)/4 के अन्तर्गत घड़ियों के पुर्जों के आयात के लिए 1250 रु० मूल्य का एक आयात लाइसेंस सं० पी०/ई/0219313/सी/एक्स एक्स/47 जी/37-38 दिनांक 17-4-73 प्रदान किया गया था।

उन्होंने उक्त लाइसेंस की सीमा-शुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमा-शुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति उपयोग किए बिना और किसी भी सीमा-शुल्क प्राधिकारी से पंजीकृत कराए बिना खो गई है।

आवेदक ने प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट पंजम, के सामने विधिवत् साक्ष्यांकित स्टाम्प पेपर पर एक शपथ पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेन्स सं० पी/ई/0219313 /सी/एक्स एक्स/47/जी/37-38 दिनांक 14-4-73 की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति खो गई है और निवेश देने है कि इनकी अनुलिपि प्रतियां आवेदक को जारी की जानी चाहिए।

आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के खण्ड 9(सी) सी द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं उक्त लाइसेन्स की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति को रद्द करने का आदेश देता हूँ।

अब आवेदक को आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि पुस्तिका 1974-75 के पैरा 320 की शर्तों के अनुसार पूर्वोक्त लाइसेन्स (केवल सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति) की अनुलिपि जारी की जानी रही है।

[संख्या ई आई/308(डी)4/2/ए एम 74]

ORDER

Panjim, the 10th April, 1974

S.O. 1553.—M/s. Laljees Wine Mart, Rua Chuna Rivara, Panjim Goa, were granted import licence No. P/E/0219313/C/XX/47/G/37-38 dated 17-4-1973 for Rs. 1,250 from General Area for import of Parts of Watches under S. No. 308(d)/IV.

They have applied for issue of duplicate Custom Purpose Copy and Exchange Control Purpose Copy of the said licence on the ground that the original copies thereof have been lost having been unutilised and without being registered with any Custom Authority.

The applicant has filed an affidavit on stamped paper duly attested before the First Class Magistrate, Panjim. The undersigned is satisfied that the original Custom Purpose Copy and the Exchange Control Purpose Copy of the Licence P/E/0219313/C/XX/47/G/37-38 dated 17-4-1973 have been lost and direct that a duplicate Custom Purpose Copy and Exchange Control Purpose Copy of the said issued to the applicant.

In exercise of the powers conferred on me under Section 9(cc) of Import (Control) Order, 1955, I order the cancellation of the original Custom Purpose Copy and Exchange Control Purpose Copy of the said licence.

The applicants are now being issued a duplicate copy of the (Custom and Exchange Control Purpose only) of the aforesaid licence in accordance with the provisions of para 320 of the ITC Hand Book of Rules and Procedure 1974-75.

[No. EI/308(d)/IV/2/AM 74]

आदेश

दिनांक 10-4-1974

का० प्रा० 1554.—सर्वश्री तुकारामा एम लोनिभत्कर, स्टेशनरोड, मारगाव, गोवा को सामान्य मुद्रा क्षेत्र से क्रम सं० 84/4 के अंतर्गत शान्डी, जिन और व्हिस्की के आयात के लिए 1250 रु० मूल्य का एक आयात लाइसेन्स सं० पी/ई/0219344/सी/एक्स एक्स/जी/47/37-38 दिनांक 4-6-73 प्रदान किया गया था।

उन्होंने उक्त लाइसेन्स की सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम

33 GI/74-4

नियंत्रण प्रति उपयोग किए बिना और किसी भी सीमाशुल्क प्राधिकारी से पंजीकृत कराए बिना खो गई है।

आवेदक ने प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट, स्यालकोट के सामने विधिवत् साक्ष्यांकित स्टाम्प पेपर पर एक शपथ पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेन्स सं० पी/ई/0219344 /सी/एक्स एक्स/47/जी/37-38 दिनांक 4-6-1973 की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति खो गई है और निवेश देने है कि इनकी अनुलिपि प्रतियां आवेदक को जारी की जानी चाहिए।

आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के खण्ड 9(सीसी) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं उक्त लाइसेन्स की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति को रद्द करने का आदेश देता हूँ।

अब आवेदक को आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि पुस्तिका 1974-75 के पैरा 320 की शर्तों के अनुसार पूर्वोक्त लाइसेन्स (केवल सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति) की अनुलिपि प्रति जारी की जा रही है।

[संख्या : ई आई/84-4/6/ए एम 74]

ORDER

S.O. 1554.—M/s. Tucarama S. Loliencer, Station Road, Margao, Goa, were granted import licence No. P/E/0219344/C/XX/47/G/37-38 dated 4-6-1973 for Rs. 1,250 from General Area for import of Brandy, Gin and Whisky under S. No. 84/IV.

They have applied for issue of duplicate Custom Purpose Copy and Exchange Control Purpose Copy of the said licence on the ground that the original copies thereof have been lost having been unutilised and without being registered with any Custom Authority.

The applicant has filed an affidavit on stamped paper duly attested before the First Class Magistrate, Salceto. The undersigned is satisfied that the original Custom Purpose Copy and the Exchange Control Purpose Copy of the Licence P/E/0219344/C/XX/47/G/37-38 dated 4-6-1973 have been lost and direct that a duplicate Custom Purpose Copy and Exchange Control Purpose Copy of the said licence should be issued to the applicant.

In exercise of the powers conferred on me under Section 9(cc) of Import (Control) Order 1955, I order the cancellation of the original Custom Purpose Copy and Exchange Control Purpose Copy of the said licence.

The applicants are now being issued a duplicate copy of the (Custom and Exchange Control Purpose only) of the aforesaid licence in accordance with the provisions of para 320 of the ITC Hand Book of Rules and Procedure 1974-75.

[No EI/84-IV/6/AM 74]

आदेश

का० प्रा० 1555.—सर्वश्री प्रेमा भाई बिबा भाई तंगल, दमन को क्रम सं० 84-4 के अंतर्गत सामान्य मुद्रा क्षेत्र से शान्डी, जिन, व्हिस्की के आयात के लिए 2473 रु० मूल्य का एक आयात लाइसेन्स सं० पी/ई/0218883/सी/एक्स एक्स/43/जी/35-56 दिनांक 2-5-72 प्रदान किया गया था।

उन्होंने उक्त लाइसेन्स की सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस आधार

पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति उपयोग किए बिना और किसी भी सीमाशुल्क प्राधिकारी से पंजीकृत कराए बिना खो गई हैं।

आवेदक ने प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट, पंजिम के सामने विधिवत शपथ लेकर स्टाम्प कागज पर एक एक शपथ पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेंस सं० पी/ई/0218883/सी/एक्स एक्स/43/जी/35-36 दिनांक 2-5-72 की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति खो गई हैं और निदेश देने हैं कि इनकी अनुलिपि प्रतियां आवेदक को जारी की जानी चाहिए।

आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 के खंड 9 (सी सी) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं उस लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति को रद्द करने का आदेश देता हूँ।

अब आवेदक को आयात नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि पुस्तिका, 1974-75 के पैरा 320 की शर्तों के अनुसार पूर्वोक्त लाइसेंस (केवल सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति) की अनुलिपि प्रतियां जारी की जा रही हैं।

[संख्या : ई आई/84-4/2/एएम73]

ORDER

S.O. 1555.—M/s. Premabhai Chibabhai Tangal, Daman were granted import licence No. P/E/0218883/C/XX/43/G/35-36 dated 2-5-1972 for Rs. 2,473 from General Area for import of Brandy, Gin and whisky under S. N. 84/IV.

They have applied for issue of duplicate Custom Purpose Copy and Exchange Control Purpose Copy of the said licence on the ground that the original copies thereof have been lost having been unutilised and without being registered with any Customs Authority.

The applicant has filed an affidavit on stamped paper duly attested before the First Class Magistrate, Panjim. The undersigned is satisfied that the original Custom Purpose Copy and the Exchange Control Purpose Copy of the licence No. P/E/0218883/G/XX/43/G/35-36 dated 2-5-72 have been lost and direct that a duplicate Custom Purpose Copy and Exchange Control Purpose Copy of the said licence should be issued to the applicant.

In exercise of the powers conferred on me under Section 9(cc) of the Imports (Control) Order 1955, I order the cancellation of the original Custom Purpose Copy and Exchange Control Purpose Copy of the said licence.

The applicants are now being issued a duplicate copy the (Custom and Exchange Control Purpose only) of the aforesaid licence in accordance with the provisions of para 320 of the ITC Hand Book of Rules and Procedure 1974-75.

[No. EI/84-IV/2/AM73]

आदेश

पंजिम, 19 अप्रैल, 1974

का० प्रा० 1556.—सर्वश्री कातालो जोम मेतिग्राम (कासा मेतिग्राम) वास्को डा गामा, गोवा को सामान्य मुद्रा क्षेत्र से क्रम सं० 89/4 के अन्तर्गत ब्रान्डी, जिन और व्हिस्की के आयात के लिए 1254-र० मूल्य का एक आयात लाइसेंस पी/ई/2659073/सी/एक्स एक्स/47/जी/37-38 दिनांक 28-6-73 प्रदान किया गया था।

उन्होंने अक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस आधार पर

आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण उपयोग प्रति किए बिना और किसी भी सीमाशुल्क प्राधिकारी से पंजीकृत कराए बिना खो गई हैं।

आवेदक ने प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट पंजिम, के सामने विधिवत् साक्ष्य-कित स्टाम्प पेपर पर एक शपथ पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेंस सं० पी/ई/2659073/सी/एक्स एक्स/47/जी/37-38 की दिनांक 28-6-73 की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति खो गई है और निदेश देने हैं कि इनकी अनुलिपि प्रतियां आवेदक को जारी की जानी चाहिए।

यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के खंड 9(सीसी) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं उस लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति रद्द करने का आदेश देता हूँ।

अब आवेदक को आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि पुस्तिका, 1974-75 के पैरा 320 की शर्तों के अनुसार पूर्वोक्त लाइसेंस (केवल सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति) की अनुलिपि प्रति जारी की जा रही है।

[संख्या : ई आई/84-4/21/एएम 74]

ORDER

Panjim, the 19th April, 1974

S.O. 1556.—M/s. Caetano Jose Matias (Sasa Matias) Vasco da Gama, Goa, were granted import licence No. P/E/2659073/C/XX/47/G/37-38 dated 28-6-1973 for Rs. 1,250 from General Area for import of brandy, gin and whisky under S. No. 84/IV.

They have applied for issue of duplicate Custom Purpose Copy and Exchange Control Purpose Copy of the said licence on the ground that the original copies thereof have been lost having been unutilised and without being registered with any Custom Authority.

The applicant has filed an affidavit on stamped paper duly attested before the First Class Magistrate, Panjim. The undersigned is satisfied that the original Custom Purpose Copy and the Exchange Control Purpose Copy of the licence P/E/2659073/C/XX/47/G/37-38 dated 28-6-1973 have been lost and direct that a duplicate Custom Purpose and Exchange Control Purpose Copy of the said licence should be issued to the applicant.

In exercise of the powers conferred on me under Section 9(cc) of Imports (Control) Order 1955 as amended, I order the cancellation of the original Custom Purpose Copy and Exchange Control Purpose Copy of the said licence.

The applicants are now being issued a duplicate copy (Custom and Exchange Control Purpose only) of the aforesaid licence in accordance with the provisions of para 320 of the ITC Hand Book of Rules and Procedure 1974-75.

[No. EI/84-IV/21/AM 74]

आदेश

उप-मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात का कार्यालय, पंजिम

का० प्रा० 1557.—सर्वश्री कातालो जोम मेतिग्राम/कासा/निग्राम, वास्को डा गामा, गोवा को सामान्य मुद्रा क्षेत्र से क्रम सं० 82/4 के अन्तर्गत यकमुरा, बियर, यकमुरा-विशेष, सेब-मदिरा और अन्य किण्वित मदिरा के आयात

के लिए 1250-रु० मूल्य का एक आयात लाइसेंस सं० पी/ई/2659074/-सी/एसएम एक्स/47/जी/37-38 दिनांक 28-6-1973 प्रदान किया गया था।

उन्होंने अक्स लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रतियां जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति उपयोग किए बिना और किसी भी सीमाशुल्क प्राधिकारी से पंजीकृत कराए बिना खो गई है।

आवेदक ने प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट, पंजिम के सामने विधिवत् साक्ष्य-कित स्टाम्प पेपर पर एक जपथ पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेंस सं० पी/ई/2659074/सी/एसएम एक्स/47/जी/37-38 दिनांक 28-6-73 की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति खो गई हैं और निवेश देने हैं कि इनकी अनुलिपि प्रतियां आवेदक को जारी की जानी चाहिए।

यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के खण्ड 9 सी०सी० द्वारा प्रबत अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं उक्त लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क निकास प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति को रद्द करने का आदेश देता हूँ।

अब आवेदकों को आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि पुस्तिका, 1974-75 के पैरा 320 की गतों के अनुसार पूर्वोक्त लाइसेंस (केवल सीमाशुल्क निकासी और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति) की अनुलिपि जारी की जा रही है।

[संख्या : ई-1/82-4/13/ए. एस-74]

सी० के० रामचन्द्रा राव, उप-मुख्य नियंत्रक

ORDER

S.O. 1557.—M/s. Caetano Jose Matias/casa Matias, Vasco da Gama, Goa, were granted import licence No. P/E/2659074/C/XX/47/G/37-38 dated 28-6-1973 for Rs. 1,250 from General Area for import of Ale, beer, porter, cide and other fermented liquors under S. No. 82/IV.

They have applied for issue of duplicate Custom Purpose Copy and Exchange Control Purpose Copy of the said licence on the ground that the original copies thereof have been lost having been unutilised and without being registered with any Customs Authority.

The applicant has filed an affidavit on stamped paper duly attested before the First Class Magistrate, Panjim. The undersigned is satisfied that the original Custom Purpose Copy and the Exchange Control Purpose Copy of the licence P/E/2659074/C/XX/47/G/37-38 dated 28-6-1973 have been lost and direct that a duplicate Custom Purpose and Exchange Control Purpose Copy of the said licence should be issued to the applicant.

In exercise of the powers conferred on me under Section 9(cc) of Imports (Control) Order 1955 as amended, I order the cancellation of the original Custom Purpose Copy and Exchange Control Purpose Copy of the said licence.

The applicants are now being issued a duplicate copy (Custom and Exchange Control Purpose only) of the aforesaid licence in accordance with the provisions of para 320 of the ITC Hand Book of Rules and Procedure 1974-75.

[No. EI/82-IV/13/AM 74]

C. K. RAMACHANDRA RAO, Dy. Chief Controller

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय,

आदेश

नई दिल्ली, 24 मई, 1974

का० आ० 1558.—सर्वश्री न्यू स्टैंडर्ड इंजी०क० लि०, एन०एम०ई० इस्टेट गोरे गांव इस्ट, बम्बई को यू०के० क्रेडिट के लिए लाइसेंस के लिए संलग्न सूची के अनुसार कच्चे माल तथा संघटकों के आयात के लिए 4,55,000 रु० का एक आयात लाइसेंस सं० पी०डी/2191744/आर/एम/एल/56/एच/35-36/आर एम-1 दिनांक 24-2-1973 स्वीकृत किया गया था। अब उन्होंने लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क कार्यसंबंधी प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क कार्यसंबंधी प्रति खो गई है। लाइसेंसधारी द्वारा आरो यह बताया गया है कि लाइसेंस बम्बई सीमाशुल्क प्राधिकारियों के पास पंजीकृत कराया गया था और शेष 4,01,950 रु० को छोड़कर इसका उपयोग 53,050 रु० के लिए कर लिया गया था।

अपने तर्कों के समर्थन में आवेदक ने एक जपथ-पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेंस सं० पी०डी/2191744/आर/एम/एल/46/एच/35-36/आर एम-1 दिनांक 24-2-1973 की मूल सीमाशुल्क कार्यसंबंधी प्रति खो गई है और निवेश देना है कि उन्हें उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क कार्यसंबंधी प्रति जारी की जानी चाहिए। लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क कार्यसंबंधी प्रति एनद्वारा रद्द की जाती है।

[संख्या: दूल्/43-डी/आर एम/72-73/आर एम-1]

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

ORDER

New Delhi, the 24th May, 1974

S.O. 1558.—M/s. New Standard Engineering Co. Ltd., NSE Estate, Goregaon East, Bombay were granted import licence No. P/D/2191744/R/ML/56/H/35-36/RMI dated 24-2-1973 for Rs. 4,55,000 against U.K. Credit for import of Raw material & components as per list attached thereto, have requested for issue of duplicate copy of the customs purposes copy of the licence on the ground that the original customs copy has been lost. It has been further reported by the licensee that the said licence was registered with Customs authorities at Bombay. The licence was utilised for Rs. 53,050 leaving a balance of Rs. 4,01,950.

In support of their contention the applicant has filed in an affidavit. The Undersigned is satisfied that the original Custom copy of the licence No. P/D/2191744/R/ML/46/H/35-36/RMI dated 24-2-1973 has been lost and directs that a duplicate customs purpose copy of the said licence should be issued to them. The original customs purposes copy of the said licence is hereby cancelled.

[No. Tools/43-D/RM/72-73/RMI/]

आदेश

नई दिल्ली, 31 मई, 1974

का० आ० 1559.—सर्वश्री आर०एच० विन्डसर (इंडिया) लि०, प्लाट सं० ई-6, यू० रोड थाना, इण्डस्ट्रियल इस्टेट, थाना को सामान्य मुद्रा क्षेत्र से 1. हाइड्रोलिक मोटर्स एच-8-16-56 नम 2 हाइड्रोलिक मोटर्स एच-20-54 नम (मरम्मत के बाद पुनः आयात) के आयात के लिए 2400 रु० का एक आयात लाइसेंस सं० पी०डी/2184601/सी/एसएम एक्स/40/एच/31-32/आर एम-1 दिनांक 29-7-71 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क कार्यसंबंधी एवं मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल लाइसेंस खो गया है। आरो यह बताया गया है कि उक्त लाइसेंस किसी भी पत्र के सीमाशुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत नहीं कराया गया था। लाइसेंस का बिल्कुल उपयोग नहीं किया गया था।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि मूल लाइसेंस सं० पी/डी/2184601/सी/एक्स एम्/40/एच/31-32/आर एम्-1 दिनांक 29-7-71 (दोनों प्रतियां) खो गयी है और निदेश देता है कि उन्हें उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि प्रतियां जारी की जानी चाहिए। मूल लाइसेंस एतद्वारा रद्द किया जाता है।

[संख्या : टूल्स/381/रेप/70-71/आर एम्-1]

आई० वी० चुनकत, उप-मुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 31st May, 1974

S.O. 1559.—M/s. R. H. Windsor (India) Ltd., Plot E-6, U, Road, Thana Industrial Estate, Thana were granted import licence No. P/D/2184601/C/XX/40/H/31-32/RM I dated 29-7-1971 for Rs. 3,400 under G.C.A. for import of 1, Hydraulic Motors H-8-16.5., 6 nos. 2. Hydraulic motors—H-20-5. 4 nos. (re-import after repairs) have requested for issue of duplicate copy of the customs purposes & exchange purposes of the licence on the ground that the original licence have been lost. It has been further reported by the licensee that the said licence was not registered with Customs authorities at any port. The licence was not utilised at all.

In support of their contention the applicant has filed in an affidavit. The undersigned is satisfied that the original licence (both copies) No. P/D/2184601/C/XX/40/H/31-32/RM I dated 29-7-1971 has been lost and directs that a duplicate copies of the said licence should be issued to them. The original said licence is hereby cancelled.

[No. Tools/381/Rep/70-71/RM I]

I. V. CHUNKATH, Dy. Chief Controller

आदेश

का० प्रा० 1560.—सर्वश्री टाटा इंजीनियरिंग एण्ड लोकोमोटिव कं० लि०, बम्बई हाउस, ब्रूस स्ट्रीट बम्बई-1 को अन्तर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण ऋण से 2,00,000 रुपये के लिए एक आयात लाइसेंस सं० पी/डी/2190554/आर/आई एन/44/एच/35/36 आर एम्-1 दिनांक 2-8-72 इससे संलग्न सूची के अनुसार फालतू पुर्तों के आयात के लिए प्रदान किया गया था। उन्होंने लाइसेंस की सीमा शुल्क निकासी प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति खो गई है। लाइसेंसधारी ने यह भी सूचना दी है कि उक्त लाइसेंस सीमाशुल्क प्राधिकरण बम्बई में पंजीकृत किया गया था। लाइसेंस पर 79,852 रुपये शेष रहते हुए 1,20,148 रुपये तक उपयोग कर लिया था।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेंस सं० पी/डी/2190854/आर/आई एन/44/एच/35/36/आर एम्-1 दिनांक 2-8-72 की मूल सीमाशुल्क प्रति निकासी प्रति खो गई है और निदेश देता है कि इसकी अनुलिपि उनको जारी की जाए। उक्त लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति एतद्वारा रद्द की जाती है।

[संख्या टूल्स/ग.18/स्पेयर्स/72-73/आर एम्-1]

आई० वी० चुनकत, उप-मुख्य नियंत्रक कृते मुख्य नियंत्रक।

ORDER

S.O. 1560.—M/s. Tata Engineering & Locomotive Co., Ltd., Bombay House, Bruce Street, Bombay-1, were granted import licence No. P/D/2190554/R/IN/44/H/35-36/RM I dated 2-8-1972 for Rs. 2,00,000 against IDA Credit for the import of spare parts as per list attached thereto, have requested for issue of duplicate copy of the customs copy of the licence on the ground that the original customs copy has been lost. It has been further reported by the licensee that the said licence was registered with Customs authorities at Bombay. The licence was utilised for Rs. 1,20,148 leaving a balance of Rs. 79,852.

2. In support of their contention the applicant has filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Customs copy of the licence No. P/D/2190854/R/IN/44/H/35-36/RM I dated 2-8-72 has been lost and directs that a duplicate customs purpose copy of the said licence should be issued to them. The original customs purposes copy of the said licence is hereby cancelled.

[No. Tools/18-A/Spares/72-73/RM I]

I. V. CHUNKATH, Dy Chief Controller
for Chief Controller

आन्तरिक व्यापार विभाग

नई दिल्ली, 27 मई, 1974

व्यापार चिह्न

का० प्रा० 1561.—केन्द्रीय सरकार, व्यापार और पण्य विज्ञान अधिनियम, 1958 (1958 का 43) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य उद्योग मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० प्रा० 2601, तारीख 25 नवम्बर, 1959 में निम्न लिखित और संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में, मद्रास में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय से संबंधित दिवसीय स्तम्भ में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्—

“आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तमिल नाडु राज्यों और लक्षद्वीप का संघ राज्य क्षेत्र में”।

[फा० सं० 26(1)आई/टी०/टी०एम०/74]

यू० एम्० रण, संयुक्त निदेशक।

DEPARTMENT OF INTERNAL TRADE

New Delhi, the 27th May, 1974

(TRADE MARKS)

S.O. 1561.—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Trade and Merchandise Marks Act, 1958 (43 of 1958), the Central Government hereby makes the following further amendment to the notification of the Government of India in the late Ministry of Commerce and Industry No. S.O. 2601 dated the 25th November, 1959, namely:—

In the said notification, for the existing entry in the second column relating to the office of the Trade Marks Registry at Madras, the following entry shall be substituted, namely:—

“In States of Andhra Pradesh, Karnataka, Kerala and Tamil Nadu and the Union Territory of Lakshadweep”.

[File No. 26(2)-I.T./TM/74]

U. S. RANA, Joint Director

विदेश मंत्रालय

(हज़ार सैल)

नई दिल्ली, 1 जून, 1974

का० प्रा० 1562.—व्यापारिक जहाजरानी अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 282 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारतीय यात्री जहाज नियम, 1933 में और संशोधन के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है जो

पहले प्रकाशित हो चुके हैं जैसा कि उक्त धारा के अंतर्गत अपेक्षित है, यथा :—

1. (i) इन नियमों को भारतीय यात्री हज (संशोधन) नियम, 1973 की संज्ञा दी जाएगी,
- (ii) ये नियम 1 जुलाई 1974 से लागू हो जाएंगे।

2. भारतीय यात्री अह्राज नियम, 1933 में, नियम 124 के उप नियम (2) में "शुल्क के बारह रुपए"—इन शब्दों के स्थान पर "शुल्क के सत्रह रुपए" रखे जायेंगे।

[सं० एम (हज) 118/40/74]

साद एम० हाशमी, निदेशक

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

(Haj Cell/Wana)

New Delhi, the 11th June, 1974

S.O. 1562.—In exercise of the powers conferred by Section 282 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Pilgrim Ships Rules 1933, the same having been previously published as required by the said Section, namely:—

1. (i) These rules may be called the Indian Pilgrim Ships (Amendment) Rules 1974.
- (ii) The rule shall come into force on the 1st July, 1974.

2. In the Indian Pilgrim Ship Rules, 1933, in sub-rule (2) of Rule 124 the words "A fee of twelve rupees" the words "A fee of seventeen rupees" shall be substituted.

[No. M(Haj) 118/40/74]

SAAD M. HASHMI, Director-

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय

नई दिल्ली, 31 मई, 1974

का० आ० 1563.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधि-भोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्न सारणी के स्तम्भ (1) में उल्लिखित अधिकारी को, जो सरकार के राजपत्रित अधिकारी की पंक्ति के समतुल्य अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिये सम्पदा अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है जो उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों की बाबत अपनी अधिकारिता की स्थानीय परिसीमाओं के भीतर उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन सम्पदा अधिकारियों को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेगा और उन पर अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेगा।

सारणी

अधिकारी का पदाभिधान	सरकारी स्थानों के प्रवर्ग और अधि-कारिता की स्थानीय परिसीमाएं
1	2
मुख्य कार्यपालक अधिकारी बरौनी बरौनी कारखाने के लिये भारतीय इंडियन (बिहार), भारतीय उर्वरक निगम, बरौनी	उर्वरक निगम लिमिटेड से सम्बद्ध या उसके द्वारा या उस की ओर से पट्टे पर लिये गए स्थान और उसके उप तगर।

[सं० एफ-51(53)/73-उर्व० 2]

एम० राधवन, अव्वर सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM & CHEMICALS

New Delhi, the 31st May, 1974

S.O. 1563.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (i) of the table below, being an officer equivalent to the rank of Gazetted officer of Government, to be estate officer for the purposes of the said Act who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on estate officers by or under the said Act within the local limits of his jurisdiction in respect of the public premises specified in column (2) of the said Table.

TABLE

Designation of the officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
(1)	(2)
Chief Executive officer Barauni Division, (Bihar), Fertilizer Corporation of India, Barauni.	Premises belonging to, or taken on lease by or on behalf of the Fertilizer Corporation of India Limited for the Barauni factory and its township.

[No. F-51(53)/73-Ferts.II]

S. RAGHAVAN, Under Secy.

पेट्रोलियम विभाग

नई दिल्ली, 5 जून, 1974

का० आ० 1564.—यत्. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कलोल 64 से जे० एन० पाइन्ट तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिठाई जानी चाहिए। और यत्. यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदवाचक अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब, पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय इतबद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बरौनी-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

कलोल-64 से जे एन पाइप तक पाइपलाइन बिछाने के लिए :-

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना ताल्लुका : कलोल

गांव	सर्वेक्षण संख्या	हेक्टर	ए. आर. पी.	ई. आर. ई.
कलोल	252/224	0	3	23
	252/225	0	3	30
	252/228	0	13	05
	252/229	0	1	00
	252/230/पी	0	9	00

[सं० 12016/5/74-एल एण्ड एल/1]

DEPARTMENT OF PETROLEUM

New Delhi, the 5th June, 1974

S.O. 1564.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kalol-64 to IN-Point in Gujarat State Pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Baroda-9.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Kalol-64 to Jn. Point.

State : Gujarat Dist : Mehsana Taluka : Kalol

Village	Survey No.	Hectare	Are	P. Are
Kalol	252/224	0	3	23
	252/225	0	3	30
	252/228	0	13	05
	252/229	0	1	00
	252/230/P	0	9	00

[No. 12016/5/74-L&L/(I)]

का०आ०सं० 1565.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में काडी 22 से काडी-4 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एनव्हाइल अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, अब, पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा

(1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एनव्हाइल घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और वेबभाव प्रभाग, मकरपुरा रोड, बरोडा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

काडी 22 से काडी-4 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना ताल्लुका : काडी

गांव	सर्वेक्षण सं०	हेक्टर	ए. आर. पी.	ई. आर. ई.
अल्दमन	113/1	0	8	94
	125	0	0	50
	126	0	5	12
काडी	60/3	0	8	17
	60/पी	0	9	88
	59	0	20	99
	47	0	5	00
	28	0	7	56
	29	0	5	75
	31	0	5	12
	32	0	4	88
	38	0	2	56
	37	0	6	35
	35	0	5	50
	36	0	15	52
	17/3/पी	0	5	85
	17/3	0	2	83
	बी० पी० काट ट्रैक	0	2	20
	15	0	13	06
	14	0	1	50
	13	0	3	55

[सं० 12016/5/74-एल एण्ड एल/(3)]

S.O. 1565.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kadi-22 to Kadi-4 in Gujarat State Pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of

1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Baroda-9.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Kadi-22 to Kadi-4.

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kadi,

Village	Surveyor	Hectare	Are	P. Are
Aldasan	113/1	0	8	94
	124	0	0	50
	126	0	5	12
Kadi	60/3	0	8	17
	60/P	0	9	88
	59	0	20	99
	47	0	5	00
	28	0	7	56
	29	0	5	75
	31	0	5	12
	32	0	4	88
	38	0	2	56
	37	0	6	35
	35	0	5	50
	36	0	15	52
	17/3/P	0	5	85
	17/3	0	2	82
	V.P. Cart Track	0	2	20
	15	0	13	06
	14	0	1	50
	13	0	3	66

[No. 12016/5/74-L&L. (III)]

का० आ०सं० 1566.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में के-0110 से के-55 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब, पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप समक्ष प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और रखरखाव प्रभाग, मकरपुरा रोड बरोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति निर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

के-170 से के-55 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात

जिला तथा तालुका : गांधीनगर

ग्राम	सर्वेक्षण संख्या	हेक्टर	ए. ए. आर. ई.	पी. ए. आर. ई.
मरघा	99/3	0	4	50
	299/4	0	7	80
	303	0	15	15
	301	0	00	75
	413	0	2	53
	412	0	15	00
	306	0	10	50
	307	0	10	72
	310	0	1	00
	308	0	1	00
	309	0	20	85
	316/2	0	9	45
	317	0	8	85
	318/2/बी	0	7	27
	319/2	0	6	82
	320/1	0	1	57
	320/2	0	8	40
	320/3	0	2	25
	बी०पी० कार्ट ट्रैक	0	1	12
	47	0	10	50
	48	0	1	95
	46	0	8	55
	37/1	0	4	87
	38	0	5	55
	37/2	0	9	30
	36/1	0	7	50
	36/2	0	5	17
	12	0	8	25
	11	0	2	25
	8/2	0	2	85
	8/3	0	6	00
	8/1	0	8	02
	बी० पी० कार्ट ट्रैक	0	1	65
	1375/2	0	6	00

[सं० 12016/5/74-एल एण्ड एल-3]

S.O. 1566.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from K-170 to K-55 in Gujarat State Pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

AND WHEREAS it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the scheduled hereto;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

PROVIDED THAT any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the Pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Baroda-9.

AND every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from K-170 to K-55.

State : Gujarat Dist & Taluka : Gandhinagar

Village	Survey No.	Hectare	Ac	P. Ac
Sertha	299/3	0	4	50
	299/4	0	7	80
	303	0	15	15
	301	0	00	75
	413	0	2	55
	412	0	15	00
	306	0	10	50
	307	0	10	72
	310	0	1	00
	308	0	1	00
	309	0	20	85
	316/2	0	9	45
	317	0	8	85
	318/2/B	0	7	27
	319/2	0	6	82
	320/1	0	1	57
	320/2	0	8	40
	320/3	0	2	25
	V.P. Cart track	0	1	12
	47	0	10	50
	48	0	1	95
	46	0	8	55
	37/1	0	4	87
	38	0	5	55
	37/2	0	9	30
	36/1	0	7	50
	36/2	0	5	17
	12	0	8	25
	11	0	2	25
	8/2	0	2	85
	8/3	0	6	00
	8/1	0	8	02
	V.P. Cart track	0	1	65
	1375/2	0	6	00

[No. 12016/5/74-I.&L(III)]

नई दिल्ली, 6 जून, 1974

कां.प्रा. 1587.—यतः पेट्रोलियम, पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन तथा खान और धातु मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) को अधिसूचना कां.प्रा.सं. 157 तारीख 7-1-1974 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पार्षप लाहनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देनी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बंधकों से मुक्त रूप में इस घोषणा के प्रकटन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

कलोल से-7 से जी०जी०एम०-1 तक पाइप लाइन के लिए

राज्य : गुजरात जिला और तालुका : गांधी नगर

ग्राम	सर्वेक्षण संख्या	हेक्टायर ए	घार ई	पी ए
				घार ई
सेरथा	1000	0	06	04
	986	0	11	59
	983	0	00	50
	999	0	01	00
	985	0	16	96
	बी० पी० कार्ट ट्रैक	0	00	75
	923	0	11	22
	बी० पी० कार्ट ट्रैक	0	00	50
	925	0	02	81
	926/1	0	18	52
	926/2	0	02	01
	927	0	01	00
	930/1	0	02	26
	931/3	0	05	61
	931/2	0	03	05
	932/1 ए	0	00	50
	932/1 बी	0	00	50
	932/2 ए	0	01	50
	933/2 बी	0	07	08
	933/2ई	0	06	92
	767/1	0	03	90
	767/2	0	03	90
	768/1	0	03	84
	768/2	0	04	54
	769/2	0	10	86
	770	0	08	05
	719	0	56	12

[सं. 12016/8/73-एस एण्ड एल/1]

New Delhi, the 6th June, 1974

S.O. 1567.—WHEREAS by a notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S. O. No. 157 dated 7-1-74 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

AND WHEREAS the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

AND FURTHER WHEREAS the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

NOW THEREFORE in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

AND FURTHER in exercise of the power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances,

SCHEDULE

Pipeline from Kalol-7 to GGS I

State : Gujarat

Dist & Taluka : Gandhinagar.

Village	Survey No.	Hectare	Are	P. Are
Sertha	1000	0	06	04
	986	0	11	59
	983	0	00	50
	999	0	01	00
	985	0	16	96
V.P. Cart track		0	00	75
	923	0	11	22
V.P. Cart track		0	00	50
	925	0	02	81
	926/1	0	18	52
	926/2	0	02	01
	927	0	01	00
	930/1	0	02	26
	931/3	0	05	61
	931/2	0	03	05
	932/1A	0	00	50
	932/1B	0	00	50
	932/2A	0	01	50
	933/2D	0	07	08
	933/2E	0	06	92
	767/1	0	03	90
	767/2	0	03	90
	768/1	0	03	84
	768/2	0	04	54
	769/2	0	10	86
	770	0	08	05
	719	0	56	12

क्रा०आ० 1568.—यतः पेट्रोलियम, पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन तथा खान धातु मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) के अधिसूचना क्रा०आ० सं० 156 तारीख 7-1-1974 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों की बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना शास्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय लिया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् द्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निदण देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बंधकों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

मुख्य प्रतिष्ठापन काड़ी-25 के कुं से कुं तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला : अहमदाबाद	तालुका : बीरामगाम			
ग्राम	सर्वेक्षण नं०	हेक्टर	ए. आर. ई.	पी. ए.	आर. ई.
तेलाबी	236/6	0	32	64	
	226/5/9	0	06	72	
मुख्य प्रतिष्ठापन काड़ी-25 कुं से फेयर पार्सट तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।					
	226/4/1	0	03	60	
	226/5/1	0	08	40	

[सं० 12016/8/73 एल एण्ड एल/2]

S.O. 1568.—Whereas by a notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S. O. No. 156 dated 7-1-74 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

AND WHEREAS the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

FOR LAYING PIPELINE FROM WELL TO WELL HEAD INSTALLATION KADI 25

State : Gujarat	Dist. Ahmedabad	Taluka : Viramgam			
Village	Survey No.	Hectare	Are	P. Are	
TELAVI	236/6	0	32	64	
	226/5/9	0	06	72	

PIPELINE FROM WELL HEAD INSTALLATION KADI 25 TO FLARE POINT

226/4/1	0	03	60
226/5/1	0	08	40

[No. 12016/8/73-L&I.III]

नई दिल्ली, 7 जून, 1974

कांभा. 1569.—यतः पेट्रोलियम, पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन तथा खान और धातु मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना कां. कांभा. सं. 154 तारीख 4-1-74 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार से विहित होने के बजाय तत्त्व और प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बंधकों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

फ्लेयर पाइन्ट से डबल्यू एच आई और सन्थाल-4 से डबल्यू एच आई तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला : महसना	तालुका : महसना			
गांव	सर्वेक्षण सं०	हेक्टेयर	ए. आर. ई.	पी. ए.	आर. ई.
फ्लेयर पाइन्ट से डबल्यू एच आई तक					
सन्थाल	635	0	9	96	
सन्थाल 4 से डबल्यू एच आई					
सन्थाल	636	0	5	84	
	864/1	0	6	07	
	864/2	0	8	40	

[सं. 12016/5/73-एल एण्ड एल]

New Delhi, the 7th June, 1974

S.O. 1569.—Whereas by a notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S. O. No. 154 dated 4-1-1974 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying pipelines;

And further in exercise of the power conferred by sub-section (4) of that section the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM FLARE POINT TO W.H.I. & SANTHAL-4 TO W.H.I.

State : Gujarat	Dist : Mehsana	Taluka : Mehsana			
Village	Survey No.	Hectare	Are	P. Are	
FLARE POINT TO W.H.I.					
SANTHAL	635	0	9	96	
SANTHAL-4 TO W.H.I.					
SANTHAL	636	0	5	84	
	864/1	0	6	07	
	864/2	0	8	40	

[No. 12016/5/73-L&L]

का० प्रा० 1570.—यतः पेट्रोलियम, पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन तथा खान और धातु मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०प्रा०सं० 152 तारीख 1-10-74 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करके के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बंधकों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

मानद 29 में जी० जी० ए० एक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : महसना तालुका : काडीकलोड

ग्राम	ब्लॉक सं०	हेक्टर	ए.आर.ई.	पी.ए.आर.ई.
भीमसेन	7	0	1	59
	8	0	15	74
	वी० पी० कार्ट ट्रैक	0	1	83
सर्वेक्षण संख्या				
हाजिपुर	615/7	0	10	73
	615/6	0	14	89
	615/5 बी	0	6	71
	615/4 ए	0	11	96
	615/4 बी	0	15	01
	615/2 बी	0	11	24
	वी० पी० कार्ट ट्रैक	0	00	45
	615/पाईकी	0	20	98
घात	1423	0	3	66

[सं० 12016/5/73-एन एण्ड एल]

S.O. 1570.—Whereas by a notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 152 dated 4-1-1974 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

AND WHEREAS the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

AND FURTHER WHEREAS the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

NOW THEREFORE in exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

AND FURTHER in exercise of the power conferred by sub-section (4) of that section the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM SANAD 29 TO. G.G.S.

State : Gujarat	Dist. Mehsana	Taluka : Kadi/Kalol		
Village	Block No.	Hectare	Are	P. Are
BHIMASAN	7	0	1	59
	8	0	15	74
	V.P. Cart track	0	1	83
	Survey No.			
HAJIPUR	615/7	0	10	73
	615	0	14	89
	615/5B	0	6	71
	615/4 A	0	11	96
	615/4 C	0	15	01
	615/2 B	0	11	24
	V.P. Cart Track	0	00	45
	615/Paiki	0	20	98
THOL	1423	0	3	66

[No. 12016/5/73-L&L]

का० प्रा० 1571.—यतः पेट्रोलियम, पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन तथा खान और धातु मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०प्रा०सं० 153 तारीख 4-1-74 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और धार, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और, धार उग धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेदन देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तब और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बंधकों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

कलोल-55 से जी०जी०एम० - 1 तक पाइप लाइन बिछाने के लिये

राज्य : गुजरात	जिला और तालुका : गांधी नगर				
शाम	सर्वेक्षण संख्या	हेक्टर	एअरर्स	पीएअरर्स	
सेरथ	1575/3	0	02	81	
	बी०बी० कार्ट ट्रैक	0	01	00	
	6/1	0	09	89	
	6/2	0	08	87	
	5/2	0	04	76	
	5/1	0	01	00	
	4	0	08	36	
	3	0	07	32	
	335/1	0	02	81	
	335/3	0	02	44	
	337	0	03	40	
	338/1	0	01	71	
	338/2	0	03	10	
	338/3	0	04	94	
	बी० बी० कार्ट ट्रैक	0	02	07	
	730/3	0	01	00	
	730/2	0	10	98	
	729/1	0	04	24	
	729/3	0	02	75	
	738	0	08	23	
	728	0	19	65	
	721	0	10	52	
	719	0	08	54	

[म० 12016/5/73-एन एन्ड एल]

बी० आर० भल्ला अवसर सचिव

S.O. 1571.—Whereas by a notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S. O. No. 153 dated 4-1-74 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50

of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

AND WHEREAS the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

AND FURTHER WHEREAS the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

NOW, THEREFORE, in exercise of the Power conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

AND FURTHER in exercise of the power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM KALOL-55 TO GGS 1

State : Gujarat	Dist & Taluka. :	Gandhinagar,			
Village	Survey No.	Hectare	Are	P. Arc	
SERTHA	1375/3	0	02	81	
	V.P. Cart track	0	01	00	
	6/1	0	09	89	
	6/2	0	08	67	
	5/2	0	04	76	
	5/1	0	01	00	
	4	0	08	36	
	3	0	07	32	
	335/1	0	02	81	
	335/3	0	02	44	
	337	0	03	40	
	338/1	0	01	71	
	338/2	0	03	10	
	338/3	0	04	94	
	V.P. Cart track	0	02	07	
	730/3	0	01	00	
	730/2	0	10	98	
	729/1	0	04	24	
	729/3	0	02	75	
	738	0	08	23	
	728	0	19	65	
	721	0	10	52	
	719	0	08	54	

[No. 12016/5/73-L&L]

B. R. BHALLA, Under Secy.

स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 27 मई, 1974

का०आ० 1572—दत्त चिकित्सा अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 10 की उपधारा (4) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारतीय दत्त चिकित्सा परिषद् के परामर्श से उक्त

अधिनियम की अनुसूची के भाग iii में निम्नलिखित संशोधन करनी है:
नामत—

उक्त भाग में क्रम संख्या 68 और उसमें सम्बन्धित प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि रख ली जाए; नामतः—

"69 बोस्टन विश्वविद्यालय,	मास्टर ऑफ	एम० एम० सी०
बोस्टन, मैसाचुसेट्स,	साइन्स आर्था-	डी० प्रार्थी०,
(अमरीका)	डॉन्टिस्म	बोस्टन।"

[सं० बी 12017/5/73-एम०पी०टी०]

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY PLANNING

(DEPARTMENT OF HEALTH)

New Delhi, the 12th June, 1974

S.O. 1572.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (4) of section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consultation with the Dental Council of India, hereby makes the following amendment in Part III of the Schedule to the said Act, namely :—

In the said Part, after serial No. 68 and the entry relating thereto, the following shall be inserted, namely :—

"69. Boston University	Master of	M.Sc. D. Orth
Boston, Massachusetts,	Science,	Boston"
(U.S.A.)	Orthodontics	

[No. V. 12017/5/73-MPT]

नई दिल्ली, 7 जून, 1974

का० आ० 1573— भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का अनुसरण करते हुए तथा दमिलसाडु सरकार के परामर्श से केन्द्रीय सरकार ने डा० एन० आर० रत्नकानन् के त्यागपत्र देने पर उनके स्थान पर 11 अप्रैल, 1974 में मद्रास के चिकित्सा शिक्षा के निदेशक डा० एम० नारायणन् को भारतीय चिकित्सा परिषद् का सदस्य मनोनीत किया है;

और यतः उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा 1 के खण्ड (ख) के उपबन्धों का अनुसरण करते हुए निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के सामने लिखित तिथि में सम्बन्धित विश्वविद्यालयों द्वारा उक्त परिषद् का सदस्य निर्वाचित किया है :—

व्यक्ति का नाम	निर्वाचित करने वाले विश्व-विद्यालय का नाम	निर्वाचित करने की तिथि
1 डा० (श्रीमती) लीला राम कुमार, प्रधानाचार्या, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, पटियाला।	पंजाब विश्वविद्यालय	4 अप्रैल, 1974
2 डा० विक्रम दास, प्राध्यापक तथा विभागाध्यक्ष एम० के० सी० डी० मेडिकल कॉलेज, बेरहामपुर।	बेरहामपुर विश्वविद्यालय	22 मार्च, 1974

3 डा० जी० एन० रेड्डी, आयुर्विज्ञान के सहप्राध्यापक, सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज, बंगलूर डा० वाई० पी० कृष्णा, जो अब उक्त अधिनियम की धारा 7(3) के अन्तर्गत परिषद् के सदस्य नहीं रहे, के स्थान पर निर्वाचित किया गया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के उपबन्धों अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय की 9 जून, 1960 की अधिसूचना संख्या 5-13/59-चि० 1 में आये और निम्नलिखित संशोधन करती है :—

उक्त अधिसूचना में :—

(i) मनोनीत शीर्षक के अन्तर्गत धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) में क्रम संख्या 8 के समक्ष उल्लिखित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रख ली जाए;

"डा० एम० नारायणन्

निदेशक, चिकित्सा शिक्षा, मद्रास"

(ii) धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन निर्वाचित शीर्षक के अन्तर्गत क्रम संख्या 28,39 और 41 के समक्ष उल्लिखित प्रविष्टियों के स्थान पर क्रमशः निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रख ली जाए;

"28. डा० (श्रीमती) लीला राम कुमार, प्रधानाचार्या, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, पटियाला।

39. डा० विक्रम दास, प्राध्यापक तथा विभागाध्यक्ष, एम० के० सी० डी० मेडिकल कॉलेज, बेरहामपुर।

41. डा० जी० एन० रेड्डी, आयुर्विज्ञान के सहप्राध्यापक, सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज, बंगलूर"

[सं० बी 11013/2/73-एम०पी०टी०]

कुमारी सती बाबकृष्णा, अवर सचिव

New Delhi, the 7th June, 1974

S. O. 1573—Whereas the Central Government has, in pursuance of the provisions of clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) and in consultation with the Government of Tamil Nadu, nominated Dr. M.N. Narayanan Director of Medical Education, Madras, to be a member of the Medical Council of India with effect from 11th April, 1974 vice Dr. N.R. Ratnakannan resigned;

And whereas in pursuance of the provisions of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the following persons have been elected by the University specified against each of them to be members of the said Council with effect from the date noted against, each, namely :—

Name of person	Name of University which elected him	Date of election
1. Dr. (Mrs) Leila Ram Kumar, Principal, Government Medical College, Patiala.	Punjab University	4th April 1974

2. Dr. Bikram Das, Professor and Head of the Department, M.K.C.G. Medical College, Berhampur Berhampur 22nd March, 1974
3. Dr. G.N. Reddy, Associate Professor of Medicine, St. John's Medical College, Bangalore Bangalore 30th March, 1974
- Dr. Y.P. Rudrappa who has ceased to be the member of the Council under section 7(3) of the Act.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India, in the late Ministry of Health No. 5-13/59-MI, dated the 9th June, 1960, namely :—

In the said notification—

- (i) under the heading "Nominated under clause (a) of sub-section (1) of section 3", for the entry against serial No. 6, the following entry shall be substituted, namely :—

"Dr. M. Narayanan, Director of Medical Education, Madras"

- (ii) under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3," for the entries against serial Nos. 28, 39 and 41, the following entries shall respectively be substituted, namely :—

"28. Dr. (Mrs) Leila Ram Kumar, Principal, Government Medical College, Patiala.

39. Dr. Bikram Das, Professor and Head of the Department, M.K.C.G. Medical College, Berhampur.

41. Dr. G.N. Reddy, Associate Professor of Medicine, St. John's Medical College, Bangalore"

[No. V 11013/2/73-H.P.T.]

MISS SATHI BALAKRISHNA Under Secy.

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 12 जून, 1974

क्रा० अा० 1574—केन्द्रीय सरकार, भारतीय डाकघर अधिनियम, 1898 (1898 का 6) की धारा 46 और 74 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय डाकघर नियम, 1933 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय डाकघर (दूसरा संशोधन) नियम, 1974 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय डाकघर नियम, 1933 के नियम 146 में,—

- (i) उप नियम (2) में, "ऐसे मनीआर्डर या मनीआर्डरों पर जो गंतव्य स्थान पर नहीं भेजे जाते हैं, आनुपातिक कमीशन सहित वापस किया जाएगा" शब्दों के स्थान पर, "भेजने वाले को प्रतिमंदाय किया जाएगा या किए जाएंगे, किन्तु कोई ऐसे मनीआर्डरों की बाबत उसके द्वारा संदत्त कमीशन बचिस नहीं नहीं किया जाएगा" शब्द रखे जाएंगे।

- (ii) इस प्रकार संशोधित उप-नियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित उप-नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(2क) जहां यथास्थिति, उप-नियम (1) या उप-नियम (2) में विनिर्दिष्ट सीमा से अधिक का विदेशी रुपए या विदेशी करेंसी में एकल मनीआर्डर स्वीकार किया जाता है, वहां उक्त मनीआर्डर इस प्रकार विनिर्दिष्ट सीमा के लिए ही गंतव्य स्थान को भेजा जाएगा और प्रतिशेष तथा प्रभारित कमीशन का आधिक्य भेजने वाले को वापस किया जाएगा"

[संख्या 42/8/71 सी० एफ०]

एम० एल० गैड उप-महानिदेशक (फिलैटली)

MINISTRY OF COMMUNICATION

(Posts and Telegraph Board)

New Delhi, the 12th June, 1974

S.O. 1574.—In exercise of the powers conferred by sections 46 and 74 of the Indian Post Office Act, 1898 (6 of 1898), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Post Office Rules, 1933, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Post Office (Second Amendment) Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 146 of the Indian Post Office Rules, 1933, (i) in sub-rule (2), for the words "together with the proportionate commission on the money order or money orders not advised to destination shall be refunded", the words "shall be repaid to the remitter who shall not, however be granted a refund of the commission paid by him in respect of such money orders" shall be substituted;

(ii) after sub-rule (2) as amended, the following sub-rule shall be inserted, namely:—

"(2A) Where a single foreign rupee money order or a single foreign currency money order exceeding the limit specified in sub-rule (1) or sub-rule (2), as the case may be, is accepted, the said money order shall be advised to destination only for the limit so specified and the balance, together with the excess charged commission shall be refunded to the remitter."

[No. 42/8/71-CF]

M. L. GAIND, Dy. Director General

नई दिल्ली, 14 जून, 1974

क्रा० अा० 1575—स्वायत्ती आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किया किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड iii के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने नारायण टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-7-74 से प्रमाणित कर प्रणाली लागू करने का निर्णय किया है।

[स० 5-15/74-पी० एच० बी०]

पी० सी० गुप्ता, महाप्रक महानिदेशक (पी० एच० बी०)

New Delhi, the 14th June, 1974

S.O. 1575.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 1-7-74 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Narakkal Telephone Exchange, Kerala Circle.

[No. 5-15/74-PHB]

P. C. GUPTA, Assistant Director General

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 7 जून, 1974

का० आ० 1576—अतः केन्द्रीय सरकार ने, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा अपेक्षित है, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (व) के उपखण्ड (vi) के उपखण्डों के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 3553 तारीख 5 दिसम्बर 1973 द्वारा, उक्त अधिनियम, की धारा 2 के खण्ड (ख) में यथा परिभाषित बैंककारी उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिये 29 दिसम्बर, 1973 से छः मास की कालावधि के लिये उपयोगी सेवा घोषित किया था;

और यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में उक्त कालावधि का छः मास की और कालावधि के लिये बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) धारा 2 के उपखण्ड (vi) के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिये 29 जून, 1974 से छः मास की और कालावधि के लिये लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[का० सं० एस-11025/24/74-एल०आर०]

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 7th June, 1974

S.O. 1576.—Whereas, the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 3553 dated the 5th December, 1973, the banking industry carried on by a banking company as defined in clause (b) of section 2 of the said Act, to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 29th December, 1973;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 29th June, 1974.

[F. No. S-11025/24/74-LR. J]

का० आ० 1577—यतः केन्द्रीय सरकार ने, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा अपेक्षित था, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 3492, तारीख 1 दिसम्बर, 1973 द्वारा दिल्ली दुग्ध स्कीम के अधीन दुग्ध के प्रवाह के लिये उद्योग की औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) के लिये 22 दिसम्बर, 1973 से छः मास की कालावधि के लिये लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था।

और यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में उक्त कालावधि का बढ़ाया जाना अपेक्षित है।

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ठ) के उपखंड (vi) के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुये केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त उद्योग के उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिये 22 जून, 1974 से छः मास की और कालावधि के लिये लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[का० सं० 11025/24/74-एल० आर०]

एम० एस० सहस्रनामान, अवर सचिव,

S.O. 1577.—Whereas the Central Government, being satisfied that the public interest so required, had declared by a notification made in pursuance of the provisions of the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), [being the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 3492 dated the 1st December, 1973] the industry for the supply of milk under the Delhi Milk Scheme to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 22nd December, 1973;

And whereas, the Central Government is of opinion that the public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 22nd June, 1974.

[F. Uo. S-11025/24/74-LR. J]

S. S. SAHASRANAMAN, Under Secy.

New Delhi, the 12th June, 1974

S.O. 1578.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of Shri R. J. T. D. 'Mellow, Chief Labour Commissioner (Central) and Arbitrator, New Delhi, in the industrial dispute between the management of Bistrampur Colliery of Messrs National Coal Development Corporation Limited, Post Office Bistrampur Colliery, District Surguja (Madhya Pradesh), and their workmen which was received by the Central Government on the 31st May, 1974.

AWARD

IN THE MATTER OF ARBITRATION UNDER SECTION 10A OF THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1947 IN THE INDUSTRIAL DISPUTE BETWEEN NATIONAL COAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD., MANAGEMENT OF BISRAPUR COLLIERY AND KOYALA SHRAMIK SANGH, P.O. BISRAPUR COLLIERY (M.P.) REGARDING DEMAND FOR PAYMENT TO FORTY TUB LOADERS OF SAYAL COLLIERY AT RS. 3.33 PER TON OF COAL LOADED FOR THE DAYS THEY WORKED AT BISRAPUR COLLIERY.

Present :

Shri R.J.T. D'Mello,

Arbitrator & Chief Labour Commissioner (Central).

Representing the management :

1. Shri J.J. Sen Gupta, Group Personnel Officer, NCDC Ltd.

2. Shri P. S. Nair Advocate, Jabalpur.

Representing the workmen :

1. Shri Manoranjan Roy, M.P. Calcutta.

2. Shri C.R. Manoharan, Koyala Shramik Sangh, P.O. Bisrapur Colliery, Distt. Surguja (M.P.)

Industry : COAL

State : MADHYA PRADESH

No. Con III/545(2)/73 Dated New Delhi, the 30th May 1974.

By a written agreement dated 6th September, 1973 the management of Bisrapur Colliery of M/s. National Coal Development Corporation Limited, P.O. Baikunthpur, District Surguja (M.P.) and the Convener, Koyala Shramik Sangh, P.O. Bisrapur Colliery, District Surguja (M.P.) referred the following specific matter in dispute to my arbitration under Sec. 10(A) of the I.D. Act, 1947 :—

“Whether the demand of the tub-loaders who joined on transfer from Sayal Colliery of NCDC to Bisrapur Colliery of NCDC for payment of Rs. 3.33 per ton of coal loaded for the days that they worked at Bisrapur Colliery is justified, having regard to the circumstances under which they were transferred.”

2. Subsequently, the union furnished a list of 38 affected workmen whereas the management furnished a list of 40 affected workmen as detailed below :—

Name of the piece rated loader Father's name.

S/Sri

1. Tilakdhary Singh	Sri Ghorbari Singh
2. Ramesh Chandra Sao	Sri Raju Sao
3. Ganesh Pandit	Sri Chakhu Pandit.
4. Sahatur Ram	Sri Sukun Ram
5. Bhuneehwar Singh	Sri Udit Narayan Singh
6. Ramkishan Ram	Sri Khandban Ram
7. Baran Mehato	Sri Kanaiya
8. Ramdhany Bhuian	Sri Brihaspat Bhuian
9. Rambilas Sao	Sri Bachu Sao
10. Banwari Ram	Sri Lawari Ram
11. Hardeo Ahir	Sri Sheo Bhajan Chaudhury
12. Umesh Bhar	Sri Nau Zadik Bhar
13. Ramjanam Mochi	Sri Dubar Mochi
14. Ramhosila Bhar	Sri Akalu Bhar
15. Jagat Rai	Sri Ghosi Rai
16. Ramlal Rabidas	Sri Dakhu Rabidas
17. Ramnandan Rabidas	Sri Dukhan Rabidas
18. Bachu Ram	Sri Fulchand Bhuian
19. Jitan Bhuian	Sri Agnu Bhuian
20. Churam Ram	Sri Nakchedi Ram

Name of the piece rated loader

Father's name

21. Arjun Ram	Sri Ramdhani Ram
22. Jith Rabidas	Sri Raghunandan Rabidas
23. Rafullah	Sri Ramatullah
24. Sahul	Sri Birliu Ram
25. Bhola Bhar	Sri Sukhanandan Bhar
26. Bachanu	Sri Ramads
27. Teencowri	Sri Girdhari
28. Tapeshwar Rabidas	Sri Ram Ratan Rabidas
29. Tohan Ram	Sri Jaleshwar Bhowra
30. Ramjan Ali	Sri Nasib Ali
31. Sahebjan	Sri Jai Mohammad
32. Jangi Singh	Sri Chattu Singh
33. Banwari	Sri Dhancheshwar Kewat
34. Sunder No. 3	Sri Dongha Yadav
35. Chalitter	Sri Bachan Harijan
36. Jamwant Ram	Sri Sukhanandan Ram
37. Ram Bichh	Sri Patru
38. Rajpath	Sri Makhoder Yadav
39. Mongroo	Sri Sheonth Kumari
40. Jogeshwar Ram	Sri Subedar Dusadh

3. The parties further agreed that the decision of the arbitrator shall be binding on them.

4. The said arbitration agreement of the parties was published in the Government of India Gazette as required under Section 10A(3) of the Industrial Disputes Act, 1947, vide Government of India, Ministry of Labour & Rehabilitation, Department of Labour & Employment No. L. 22012/2/73-LR. II dated 22-10-1973. According to the agreement, the award was to be given within a period of six months from the date on which this agreement is published in the Government of India Gazette or within such further time as is extended by mutual agreement between the parties. The parties were called upon to file their written statements on the points in dispute. The management submitted their written statement No. AGM(BKP)/Loaders/BIS/2277-1-73 dated 22-12-1973 on 28-12-1973 whereas the written statement dated 1-12-1973 on behalf of the workmen was received on 5-12-1973. Various dates for hearing were fixed by me but due to important official work, the dates so fixed had to be postponed.

5. The first hearing was held on 26-3-1974 at New Delhi during the course of which the management requested for postponement to a later date so as to enable them to bring their witnesses. Accordingly, the next date for hearing was fixed on 23-4-1974 but hearing could not be held due to other pressing official work and the next hearing was fixed at 9.30 A.M. on 24-4-1974. On that date, the Union produced the following witnesses who were examined/cross-examined :

(i) Shri Jangi Singh, Loader, Sayal Colliery.

(ii) Shri Jitu Rabidas, Loader, Sayal Colliery.

(iii) Shri Sahul, Loader, Sayal Colliery.

The management produced the following witnesses who were examined/cross-examined.

(i) Shri M. P. Singh, Colliery Manager, Pipradih Colliery, Bihar.

(ii) Shri S. K. Bhatnagar, Sub Area Manager, Bisrapur.

(iii) Shri S. P. Verma, Sub Area Manager, Gidi Group, Bihar.

The parties were finally heard on 25-4-1974 at New Delhi during which Shri Manoranjan Roy, M.P., representing the Koyala Shramik Sangh and Shri P. S. Nair, representing the National Coal Development Corporation placed their respective view-points. Meanwhile, the parties agreed to extend the time limit upto 31-5-1974 for giving the award.

6. In addition to what they have mentioned in their written statements, the parties reiterated their respective contentions quoting passages from the Wage Board recommendations for Coal Industry during the final hearing on 25-4-1974 and their arguments are briefly as hereunder :—

ARGUMENTS ON BEHALF OF THE WORKMEN

6.1. That at the time of transfer, the workmen did not know that their rates of wages would be affected adversely. The transfer orders were issued on 31-10-1972 and the workmen joined at Bistrampur Colliery early in November, 1972. After joining at Bistrampur, when the wages for fortnight ending 15-11-1972 were disbursed on 25-11-1972, the workmen came to know for the first time that the rates of wages were less than what they were getting at Sayal Colliery. Hence, all the affected workmen did not accept payment.

6.2. That the R.L.C.(C), Jabalpur held conciliation proceedings and submitted his FOC Report on 7-2-1973. During conciliation, he made two suggestions :

(i) Re-transfer of the workmen back to Sayal Colliery (Bihar);

(To this the union readily agreed but the management did not.)

(ii) Arbitration.

(To this also, the union agreed whereas the representative of management did not.)

Ultimately, the workmen went on strike w.e.f. 5-3-1973 and the management signed the agreement before the Superintendent of Police and the strike was called off on 7-3-1973. And that the above action of the management in initially not agreeing to the suggestion of the RLC but agreeing subsequently only after workmen resorted to strike reveals that it has no genuine interest in solving the dispute.

6.3. That the management's allegation that the union did not turn up to attend the conciliation meeting fixed by R.L.C. on 3-3-1973, is yet another case of twisting the facts. Intimation about the proposed meeting to be held on 3-3-1973 was received by the Union on 5-3-1973 only. Hence, the question of ignoring the conciliation meeting did not arise.

6.4. That the management has violated the provisions of Sec. 9A of the I.D. Act as well as Standing Order No. 16 of the Certified Standing Orders in unilaterally reducing the rates of wages of these workmen without giving the notice of change which amounted to change in service conditions of the workmen covered by Item No. 1 of Fourth Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947.

6.5. That the rates of wages prevailing at Bistrampur which are lower than those prevailing at Sayal Colliery, should have been gradually raised to the level of those prevailing at Sayal in stages as recommended by the Coal Wage Board by reducing the work-load from 100 cft. to 72 cft.

6.6. That the LAT award referred to by the management in their statement is no longer applicable to the collieries at present. It is the Wage Board recommendations which govern the rates of wages of workmen in the collieries.

6.7. That the Office Memorandum No. KP/Surplus/Per. II/72/9930 dated 18th September, 1972 from General Manager, N.C.D.C. Ltd., to all Project Officers specifically mentioned about availability of pucca houses at Bistrampur but did not indicate the rates of wages/workload, rather deliberately.

6.8. That the contention of the workmen is not that the total earnings at Bistrampur is less or more, but the management does not have any right to reduce the basic wages of the workmen on the plea of transfer from one area to another.

6.9. That the argument of the management that the working conditions at Bistrampur Colliery are more favourable when compared to those prevailing at Sayal, is not correct because, Bistrampur Colliery is a watery mine where workmen have to stand in water while doing mining operation.

6.10. That the workers were not informed about the lesser rate of wages prevailing at Bistrampur as reduced from the following facts :

According to the management S/Shri Sunder No. 3 and Jith Rabi Dass went to Bistrampur in advance, saw the quarters there, went down the mines then came back to Sayal Colliery and apprised other workers of the conditions prevailing at Bistrampur. If that be the case, there is no reason why these two individuals also refused to receive the payment on 25-11-1972 alongwith the other affected workmen. It is also interesting to note that these two workmen, who according to the management knew the working conditions of the Bistrampur Colliery in advance also refused to receive their first payment, joined the strike and returned back to Sayal Colliery, obviously not satisfied with the rate of wages prevailing at Bistrampur.

6.11 The allegation of the management that the Koyala Shramik Sangh, Bistrampur Colliery (CITU) was trying to infiltrate into the Bistrampur Colliery by inciting the Sayal Colliery workmen is baseless since this union was formed as early as 1971 long before the present dispute emanated.

6.12. That the so-called recognised union, M.P. Colliery Workers Federation (INTUC) supported the management, but not a single workman in Bistrampur Colliery followed their direction during the three day strike from 5-3-1973 to 7-3-1973. In other words, the recognised union has no following in the said colliery.

6.13. That the management tried to prove that the workmen were very much satisfied with the rates of wages prevailing at Bistrampur Colliery, by citing the case of two workmen S/Shri Hardev Ahir and Ram Brich. But these two workmen had not accepted the lower basic wages for the period ending 15-11-1972, which were due on 25-11-1972. Moreover they too joined the strike from 5-3-1973 to 7-3-1973. However, they opted to stay back at Bistrampur. The reason is very obvious. They had personal problems, which prevented them from going back to Sayal Colliery. They borrowed huge sums in Sayal and they were afraid to face money lenders at Sayal. There is another case of Shri Tokan Ram, time-rated driller at Sayal, who opted to remain at Bistrampur just because it happened to be his home town. Thus it will be seen that the arguments of the management are contrary to the real facts.

6.14. That Shri J. G. Kumaramangalam, who is now occupying the highest position in N.C.D.C. Ltd., was a member of the Wage Board for Coal Mining Industry and it was he who observed as follows :

"Where the existing work-load is more than 90 cft., we would recommend that as a first step it should be brought down to 90 cft., in terms of which they would be entitled to Group IV wages for loading 90 cft. This should be progressively reduced to 81 cft. within one year from the date of our recommendations come into effect and to 72 cft. within one year thereafter. In other words they shall fall in line with the all India work-loads and rates within two years of our recommendations coming into force."

In view of the above observations by no less a person than the Head of N.C.D.C. Ltd., it is the moral responsibility of this management to strive to raise the rates of wages of the loaders in M.P. Collieries on par with those prevailing in Bihar Collieries. In any case, there is no justification to reduce the rates of wages of these 40 innocent workmen who were already getting higher rates of wages at Sayal Colliery, keeping in view the spirit of the observations quoted above.

In view of the above, the union demanded that all the workmen should be paid at the same rate, at which they were paid at Sayal Colliery and that they should be compensated for the hardships caused due to this transfer.

ARGUMENTS ON BEHALF OF THE MANAGEMENT.

7.1. That the reference to arbitrator, is an agreed reference under Section 10A of the Industrial Disputes Act by both the parties. That the words "having regard to the circumstances under which they were transferred", should be given special stress by the arbitrator because the whole issue revolves round the circumstances under which the 40 workmen of Sayal Colliery were transferred to Bisrampur Colliery.

7.2. That the main reason for transfer is that labour was rendered surplus at Sayal and whereas more loaders were required at Bisrampur. Both the Collieries have a common Standing Order being under the same management, namely National Coal Development Corporation. After the nationalisation of coal mines from 1-5-1973, N.C.D.C. has become a subsidiary of Coal Mines Authority. Prior to 1968, there were a number of standing orders applicable to different collieries and later on all these standing orders were codified into one standing order. Under standing order 16, the management is entitled to transfer a worker from one colliery to another. In September, 1972, additional loaders were required in the mines of Bisrampur. Since there were some surplus workers at Sayal Colliery, a notice was put up on 20-9-1972 inviting volunteers to go to Bisrampur. Two workmen S/Shri Sunder Kumar No. 3 and Jitu Rabi Dass came on their own accord to Bisrampur between 8th and 12th September to see for themselves the conditions prevailing at Bisrampur. 56 workers initially agreed to go over to Bisrampur. Finally 40 workmen came from Sayal to Bisrampur. This transfer was done as a mutual adjustment and in the interest of administrative convenience. The company is the same, the type of work is the same, the transfer was voluntary and the whole transfer was the result of re-adjustment of the labour, which is the function of the management. The management did not resort to retrenchment because, it is the policy of the public sector undertaking not to effect retrenchment even of losing mines, for example, the Giridih mines of N.C.D.C. are losing heavily and yet there has been no retrenchment.

7.3. The wage structure of loaders is not uniform all over India. The history of the wage structure has been dealt with elaborately in the statement filed by the management. The reason why the wage rates are higher in Bihar Collieries has got historical background vide para 10 (page 4) of the statement of the Management. Para 141 of L.A.T. award deals with rates of wages for loaders in Bengal and Bihar collieries viz. Rs. 308 for 72 cft. While para 237, prescribes the workload for Korea Coal Field (in which Bisrampur falls) as 100 cft. and the workload is still higher for other collieries in M.P. Thus it would be seen that the rates of wages to loaders, payable by an employer having collieries in different states such as those covered by present reference, depend on the colliery in which they are posted for the time being.

7.4. That Shri J. G. Kumaramanglam has recommended gradual narrowing down of the difference in wages of loaders prevailing in different States by reducing the workload from 100 cft. to 72 cft. What he suggested in his capacity as a member of the Wage Board has nothing to do with his present position as Chairman of N.C.D.C. In any case the Government, which is the ultimate authority has not accepted this recommendation and therefore, it did not find place in Government Resolution No. WB-16(5)/66 dated 21-7-1967 and hence nobody subordinate to the Government can raise any objection to the decision taken by the highest authority.

7.5. That all aspects of the dispute could be gone into by examining evidence, witnesses and cross-examination.

7.6. That the working conditions at Bisrampur Mine are by far better as would be evident from the following factors :—

- (a) Gradient of the floor in this colliery on which the loaders are to work, is more favourable. (flatter);
- (b) This Colliery is a category I gassy mine, where very nominal precautions are to be observed for gassiness, whereas Sayal Colliery belongs to cate-

gory II where greater precautions have to be taken resulting in mining operations taking a longer time.

- (c) The temperature at the working faces at Bisrampur is lesser than that at Sayal.

Hence, the loaders can load more tubs in Bisrampur during a given time than at Sayal.

7.7. That the total earnings of the workers at Bisrampur were not in any way affected by transfer as might be seen from the statement produced by the management which was not disputed by the Union also. Hence, the workmen should have no grievance against the management.

7.8. That there are many collieries in Madhya Pradesh where a large number of loaders are working. They have accepted the existing higher workload and are working willingly for the last several years.

7.9. That the representative of the management who attended the conciliation proceedings before the Regional Labour Commissioner(C), Jabalpur, could not agree to the transfer of the affected workmen back to Sayal Colliery because it was not within his competence to do so without the prior approval of higher authorities.

7.10 That the Office Memo. No. KP/Surplus/Per II/729930 dated 18th September, 1972 from General Manager, N.C.D.C. Ltd., addressed to all Project Officers which contained information relating to availability of pucca quarters at Bisrampur, was an internal matter between the General Manager and other officers and that it has nothing to do with the workmen. That the actual notice No. DSOC/SYL/Genl-Misc/72-1611-16 dated 20-9-1972 exhibited in the Notice Board did not mention about the availability of pucca quarters at Bisrampur so as to warrant the allegation of inducement.

7.11. That the conditions of service of any workman were not at all changed. The rates of wages/workload prevailing at each of the mines continue to be the same and hence the question of violation of Sec. 9-A or the provisions of certified Standing Order did not at all arise.

7.12. That if the demands of the workmen were accepted, it would result in two different kinds of wage-rates/workload being observed at Bisrampur Colliery itself amongst the loaders. In other words, it would result in discrimination between the loaders doing the same job, and would lead to another industrial dispute.

7.13. That the demands of the workmen, if acceded to, will have many repercussions in all other collieries in Madhya Pradesh, because, if a small section of loaders who were transferred from Sayal to Bisrampur, are given higher rates of wages, then, all other loaders, numbering several thousands employed in all other collieries, would also demand the same higher rates of wages. In other words, it would result in large scale industrial unrest, and affect the economy of the Public Sector Undertaking.

The analysis of foregoing arguments of both the parties revealed that :

8.1. The management needed more loaders at their Bisrampur Colliery. A notice was put up at Sayal Colliery inviting applications from willing workmen, who were prepared to be transferred to Bisrampur. About 56 workmen volunteered to be transferred to Bisrampur.

8.2. Two workmen S/Shri Sunder No. 3 and Jitu Rabidas were given permission to proceed to Bisrampur, to see for themselves the conditions prevailing at Bisrampur. They were given opportunities to see quarters and to go underground in the mines. Later on they came back and apprised some of their colleagues about the conditions prevailing at Bisrampur.

8.3. Subsequently some of the workmen withdraw their consent. Those who went to their native place to see their kith and kin prior to the transfer to Bisrampur, also did not proceed to Bisrampur and yet the management did not compel anyone who was unwilling to go over to Bisrampur

This only willing workmen of Sayal Colliery numbering 40 were transferred to Bistrampur, and there was absolutely no mala fide in transferring the workmen.

8.4. The managements' right to transfer the workmen from Sayal Colliery to Bistrampur Colliery is not disputed by the union.

8.5. The notice put up by the management at Sayal Colliery inviting volunteers neither indicated the rate of wages or workload prevailing at Bistrampur nor did it mention the variations in rates of wages and workload at the two collieries.

9. This is the background against which the demand for payment to Tub Loaders of Sayal Colliery at Rs. 3.33 per ton of coal loaded for the days they worked at Bistrampur Colliery has to be considered.

10. At the outset, two important controversial issues which have got close bearing on the specific matter in dispute, have to be dealt with. The first one relates to the allegation of the union that the management have violated Sec. 9-A of I.D. Act 1947. The Management was in need of more loaders in the underground mines of Bistrampur because of their plan to step up production. The management had surplus loaders at Sayal Colliery who could be transferred and hence they had put up a notice No. DSOC/Syl/Genl./Misc/72-1611-16 dated 20-9-1972 on their notice board on 20th September, 1972, inviting volunteers who might be willing to proceed on transfer to Bistrampur, 40 workmen volunteered and they were transferred to Bistrampur Colliery. The rates of wages/workload, and other conditions of service, as recommended by the Wage Board and prevailing at each of the mines belonging to the NCDC continue to be the same. The workmen of Sayal Colliery have volunteered to go over to Bistrampur Colliery. Hence it cannot be said that the management have violated the provisions of Sec. 9-A of I.D. Act, 1947.

10.2. The second issue relates to the contention of the union that the 40 affected workmen did not have any previous knowledge about the rates of wages/workload prevailing at Bistrampur. The notice No. DSOC/Syl/Genl./Misc/72-1611-16 dated 20-9-1972 put up on the Notice Board on 20th September, 1972 inviting volunteers who might be willing to proceed on transfer to Bistrampur, did not mention anything about the difference in rates of wages/workload or the favourable conditions if any prevailing at Bistrampur Colliery, either intentionally or inadvertently. But the fact remains that two workmen S/Shri Sunder No. 3 and Jith Rabidas went to Bistrampur Colliery between 8th and 12th October, 1972 with the specific purpose of knowing the conditions of work at Bistrampur. They were given all facilities to see for themselves the availability of quarters, the actual mining operations in the underground, etc. One local workman was allowed to accompany them and help them. Such being the case, it is difficult to believe the version of the union that these two workmen did not enquire about the basic facts like pay packet or workload, which any workman is very keen to know. It is highly improbable that workmen would voluntarily go over to another colliery where the rates of wages are comparatively lower unless there are extraneous considerations like the place being home town of workman, or the pay packet is bigger etc. Still, the basic question viz., whether all the affected workmen were aware in advance about lesser rate of wages/higher workload, has not been answered in un-ambiguous terms.

11. The Management have given a rosy picture about the total earnings of the affected workmen during the period of their stay at Bistrampur and have argued that the pay packets of the workmen being bigger they should not have any grievance over their wage-rate. They have also stated that a very large number of loaders in various collieries in Madhya Pradesh have willingly accepted the existing higher workload. But the dispute pertains to the rates of wages paid to the loaders who came from Sayal Colliery and not about the total earnings of the workmen who are already working at Bistrampur or the extent to which they are satisfied with the rates of wages/workload.

12. The argument of the management that the working conditions at Bistrampur are more advantageous in so far as gradient, gas, temperature, etc. would appeal to only highly skilled workmen or educated workmen and not to illiterate tub loaders. An ordinary workmen cannot appreciate that the working conditions at Bistrampur are more advantageous when compared to those prevailing at Sayal and that the net earnings would be higher even though the rates of wages are less.

13. Some of the affected workmen had experience of working at different collieries in Bihar and they had not come across any difference in rates of wages/workload for loaders. Hence it is but natural that they would take it for granted that the rate of wages at Bistrampur Colliery, which is also under the same management, would be the same, unless they were briefed in advance about the difference. The least that the official at Sayal Colliery could have done to clear any possible doubts among workmen was to mention the rates of wages/workload prevailing at Bistrampur, in their notice dated 20-9-1972 exhibited at the Notice Board, inviting volunteers to be transferred. Having failed in their responsibility, they have tried to attribute full knowledge of circumstances to workmen by relating the visit of two workmen S/Shri Sunder No. 3 and Jith Rabidas who went to Bistrampur Colliery between 8th and 12th October, 1972. The fact that these two workmen too joined the strike and returned back to Sayal Colliery along with 36 others, has to be viewed in the larger perspective of collective agitation for securing higher monetary benefit. But the basic fact remains that nowhere it was proved by the Management that all volunteers (loaders) of Sayal Colliery had knowledge of the rates of wages/workload either through personal briefings or through the notice board. Further there is no proof that S/Shri Sunder No. 3 and Jith Rabidas had informed the other 38 loaders about the conditions prevailing at Bistrampur.

14. The management are apprehensive of wide repercussions in Bistrampur Colliery and also elsewhere, in case the demands of the workmen are conceded. There is hardly any substance in their apprehension. The affected workmen have already gone back to Sayal Colliery and hence the question of discrimination in payment of wages to loaders at Bistrampur does not arise. The demand relates to payment for the past period during which these workmen worked at Bistrampur ignorant of the rate of wages/workload.

15. No doubt, the LAT award and the recommendations of the Wage Board for Coal Mining Industries have fixed different wage rates/workload for collieries situated in different states, after examining representatives of employers and workmen and taking into consideration various factors like location, working conditions applicability of different sets of labour laws etc. These rates cannot be changed overnight, just because a handful of workmen were affected inadvertently during the process of readjustment of work-force.

16. Summing up, I am inclined to come to the conclusion that because of Lacuna in the notice No. DSOL/Syl/Genl. Misc/72-1611-16 dated 20-9-1972 put up at the notice board at Sayal Colliery, and from the other evidence let in, it is not established that the concerned workmen had previous knowledge of higher workload or lesser wage rates at Bistrampur, while the indirect evidence adduced by the management could not show any positive action on their part to bring to the notice of workmen about the rates of wages at Bistrampur before these workmen were transferred.

17. On the basis of the materials placed before me, the evidence adduced and the arguments put forward, during the hearing, I am inclined to believe that not all workmen (loaders) who opted to go over to Bistrampur knew about the higher workload or lesser rates of wages at Bistrampur and hence I order that the following 38 workmen out of 40 affected workmen (loaders) should be paid 50% of the difference in wages, i.e. Rs. 3.33—2.40=0.93=0.46 paise per ton of coal loaded

2 ————— 2

for the days they worked at Bistrampur Colliery.

1. Shri Tilakhday Singh
2. Shri Ramesh Chandra Rao
3. Shri Ganesh Pandit
4. Shri Saha Ram

5. Shri Bhuneshwar Singh
6. Shri Ram Kishan Ram
7. Shri Baran Mahato
8. Shri Rambilas Sao
9. Shri Ramdhany Bhulan
10. Shri Banwari Ram
11. Shri Umesh Bhar
12. Shri Ramjanam Mochi
13. Shri Ramhoaila Bhar
14. Shri Jagat Rai
15. Shri Ramlal Rabidas
16. Shri Ramnandas Rambidas
17. Shri Bachu Ram
18. Shri Jitan Bhuan
19. Shri Arjun Ram
20. Shri Juti Rabidas
21. Shri Sahul
22. Shri Bhola Bhar
23. Shri Bachanu
24. Shri Teencowri
25. Shri Tampeshwar Rabidas
26. Shri Tohan Ram
27. Shri Ramjan Ali
28. Shri Sahebjan
29. Shri Jangt Singh
30. Shri Sunder No. 3
31. Shri Banwari
32. Shri Chalitte
33. Shri Jamwant Ram
34. Shri Rajpath
35. Shri Mangroo
36. Shri Jogeshwar Ram
37. Shri Churam Ram
38. Shri Refullah

18. The other two workmen namely S/Shri Hardeo Ahir and Ram Brich opted to stay back at Bistrampur Colliery itself and hence it is not possible to grant them any relief which would result in discrimination amongst other fellow workers of Bistrampur Colliery, who are already working there since long.

19. Further, it is ordered that the management should pay a lump sum of Rs. 1,000/- to the Union to defray the cost of T.A. and D.A. of Shri C. R. Manoharan of Koyala Shramik Sangh, Bistrampur and three witnesses (all workmen of Sayal Colliery), since the management asked for adjournment of the hearing on 26-3-1974 to enable them to produce witnesses, file documents etc.

20. I give my award as above and the terms of reference are disposed of accordingly.

New Delhi, the 30th May, 1974

R. J. T. D'MELLO,
Arbitrator & Chief Labour Commissioner
(C)

[No. L-22013/2/73-LRII]

New Delhi, the 15th June, 1974

S.O. 1579.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 3), Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bastacolla Colliery of Messrs Bastacolla Colliery Company, (Private) Limited, Post Office Dhansar, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 11th June, 1974.

**CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL—
CUM-LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD**

Reference No. 52 of 1970

Present :

Shri B. S. Tripathi,
Presiding Officer.

Parties :

Employers in relation to the management of Bastacolla Colliery of M/s. Bastacolla Colliery Co. (P) Ltd., P.O. Dhansar, Distt. Dhanbad.

AND

Their workmen represented by Krantikari Koyla Mazdoor Sangh, Dharamshalla Road, P.O. Iharia, Dhanbad.

Appearances :

For Employer.—

- (1) M/s. Bastacolla Colliery Co. (P) Ltd.
 - (2) M/s. Bharat Coking Coal Limited.
- Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

For Workmen.—

Shri G. Prasad, Advocate.

Industry : Coal

State : Bihar

AWARD

This is a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947. The Central Government in the Ministry of Labour, Employment & Rehabilitation (Department of Labour & Employment) being of the opinion that an industrial dispute exists between the parties named above by their Order No. 2/88/80-LRII dated the 7th September, 1970 referred the said dispute for adjudication to this Tribunal with respect to the matters mentioned in the schedule of reference. The schedule is extracted below :—

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Bastacolla Colliery of M/s. Bastacolla Colliery Co. (P) Limited R.O. Dhansar, Distt. Dhanbad, in dismissing Sri Prayag Dasad, underground Trammer with effect from the 17th October, 1969 was justified? If not, to what relief is the workman entitled?”

2. The industrial dispute in question was sponsored by Krantikari Koyala Mazdoor Sangh and the said Union represented the workmen in the present proceeding also. The reference was received in this Tribunal on 20-9-70 and was then registered as Reference No. 52 of 1970. The employers, namely, Messrs Bastacolla Colliery Co. (P) Limited submitted their written statement which was received in this Tribunal on 22-10-70. The written statement of the workmen was received in the Tribunal on 30-12-70. On 19-1-71 the employers filed rejoinder to the written statement of the workmen. During the pendency of the present reference the colliery in question, namely, Bastacolla Colliery, vested in the Central Government under the provisions of the Central Act No. 26 of 1973 and as per Central Govt. Order, in pursuance of the provisions of the said Act, the colliery vested in Bharat Coking Coal Limited with effect from 1-5-73. Thereafter on the petition of the workmen and after hearing the parties this Tribunal impleaded Bharat Coking Coal Limited as a party in the present reference as per Order No. 20 dated 28-8-73. M/s. Bharat Coking Coal Limited thereafter filed

their written statement on 1-9-73. I do not consider it necessary to mention here the cases of the respective parties as made out in their written statements in as much as before final hearing of the reference the concerned parties compromised the dispute in question out of Court.

3. The parties, namely, the outgoing employers Messrs Bastacolla Colliery Co. (P) Limited and M/s. Bharat Coking Coal Limited and the workmen filed a compromise petition relating to the present reference on 6-6-74 with a prayer to make an award in terms of the settlement embodied in the compromise petition. The Learned Advocates of the employers and the workman accepted in my presence the terms in the compromise petition and submitted to dispose of the reference accordingly. Sri Prayag Dusad, the concerned workman, has also signed on the compromise petition and he was present when the compromise petition was taken up. He also submitted that the award be made according to the compromise petition.

4. After giving due consideration to the terms of settlement arrived at by the parties and as embodied in the compromise petition along with the reference in question and the cases of the parties as made out by them in their respective written statements, I find that the terms of settlement are quite fair reasonable and equitable. I see no reason as to why the award shall not be made in terms of the compromise petition filed by the parties and I make an award accordingly. The compromise petition will form part of the award as Annexure 'A' thereof.

I let the award be submitted to the Central Government under Section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

B. S. TRIPATHI, Presiding Officer

Dhanbad, the 7th June, 1974

ANNEXURE 'A'

[No. 2/88/70-LRII]

P. R. NAYAR, Deputy Secy.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 3, AT DHANBAD.

In the matter of :

Parties :

Reference No. 52 of 1970

Employers in relation to Bastacolla colliery.

AND

Their workmen

PETITION OF COMPROMISE

The humble petitioners on behalf of the parties to the above noted dispute most respectfully sheweth :—

1. That without prejudice to the respective contentions of the parties, the dispute has been amicably settled between the parties on the terms stated below :—

- That the concerned workman Sri Prayag Dusadh, will be given employment as a trimmer in any colliery in Bastacolla Sub-Area within 15 (fifteen) days of the date of this settlement, if Sri Prayag Dusadh reports for resumption of duty within this period.
- That Sri Prayag Dusadh, will have no claim for any wages, bonuses, and allowances etc. for the period from 17-10-69 till the date of resumption of his duty.
- That the continuity of service of Sri Prayag Dusadh will be maintained from the date of his original appointment as will appear from the Provident Fund

Record, and the period from 17-10-1969 to the date of resumption of duty will be considered as leave without pay.

2. That in view of the aforesaid settlement the dispute has been finally and fully resolved.

The humble petitioners therefore pray that the Hon'ble Tribunal may be pleased to approve the settlement as reasonable, and pass the award in terms thereof.

And for this the humble petitioners shall ever pray.

For Bharat Coking Coal Ltd., and

Manager, Bastacolla Colliery.

Shri S. S. Mukherjee
Advocate.

Dated : 6-6-1974.

For of the Workmen
SRI G. PRASAD, Advocate.

S.O. 1580.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2) Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Dhansar Colliery of Messrs Pure Dhansar Coal Company, Post Office Dhansar, District Dhanbad, and their workmen, which was received by the Central Government on the 11th June, 1974.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Present :

Shri K. K. Sarkar, Judge, Presiding Officer.

Reference No. 6 of 1972

In the matter of an industrial dispute u/s 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Parties :

Employers in relation to the management of Dhansar Colliery of Messrs The Pure Dhansar Coal Company, Post office Dhansar, District Dhanbad,

AND

Their workmen.

Appearances :

On behalf of the employer : Shri P. K. Burman, Legal Assistant.

On behalf of the workmen : Shri Lalit Burman, General Secretary, Bihar Koyala Mazdoor Sangh.

Industry : Coal.

State : Bihar

Dhanbad, 6th June, 1974.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour & Rehabilitation in the Department of Labour and Employment is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Dhansar Colliery of Messrs The Pure Dhansar Coal Company, Post Office Dhansar, District Dhanbad and their workmen. Accordingly they, by order No. L-2012/75/72-LRII dated 12-10-1972 referred the said dispute to this Tribunal u/s 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication with the following issue framed :

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Dhansar Colliery of Messrs Dhansar Coal Company, Post office Dhansar, District Dhanbad in terminating the services of Shri Pokhan Singh, Trimmer with effect from the 7th April, 1972, is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

After receipt of the reference written statements were filed by the employers as also by the workmen. Then at the instance of the workmen Coal Mines Authority was impleaded as a party and then in the change of situation Bharat Coking Coal Ltd. was impleaded as a party at the instance of the workmen. Bharat Coking Coal Ltd. duly appeared by their authorised representative and filed written statement. The reference thereafter proceeded along its course and ultimately on 8-5-1974 a joint petition of compromise was filed by the parties incorporating therein the terms of settlement arrived at between them in respect of the industrial dispute pending for adjudication in this Tribunal. The contents of the joint petition of compromise were verified as correct from the side of the workmen by Shri Lalit Burman, General Secretary, Bihar Koyala Mazdoor Sangh and Shri Prasanta Burman, Legal Assistant for the employers. I heard the parties on the joint petition and it is prayed before me that an award may be passed in terms of the settlement as filed. It appears that the settlement in its turn has been signed by the authorised representative of Bharat coking Coal and employers of Pure Dhansar Coal Company on behalf of the employers and by Shri Lalit Burman, General Secretary, Bihar Koyala Mazdoor Sangh representing the workmen and also thumb impressed by the workman actually concerned in the reference. The terms of the settlement, beneficial as they are to the parties are accepted. Nothing therefore stands in the way of an award being passed on the basis of the memorandum of settlement. Accordingly, I pass the Award in terms of the memorandum of settlement which do form a part of the Award as Annexure A.

K. K. SARKAR, Presiding Officer.

ANNEXURE 'A'

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL
GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2,
AT DHANBAD

In the matter of :—

Reference No. 6 of 1972

Parties :

Employers in relation Pure Dhansar Colliery,

AND

Their workmen.

PETITION OF COMPROMISE

The humble petition on behalf of the parties to the dispute most respectfully shewth :—

1. That without prejudice to the respective contentions of the parties, the dispute has been amicably settled on the following terms :—

TERMS OF SETTLEMENT

- That the concerned workman Shri Pokhan Singh will be given employment as a trammer in any colliery in Bastacolla Sub-Area, within 15 days from the date of this settlement, if Shri Pokhan Singh reports for duties within this period.
- That Shri Pokhan Singh will have no claim for any wages, bonuses and allowances etc. for the period from 22-9-1971 till the date of resumption of his duties in the colliery.
- That the continuity of the service of Shri Pokhan Singh will be maintained from the date of his original appointment as will appear from the Provident Fund record and the period from 22-9-1971 till the date of resumption of duties will be considered as leave without pay.

2. That in view of the aforesaid settlement the dispute has been finally resolved between the parties.

It is, therefore, humbly prayed that the Hon'ble Tribunal be graciously pleased to record the settlement and to pass the award in terms of the settlement.

For the Employers
M/s. Bharat Coking
Coal Ltd.,

(Sd/- Shri B. Joshi,
Advocate)

For the Employers
M/s. Pure Dhansar
Coal Co.

(Sd/- B. Joshi
Advocate)

1. For the workmen

(Sd/- Shri Lalit Burma
General Secretary,
Bihar Koyala Mazdoor
Sangh.

2. Signature (L.T.I.D
Shri Pokhan Singh
the concerned
workman)

P. R. NAYAR, Dy. Secy.

Dated : 8th May, 1974

नई दिल्ली, दिनांक 10 जून, 1974

का० प्रा० 1581—यन. व्याम मुनलज लिंक प्रोजेक्ट, मुन्दरनगर से सम्बन्ध नियोक्तों और उनके कर्मकारों के बीच, जिनका प्रतिनिधित्व व्याम मुनलज लिंक वर्क्स यूनियन, मुन्दरनगर करती है, एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यन. उक्त नियोक्तों और कर्मकारों ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसरण में एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को उसमें वर्णित व्यक्ति के माध्यम्यम के लिये निर्दिष्ट करने का करार कर दिया है और उक्त माध्यम्यम करार को एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेजी गई है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क की उपधारा (3) के उपबन्धों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त माध्यम्यम करार को, जो उसे 30 मई, 1974 को मिला था, एतद्वारा प्रकाशित करती है।

करार

औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10-क के अधीन के बीच

पक्षकारों के नाम

नियोक्त का प्रतिनिधित्व श्री रत्नलाल, कार्मिक अधिकारी, व्याम मुनलज लिंक प्रोजेक्ट, मुन्दरनगर।

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व श्री एम० एम० टोमंड, अध्यक्ष, व्याम मुनलज लिंक वर्क्स यूनियन, मुन्दरनगर।

पक्षकारों के बीच निम्नलिखित औद्योगिक विवाद को श्री नारा सिंह, अम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय), चण्डीगढ़ के माध्यम्यम के लिये निर्दिष्ट करने का एतद्वारा करार किया गया है।

- (1) विनिर्दिष्ट विवाद अर्थात् श्री हरमजन सिंह, महायुक्त हथवाही, विषय; व्याम मुनलज लिंक प्रोजेक्ट, मुन्दरनगर (हि० प्र०). 1 जनवरी, 1974 से 7 फरवरी, 1974 तक की अवधि के लिये सेवा की अतिरिक्तता तथा मजदूरी का हकदार है? यदि नहीं, तो वह किस अनुतोष का हकदार है?

- (2) विवाद के पक्षकारों का 1. व्यास सुतलज लिंक प्रोजेक्ट, सुन्दरनागर
विवरण, जिसमें अन्त- (हि० प्र०)
बलित स्थापन या उप 2. व्यास सुतलज लिंक वर्कर्स यूनियन, सुन्दर
नागर का नाम और पता नगर (हि० प्र०)।
भी सम्मिलित है।
- (3) प्रभावित उपकर्म में 35,000
विद्यमान कर्मकारों की
कुल संख्या।
- (4) विवाद द्वारा प्रभावित
या सम्भावित प्रभावित
होने वाले कर्मकारों की
प्रायिकल संख्या।

हम यह कगार भी करते हैं कि मध्यस्थ का अनिवार्य हम पर आवृत्त
कर होगा। माध्यस्थ अपना पंचाट छः मास की कालावधि या इतने और समय
के भीतर जो हमारे बीच पारस्परिक लिखित करार द्वारा बढ़ाया जाय,
देगा। यदि पूर्व वर्णित कालावधि के भीतर पंचाट नहीं दिया जाता तो
माध्यस्थ के लिये निर्देश स्वतः रद्द हो जायगा और हम नये माध्यस्थ के
लिये बातचीत करने को स्वतन्त्र होंगे।

पक्षकारों के हस्ताक्षर

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले
ह०-रतन लाल ह०/-एस० एस० टोग्गर 23-5-74

ह०/- एन० पी० शर्मा

साक्षी : 1. ह०/- प्रकाशचन्द

2 डा० जगदीश चन्द

[संख्या एल०-42012/24/74-एल० आर०-3]

ORDER

New Delhi, the 10th June 1974.

S. O. 1581—Whereas an industrial dispute exists between the employers in relation to Beas Sutlej Link Project, Sundernagar and its workmen represented by Beas Sutlej Link Workers Union, Sundernagar

And, whereas the said employers and workmen have, by a written agreement, in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), agreed to refer the said dispute to arbitration by the person specified therein, and a copy of the said arbitration agreement has been forwarded to the Central Government;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (3) of section 10A of the said Act, the Central Government hereby publishes the said arbitration agreement which was received by it on the 30th May, 1974

AGREEMENT

Under Section 10-A of the Industrial Disputes Act, 1947.

BETWEEN

Name of the parties :

Representing employer : Shri Rattan Lal, Personnel Officer, Beas Sutlej Link Project, Sundernagar.

Representing workmen : Shri M.S. Toggar, President, Beas Sutlej Link Workers' Union, Sundernagar.

It is hereby agreed between the parties to refer the following industrial dispute to the arbitration of Shri Tara Singh Labour Enforcement Officer (Central), Chandigarh.

- (i) Specific matters in dispute. Whether Shri Hars Jan Singh, Assistant Halwai, Beas Sutlej Link Project, Sundernagar (HP) is entitled to the continuity of service and wages for the period from 1st January, 1974 to 7th February, 1974 ? If not, to what relief is he entitled ?
- (ii) Details of the parties to the dispute including the name and address of the establishment or undertaking involved. (1) Beas Sutlej Link Project, Sundernagar (HP).
(2) Beas Sutlej Link Workers' Union, Sundernagar (HP).
- (iii) Total number of workmen employed in the undertaking affected. 35,000.
- (iv) Estimated number of workmen affected or likely to be affected by the dispute. 1.

We further agree that the decision of the arbitrator shall be binding on us. The arbitrator shall make his award within a period of six months or within such further time as is extended by mutual agreement between us in writing. In case the award is not made within the period aforementioned, the reference to arbitration shall stand automatically cancelled and we shall be free to negotiate for fresh arbitration.

Representing employer.

Sd/- Rattan Lal

Signature of the parties.

Representing workmen.

Sd/- M.S. Toggar 23-5-74

Witnesses

Sd/- N.P. Sharma

1. Sd/- Parkash Chand.

2. Sd/- Jagdish Chand.

[No. L.42012/24/74/LR.III]

प्रारंभ

नई दिल्ली, 14 जून, 1974

का०आ० 1582—यह केन्द्रीय सरकार की राय है कि हमने उपावृत्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में संलग्न बैंक आफ इंडिया से सबब नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और, यह केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्दिष्ट करना बांछनीय समझती है ;

अतः, अब केन्द्रीय सरकार औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1917 का 14) की धारा 7 क, तथा धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ), द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसमें पीठासीन अधिकारी श्री उपवेश नारायण माथुर होंगे और जिसका मुख्यालय जयपुर होगा तथा उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए उक्त अधिकरण को निर्दिष्ट करती है।

अनुसूची

“क्या सेंट्रल बैंक आफ इंडिया के प्रबंध ‘सी’ हेड कैशियरों की यह भाग न्यायोचित है कि उन्हें बैंक के राजस्थान स्थित कार्यालयों में 1 मार्च, 1969 से इस आधार पर प्रबंध ‘ई’ में वर्गीकृत किया जाए कि उसी जोनल कार्यालय के अन्य इंडि-जनों में भी इसी प्रकार के परिचय के आधार पर ऐसा किया गया है यदि नहीं, तो वे किम अनुचित के हकदार हैं ?

[सं० एल० 12011/23/73 एल आर III]

पी० पी० कांठन, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 14th June, 1974

S.O. 1582.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri Updesh Narain Mathur shall be the Presiding Officer, with headquarters at Jaipur and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the demand of category 'C' Head Cashiers in the Central Bank of India to be classified as category 'E' Head Cashiers with effect from the 1st March, 1969 in offices of the Bank in Rajasthan is justified on the basis of such change affected in other divisions of the same Zonal Office ? If not, to what relief are they entitled ?"

[No. L. 12011/23/73/LR III]

आदेश

नई दिल्ली, 14 जून, 1974

क्र०आ० 1583—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में निर्दिष्ट विषयों के बारे में पंजाब नेशनल बैंक से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्दिष्ट करना बांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्दिष्ट करती है।

अनुसूची

"क्या पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंधक की, श्री एस० के० मेनगुप्ता, लिमिटेड एंड गोकुलिया, बैंक की शाखा सबलपुर की सेवाओं को 29 जुलाई 1973 से समाप्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो वह किस अनुसूची का हकदार है ?

[सं० एल० 120012/129/73/एलआर3]

ORDER

New Delhi, the 14th June, 1974

S.O. 1583.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Punjab National Bank and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial

Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Calcutta constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Punjab National Bank in terminating the services of Shri S. K. Sengupta, Clerk-cum-Cashier at Sambalpur Branch of the Bank with effect from the 29th July, 1973 is justified ? If not, to what relief is he entitled?"

[No. L. 12012/129/73/LR III]

New Delhi, the 15th June, 1974

S.O. 1584.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal-Cum-Labour-Court, Jabalpur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Shri Gheesilalji Dhakad, Mine Owner, Budhpura Sand Stone Mine, P.O. Budhpura, District Bundi (Rajasthan) and their workmen, which was received by the Central Government on the 6th June, 1974.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

CAMP AT PACHMARHI

Present :

Mr. Justice S. N. Katju.....Presiding Officer
Case No. CGIT/LC(R) (5) of 1974

(Notification No. 1-29011/8/74-LRIV Dated 25-2-1974)

Parties :

Employers in relation to the management of Shri Gheesilalji Dhakad, Mine Owner, Budhpura Sand Stone Mine, P.O. Budhpura, District Bundi (Rajasthan) and their workmen represented through the Pathar Khan Mazdoor Sangh (Independent) Kota (Rajasthan).

Appearances :

For employer ... None.

For workmen ... Shri Mahabir Prasad Sharma.

INDUSTRY : Stone Mine..DISTRICT : Bundi (Rajasthan)

AWARD

This is a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

The question referred to this Tribunal for its adjudication is :—

"Whether the demand of the workmen employed in the Budhpura Stone Mine of Shri Gheesilalji Dhakad, Post Office Budhpura, District Bundi (Rajasthan) for grant of paid Festival and National holidays to them is justified ? If so, for how many holidays ?"

The workmen of the aforesaid Mine have contended that they are entitled to the grant of the following Festival and National holidays as paid holidays :—

1. 26th January, (Republic Day)	... 1 day.
2. Holi (Dhulendi)	... 1 day.
3. 1st May (Labour Day)	... 1 day.
4. Raksha Bandhan	... 1 day.
5. Krishna Janmastmi	... 1 day.

6. 15th August (Independence Day)	... 1 day.
7. Dipawali	... 1 day.
8. 2nd October (Gandhi Jayanti)	... 1 day.
9. Dushehra	... 1 day.
10. Id or Local Festival	... 1 day.

The dispute with regard to the said claim of the workmen was sponsored on behalf of the workmen by the Pathar Khan Mazdoor Sangh, (Independent) Kota. The President of the Pathar Khan Mazdoor Sangh Shri Mahabir Prasad Sharma at first sent a letter to the management with regard to the claim on 31-10-1973 (Ex. W/1), the acknowledgment receipt of which is Ex. W/2. But the management did not send any reply to the said letter. Thereafter the Mazdoor Sangh raised the present dispute before the Assistant Labour Commissioner (Central) Kota by its letter dated 24-11-1973 (Ex. W/3). The management's representative did not appear before the Assistant Labour Commissioner (Central) Kota and the conciliation proceedings before him ended in failure.

No one appeared on behalf of the management on the various dates fixed for the hearing of the case. The acknowledgment receipts of the notices sent to the management were not received back by this Tribunal. The hearing of the case had to be postponed on 10-4-1974, 26-4-1974, 8-5-1974 and 9-5-1974 because on the aforesaid dates neither any representative of the management appeared before the Tribunal nor the acknowledgment of the service of notices issued were received. On 9-5-1974 I passed the following order :—

"Acknowledgment of the service on the management has not been received so far. Put up for filing of written statement cum-rejoinders of the parties and for final hearing on 22-5-1974 at Pachmarhi (New Rest House)."

It is difficult to understand as to why repeated notices sent to the management have not been served on it. I am not prepared to postpone the hearing of this case any further. The management had been duly informed of this reference by the Central Government and it should by itself have filed its written statement within 10 days of the receipt of the order of reference by the Central Government.

Shri Mahabir Prasad Sharma, the President of the Pathar Khan Mazdoor Sangh (Independent) Kota, gave evidence on behalf of the workmen. He has stated that the workmen in the neighbouring mines are given the aforesaid Festival and National holidays as paid holidays. In a number of references, which have come to me from districts Bundi and Sawaimadhopur, the same question as is involved in the present reference came for consideration before me. I expressed the view that the workman is entitled to the aforesaid holidays as paid holidays. These holidays are national holidays and are observed as such throughout the country. There is no reason why these holidays should be denied to the workmen of the Budhpura Stone Mine of Shri Ghesilalji Dhakad. The mere fact that the workmen are given one day off in a week under the Mines Act is no ground for withholding the aforesaid National and Festival holidays from them. I am clearly of the view that the workmen of Budhpura Stone Mine of Shri Ghesilalji Dhakad, Post Office Budhpura, District Bundi (Rajasthan), are entitled to the grant of the aforesaid National & Festival holidays as paid holidays from 31-10-1973 and I make my award accordingly. The workmen will have Rs. 100/- as costs.

Jabalpur, the 22nd May, 1974

S. N. KATI, Presiding Officer

P. P. KANTHAN, Under Secy.

[No. L-29011/8/74-I.R. IV]

33GI/74—7

नई दिल्ली, 7 जून, 1974

का० आ० 1585—यतः कलकत्ता डाक लिपिकीय और पर्यवेक्षी कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1970 में संशोधन करने के लिये कनिष्ठ प्रारूप स्कीम, डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा यथापेक्षित, भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 3022, तारीख 10 अक्टूबर, 1973 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 20 अक्टूबर, 1973 के पृष्ठ 3575-76 पर प्रकाशन की गई थी, जिसमें उन सभी व्यक्तियों से जिनका उम्र द्वारा प्रभावित होना सम्भाव्य है, राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख से दो मास की अवधि की समाप्ति तक आक्षेप और सुझाव मांगे गये थे;

और यतः उक्त राजपत्र 20 अक्टूबर, 1973 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था;

और यतः केन्द्रीय सरकार द्वारा उक्त प्रारूप पर जनता से कोई आक्षेप और सुझाव प्राप्त नहीं हुये हैं;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, कलकत्ता डाक लिपिकीय और पर्यवेक्षी कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम में संशोधन करने के लिये निम्नलिखित स्कीम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम कलकत्ता डाक लिपिकीय और पर्यवेक्षी कर्मकार (नियोजन का विनियमन) संशोधन स्कीम, 1974 है।

(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।

2. कलकत्ता डाक लिपिकीय और पर्यवेक्षी कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1970 में,—

(i) खंड 6 के उपखंड (1) की मद्र (घ) में,—

(क) —

(ख) "यदि पुनर्विलोकन में प्रकट हो कि ऐसा करना" शब्दों के पश्चात् "पूरीतुमानित श्रेक्षाओं के अनुकूल और शब्द अन्तः स्थापित किये जायेंगे;

(ii) खंड 15 में—

(क) उपखंड (3) की मद्र (ख) और (ग) का खोप किया जायेगा;

(ख) खंड "(3)(क)" को खंड "(3)" के रूप में पुनः संख्यांकित किया जायेगा;

(iii) खंड 27 के उपखंड (2) में, मद्र (क), (ख), (ग), (घ) (ङ), के स्थान पर निम्नलिखित मद्र रखी जायेंगी, अर्थात्:—

(क) नीचे की उपमद्र (ख) के अधीन यथा अनुज्ञात के सिवाये सामान्यतः किसी कर्मकार को दो क्रमवर्ती पारियों में नियोजित नहीं किया जायेगा,

(ख) मासिक रजिस्टर में के मुख्य लिपिक या ज्येष्ठ पर्यवेक्षक से सिवा किसी कर्मकार को एक सप्ताह में 9 पारियों से या एक मास में 33 पारियों से अधिक में नियोजित नहीं किया जायेगा। मुख्य लिपिकों और ज्येष्ठ पर्य-

वैशकों को, एक दिन में 2 पारियों से अधिक की बुकिंग, जो विशेष मामलों में, अथवा या उदाहरण की पूर्व लिखित अनुज्ञा से, एक दिन में 3 पारियों तक विधिवत की जा सकेगी, की सीमा के अधीन रहते हुए एक मास में 45 पारियों तक बुक किया जा सकेगा।

(ग) प्रसामान्यतः आरक्षित पूल में के किसी कर्मकार को भी एक सप्ताह में 9 पारियों से या एक मास में 33 पारियों से अधिक में नियोजित नहीं किया जायेगा।

(घ) विशेष परिस्थितियों में, अथवा मद (ख) और (ग) के अधीन निर्बंधनों को आवश्यक सीमा तक अस्थाई रूप से णिथिल कर सकेगा; परन्तु मासिक कर्मकार के मामले में ऐसा निर्बंधन आरक्षित पूल में के कर्मकारों द्वारा उपर मद (ग) में दी गई सीमा तक अपने नियोजन को अभिप्राप्त करने के पश्चात् ही अनुज्ञात किया जायेगा।

(ङ) एक दिन में एक पारी में अधिक में काम करने वाले कर्मकार प्रत्येक पारी में काम के लिये सामान्य दर से मजदूरी के, जिसमें मने भी शामिल हैं, हकदार होंगे।

(iv) खंड 30 के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जायेगा अर्थात्:-

"30-एक पारी के लिये नियोजन और संभाव्यः—(1) आरक्षित पूल रजिस्टर में के किसी कर्मकार को एक पारी से कम की अवधि के लिये नियोजित नहीं किया जायेगा और जहाँ व काम, जिसके लिये कर्मकार नियोजित किया गया हो, पारी के काम करने की अवधि के दौरान पूरा हो जाय वहाँ वह कर्मकार शेष पारी के लिये उसी या किसी अन्य जलयान में या अर्थ पर ऐसा अन्य काम ले सकेगा जो उसी निर्गोजक द्वारा अपेक्षित हो। और यदि किसी कारणवश वह काम जिसके लिये उस कर्मकार को नियोजित किया गया है प्रारम्भ न हो सके तथा उन नियोजकों द्वारा जिसके लिये उसे बुक किया गया था, उसके लिये किसी अनुकल्पी काम की व्यवस्था न की जा सके तो वह आरक्षित पूल में वापस चला जायेगा और किसी अन्य नियोजन का स्वीकार करेगा जो प्रशासनिक निकाय उसे आर्षटित करे।

(2) उपखंड (1) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, जब कभी आरक्षित पूल में के किसी कर्मकार को पारी के शुरू होने से ठीक पहले काम के लिये बुक किया जाता है और वह उस पारी पर या काम के स्थल पर जिसके लिये उसे बुक किया गया था, काम के लिये हाजिर होता है, तो वह पूरी मजदूरी के लिए, जिसमें उसके प्रवर्ग के लिये समुचित मने भी शामिल हैं, हकदार होगा, चाहे जिस काम के लिये वह हाजिर हुआ था वह काम प्रारम्भ न हो सका हो या आगे न चल सका हो तथा उस कर्मकार को कोई अनुकल्पी काम भी न दिया जा सका हो।"

(v) खंड 31 का खोप कर दिया जायेगा;

(vi) खंड 32 में प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत डाक लिपिकीय और पर्यवेक्षी कर्मकार वर्ष में 9 दिन के बेतन सहित अवकाश का हकदार होगा शब्दों के स्थान पर "प्रसामान्यतः प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत डाक

लिपिकीय और पर्यवेक्षी कर्मकार वर्ष में 8 दिन के बेतन सहित अवकाश का हकदार होगा" शब्द रखे जायेंगे;

(vii) खंड 34 के उपखंड (4) की मद (ख) में "अथवा" शब्द के स्थान पर "बोर्ड" शब्द रखा जायेगा।

[फा० सं० सी०-12011/5/72-सी० पृष्ठ 41०]

New Delhi, the 7th June, 1974

S.O. 1585.—Whereas certain draft scheme to amend the Calcutta Dock Clerical and Supervisory Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1970 was published as required by sub-section (1) of section 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948) at pages 3575-76 of the Gazette of India, Part-II, section 3, sub-section (ii), dated the 20th October, 1973 under the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), No. S.O. 3022, dated the 10th October, 1973 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, till the expiry of a period of two months from the date of its publication in the Official Gazette;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 20th October, 1973;

And whereas no objections and suggestions have been received from the public on the said draft by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) section 4 of the said Act, the Central Government hereby makes the following scheme to amend the Calcutta Dock Clerical and Supervisory Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1970 namely :—

1. **Short title and commencement.**—(1) This scheme may be called the Calcutta Dock Clerical and Supervisory Workers (Regulation of Employment) Second Amendment Scheme, 1974.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. In the Calcutta Dock Clerical and Supervisory Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1970,—

(i) in item (d) of sub-clause (1) of clause 6,

(a) for the words "increase of reduction" the words "increase or decrease" shall be substituted;

(b) after the words "review warrants the same", the words "in keeping with the anticipated requirements and" shall be inserted;

(ii) in clause 15—

(a) items (b) and (c) sub-clause (3) shall be omitted;

(b) clause "(3) (a)" shall be re-numbered as clause "(3)";

(iii) in sub-clause (2) of clause 27, for items (a), (b), (c), (d) and (e), the following items shall be substituted; namely:—

"(a) A worker shall not ordinarily be employed in more than 2 consecutive shifts except as permitted under sub-item (b) below;

(b) A worker other than a Chief Clerk or a Senior Supervisor in the monthly register shall not be employed for more than 9 shifts in a week or 33 shifts in a month. The Chief Clerks and Senior Supervisors may be booked upto 45 shifts in a

month subject to a limitation of booking of not more than 2 shifts in a day, relaxable in special cases to 3 shifts in a day, with prior permission, in writing, of the chairman or the Deputy Chairman.

- (c) Normally a worker in the Reserve Pool shall also not be employed for more than 9 shifts in a week or 33 shifts in a month.
- (d) In special circumstances, the Chairman may relax temporarily the restrictions under items (b) and (c) to the extent necessary provided that such relaxation in the case of a monthly worker shall not be allowed after the Reserve Pool Workers had attained their employment level as in (c) above.
- (c) Workers working more than one shift in a day shall be entitled to the normal rate of wages inclusive of allowances for work in each shift.”;
- (iv) for clause 30, the following clause shall be substituted, namely:—
- “30 Employment for a shift and payments :
- (1) No worker in the Reserve Pool register shall be employed for a period of less than a shift and where the work for which a worker has been engaged is completed during the working period of a shift, he shall undertake such other work in the same or any other vessel or berth as may be required by the same employer for the remainder of the shift; and where the work for which a worker has been engaged cannot commence for any reason and no alternative job can be provided for him by the employers for whom he had been booked, he shall then revert to the reserve pool and shall accept any other employment that the Administrative Body may allocate to him.
- (2) Subject to the provisions of sub-clause (1), whenever a worker in the reserve pool is booked for work immediately prior to the start of the shift and he presents himself for work on the ship or point of work to which he had been booked, he shall be entitled to full wages inclusive of allowances appropriate to his category, even though the work for which he had attended cannot commence or proceed and no alternative work can be found for him.”;
- (v) clause 31 shall be omitted ;
- (vi) in clause 32—for the words “Supervisory worker shall be entitled”, the words “Supervisory worker shall normally be entitled” shall be substituted ;
- (vii) in item (b) of sub-clause (4) of clause 34, for the word “Chairman” the word “Board” shall be substituted.

[F. No. V-12011/5/72-P&D]

नई दिल्ली, 12 जून, 1974

क्र०आ० 1586.—कलकत्ता डॉक लिपिकीय और पर्यवेक्षी कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1970 में और संशोधन करने के लिए स्कीम का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1918 (1918 का 9) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने की प्रस्थापना करनी है, उक्त धारा द्वारा यथा अपेक्षित ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए जिनका उसमें प्रभावित होना संभाव्य है, प्रकाशित किया जाता है ; और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दो मास की अवधि के अवसान पर या उस के पश्चात् विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप की बाबत किसी व्यक्ति से जो आक्षेप या सुझाव इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि के पूर्व प्राप्त होंगे, उन पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार लिया जाएगा।

प्राथम्य स्कीम

1. इस स्कीम का नाम कलकत्ता डॉक लिपिकीय और पर्यवेक्षी कर्मकार (नियोजन का विनियमन) संशोधन स्कीम, 1974 है।
2. कलकत्ता डॉक लिपिकीय और पर्यवेक्षी कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1970 में, अनुसूची 2 के अन्त में आने वाले निम्नलिखित पद को लोप कर दिया जाएगा, अर्थात्:—

“बगान सरकार अधिसूचना सं० 13-समुद्री, तारीख 14 फरवरी, 1929 देखें।”

[फाइल सं० एम० 70012/3/74-1 पी एण्ड डी]

New Delhi, the 12th June, 1974

S.O. 1586.—The following draft of a scheme further to amend the Calcutta Dock Clerical and Supervisory Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1970 which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), is published as required by the said sub-section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the period so specified will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT SCHEME

1. This Scheme may be called the Calcutta Dock Clerical and Supervisory Workers (Regulation of Employment) Amendment Scheme, 1974.
2. In the Calcutta Dock Clerical and Supervisory Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1970, the following expression occurring at the end of Schedule II shall be omitted, namely:—

“Vide Government of Bengal Notification No. 13-Marine, dated the 14th February, 1929.”.

[File No. S-70012|3|74-I-P&D]

क्र०आ० 1587.—कलकत्ता डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1970 में और संशोधन करने के लिए स्कीम का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1918 (1918 का 9) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने की प्रस्थापना करनी है, उक्त उपधारा द्वारा यथा अपेक्षित उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए जिनका उसमें प्रभावित होना संभाव्य है, प्रकाशित किया जाता है ; और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो मास की अवधि को समाप्त पर या के पश्चात् विचार किया जाएगा।

इस प्रकार विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व उक्त प्रारूप की बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त किसी आक्षेप या सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

1. इस स्कीम का नाम कलकत्ता डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) संशोधन स्कीम, 1974 है।

2. कलकत्ता डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1970 में, अनुसूची 5 के अन्त में आने वाली निम्नलिखित पद का खोप कर दिया जाएगा, अर्थात्—

“(बंगाल सरकार अधिसूचना सं० 13-मेरीन तारीख 14 फरवरी, 1929 के अनुसार)”।

[फा० सं० एस-70012/3/74-3-पी० एण्ड डी०]

S.O. 1587.—The following draft of a scheme further to amend the Calcutta Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1970 which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), is published as required by the said sub-section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the period so specified will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT SCHEME

1. This Scheme may be called the Calcutta Dock Workers (Regulation of Employment) Amendment Scheme, 1974.

2. In the Calcutta Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1970, the following expression occurring at the end of Schedule V shall be omitted, namely:—

“(As per Government of Bengal Notification No. 13—Marine dated 14th February 1929)”.

[File No. S-70012/3/74-III-P&D]

नई दिल्ली, 13 जून, 1974

फा० सं० 1588.—कलकत्ता डॉक छीलन और रंगरोगन कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1970 में और संशोधन करने के लिए स्कीम का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए बनाने की प्रस्थापना करती है, उक्त उपधारा द्वारा यथा अपेक्षित ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनका उससे प्रभावित होता संभाव्य है, और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दो मास की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप की श्राव्य किसी व्यक्ति में जो आक्षेप या सुझाव इस प्रकार विनिश्चित अवधि के पूर्व प्राप्त होंगे, उन पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

प्रारूप स्कीम

1. इस स्कीम का नाम कलकत्ता डॉक छीलन और रंग रोगन कर्मकार (नियोजन का विनियमन) संशोधन स्कीम, 1974 है।

2. कलकत्ता डॉक छीलन और रंगरोगन कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1970 में, अनुसूची 3 के अन्त में आने वाले निम्नलिखित पद का खोप कर दिया जाएगा, अर्थात्—

“पश्चिमी बंगाल सरकार अधिसूचना सं० 13-समुद्री तारीख 14 फरवरी, 1929 देखें।”

[फाइल न० एस-70012/3/74-2 पी एण्ड डी]

New Delhi, the 13th June, 1974

S.O. 1588.—The following draft of scheme further to amend the Calcutta Chipping and Painting Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1970 which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), is published as required by the said sub-section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the period so specified will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT SCHEME

1. The Scheme may be called the Calcutta Chipping and Painting Workers (Regulation of Employment) Amendment Scheme, 1974.

2. In the Calcutta Chipping and Painting Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1970, the following expression occurring at the end of Schedule III shall be omitted, namely :—

“Vide Government of West Bengal Notification No. 13—Marine, dated 14th February, 1929”.

[File No. S-70012/4/74-III-P&D]

नई दिल्ली, 18 जून, 1974

फा० सं० 1589.—यन मद्रास पल्लन न्याग, मद्रास के प्रबंधन से संबंधित नियोजकों और उनके कर्मचारों, जिनका प्रतिनिधित्व मद्रास पल्लन न्याम कर्मचारी यूनियन, मद्रास करती है, के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यन उक्त नियोजकों और उक्त यूनियन ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 क की उपधारा (i) के उपबंधों के अनुसरण में एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को उसमें वर्णित व्यक्ति के माध्यस्थत्व के लिए निर्देशित करने का करार कर लिया है और उक्त माध्यस्थत्व करार की एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेजी है और वह, उक्त धारा की उपधारा (3) के उपबंधों के अधीन, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय के आदेश संख्या एन-39013/1/73-पी० एण्ड डी० (i) तारीख 18-6-74 में, भारत के राजपत्र, तारीख 22-6-1974 के भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) में प्रकाशित हो चुका है ;

और यत्, केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त निर्देश करने वाले व्यक्ति पक्षकार के बहुमत का प्रतिनिधित्व करते हैं ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद (केन्द्रीय नियम), 1957 के नियम 8 के साथ पठित उक्त धारा की उपधारा (3क) के उपबंधों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उन नियोजकों और कर्मकारों, जो उक्त माध्यमस्वम् करार में पक्षकार नहीं हैं किन्तु आ उक्त विवाद से संबंधित हैं, को जानकारी के लिए अधिमूखित करती है कि उक्त निर्देश करने वाले व्यक्ति प्रत्येक पक्ष का प्रतिनिधित्व करते हैं।

[संख्या एल-39013/1/73-पी० एण्ड डी० (II)]

New Delhi, the 18th June, 1974.

S.O. 1589.—Whereas an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Madras Port Trust, Madras, and their workmen as represented by the Madras Port Trust Employees' Union, Madras;

And, whereas, the said employers and the said union have, by a written agreement in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), agreed to refer the said dispute to arbitration of the person mentioned therein, and a copy of the said arbitration agreement has been forwarded to the Central Government and the same has been published, under the provisions of sub-section (3) of the said section with the order of the Government of India in the Ministry of Labour No.L-39013/1/73-P & D (i) dated the 18th June 1974 published in Part II, Section 3, sub-section (ii) of the Gazette of India, dated the 22nd June 1974.

And, whereas, the Central Government is satisfied that the persons making the said reference represent the majority of the party.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (3A) of the said section, read with rule 8A of the Industrial Disputes (Central Rules), 1957, the Central Government hereby notifies for the information of the employers and workmen who are not parties to the said arbitration agreement but who are concerned with the said dispute, that the persons making the said reference represented the majority of each party.

[No. L-39013/1/73-P&D (ii)]

आदेश

क्रा०सा० 1590.—यत्: मद्रास पत्तन न्याम, मद्रास में संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, जिनका प्रतिनिधित्व मद्रास पत्तन न्याम कर्मचारी यूनियन, मद्रास करती है, एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यह उक्त नियोजकों और कर्मकारों ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10क की उपधारा (1) के अधीन एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को माध्यमस्वम् के लिए निर्देशित करने का करार कर लिया है और, उक्त अधिनियम की धारा 10क की उपधारा (3) के अधीन, उक्त माध्यमस्वम् करार की एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेजी है ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क की उपधारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त करार को प्रकाशित करती है।

(औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10क के अधीन)

पक्षकारों के नाम

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले : अध्यक्ष, मद्रास पत्तन न्याम, मद्रास।
कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले : मद्रास पत्तन न्याम कर्मचारी यूनियन—

उमके अध्यक्ष की मार्फत।

पक्षकारों के बीच करार किया गया है कि निम्नलिखित औद्योगिक विवाद को श्री टी०एम० शंकरन, संयुक्त सचिव, धर्म भवन, धर्म भवन, रफी मार्ग, नई दिल्ली के माध्यमस्वम् के लिए निर्देशित किया जाए।

(i) **बिनिश्चित विवादस्थिति विषय :** पत्तन और डाक कर्मकारों के लिए केन्द्रीय मजदूरी बोर्ड की रिपोर्ट, उस पर लिए गए सरकारी निर्णयों, और अन्य संबंधित विषयों, अखिल भारतीय पत्तन और डाक कर्मकार फेडरेशन द्वारा उठाई गई मांगों और इन पर आगे किए गए विचार-विमर्श के संदर्भ में, महापत्तनों के पत्तन और डाक कर्मकारों से संबंधित निम्नलिखित विवादस्थिति विषयों को औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10क के अधीन माध्यमस्वम् के लिए, गृह-दोष के आधार पर निर्णयार्थ, निर्देशित किए जाने का करार किया गया है :—

- (1) क्या अर्थ साहाय्य प्राप्त औद्योगिक आवास योजना में अर्थ साहाय्य के तत्व और अन्य सुगमता कारणों को ध्यान में रखते हुए मानक मकानों के किराये की वसूली की सरकार द्वारा प्रस्तावित दरों को, अर्थात् जहाँ गूल बेतन 200 रु० प्रतिमाह से कम है वहाँ मूल बेतन का (परन्तु नगर प्रतिकर भत्ते का नहीं) 7-1/2 प्रतिशत और जहाँ वह 200 रु० प्रतिमाह या उससे अधिक है, वहाँ मूल बेतन (परन्तु नगर प्रतिकर भत्ते का नहीं) का 10 प्रतिशत, घटाया जाना चाहिए और यदि हाँ, तो किस सीमा तक ?
- (2) क्या महापत्तनों के पत्तन और डाक कर्मकारों के लिए केन्द्रीय मजदूरी बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर सरकार द्वारा स्वीकृत संशोधित बेतनमानों में बेतन के निर्धारण के विषय में, मजदूरी बोर्ड की सिफारिश के अनुसार सरकार द्वारा मंजूर की गई 11.80 रु० प्रतिमाह की अंतरिम महापत्तन या उसके भाग को ध्यान में रखा जाना चाहिए ?
- (3) क्या मकान किराया भत्ते और नगर प्रतिकर भत्ते के प्रयोजन के लिए, महापत्तन भत्ते (अतिरिक्त महापत्तन भत्ते और समय समय पर महापत्तन भत्ते में की गई वृद्धियों सहित) को अंशतः या पूर्णतः बेतन के रूप में माना जाना चाहिए ?

(ii) **विवाद के पक्षकारों का विवरण :** जिसमें ग्रस्त स्थापनों या उपक्रमों के नाम और पते भी सम्मिलित हैं :

मद्रास पत्तन न्याम,
साउथ बीच रोड,
मद्रास 1

नियोजक

मद्रास पत्तन न्याम कर्मचारी यूनियन,
18, कृष्णन कार्टेन स्ट्रीट,
मद्रास-1.

कर्मकार

(iii) **यूनियन का नाम—**

मद्रास पत्तन न्याम कर्मचारी यूनियन ;

(iv) **प्रभावित उपक्रम में नियोजित कर्मकारों की कुल संख्या—**

लगभग 12,000

(v) **विवाद के प्रभावित या संभाव्यतः—** प्रभावित कर्मकारों की अनुमानित संख्या—

लगभग 12,000

मध्यस्थ अपना पंचाट तीन मास की अवधि या इतने और समय के भीतर जो हमारे बीच पारस्परिक लिखित करार द्वारा बढ़ाया जाए, देगा।

उपर्युक्त औद्योगिक विवाद को श्री ए.टी. जंजिरे, तत्कालीन पीटिंगीन अधिकारी, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण—एथ-श्रम न्यायालय संख्या 2, चौथी मंजिल, मिटी आर्दिस बिल्डिंग, 298, बाजारगेट स्ट्रीट, फोर्ट, बंबई को निर्देशित करने संबंधी पिछला करार, जो हमने 4 जून, 1973 को किया था और जिसमें भारत सरकार के श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) ने अपने आदेश संख्या एल-39013/1/73-पी.एण्ड डी. (i), तारीख 4 जुलाई, 1973 के रूप में भारत के राजपत्र, भाग 2 खंड 3, उपखंड (ii) में प्रकाशित किया था, एतद्वारा रद्द किया जाता है।

पक्षकारों के हस्ताक्षर

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले :

ह०/- अयादय

ह०/- अयादय

21-5-74

कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले :

ह०/- अयादय

ह०/- अयादय

24-5-74

साक्षी : 1. ह०/- अयादय

21-5-74

2. ह०/- अयादय

24-5-74

मद्रास,

तारीख 24 मई, 1974

[संख्या एल-39013/1/73-पी.एण्ड डी. (i)]

बी० शंकरालिंगम, अवर सचिव

ORDER

S.O. 1590.—Whereas an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Madras Port Trust, Madras and their workmen as represented by the Madras Port Trust Employees' Union, Madras;

And, whereas, the said employers and their workmen have by a written agreement under sub-section (1) of section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), agreed to refer the said dispute to arbitration and have forwarded to the Central Government, under sub-section (3) of section 10A of the said Act, a copy of the said arbitration agreement;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (3) of section 10A of the said Act, the Central Government publishes the said agreement.

AGREEMENT UNDER SECTION 10A OF THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1947

Between

Name of Parties

Representing employers : Chairman, Madras Port Trust, Madras.

Representing workmen : The Madras Port Trust Employees' Union through its President.

It is hereby agreed between the parties to refer the following industrial dispute to the arbitration of Shri T. S. Sankaran, Joint Secretary, Ministry of Labour, Shram Sakthi Bhavan, Rafi Marg, New Delhi.

(i) Specific matters in dispute.—In the context of report of the Central Wage Board for Port and Dock Workers, the decisions of the Government thereon, and other related matters, the demands raised by the All India Port and Dock Workers' Federation and the further discussions held on these, the following matters in dispute relating to Port and Dock Workers of the Major Ports are agreed to be referred to arbitration under Section 10-A of the Industrial Disputes Act, 1947, for decision on merits :—

(i) Whether, and if so, to what extent the rates for recovery of rent for standard houses proposed by Government, namely, 7.1/2 per cent of basic pay (and not City Compensatory allowance), where basic pay is less than Rs. 200 per mensem, and at the rate of 10 per cent of basic pay (and not City Compensatory allowance), if it is Rs. 200 per mensem or more, should be reduced taking into account the subsidy element in the Subsidised Industrial Housing Scheme and other relevant factors.

(2) Whether in the matter of fixation of pay in the revised scales accepted by the Government on the basis of the Central Wage Board Report for Port and Dock Workers at Major Ports, the interim Relief of Rs. 11.80 per mensem or part thereof granted by Government as recommended by the Wage Board should be taken into account.

(3) Whether Dearness allowance (including additional Dearness allowance and increases in Dearness allowance from time to time) in part or full should be treated as pay for the purpose of House Rent allowance and City Compensatory allowance.

(ii) Details of parties to the dispute including the names and addresses of the Establishments or undertakings involved—

Madras Port Trust Employer
South Beach Road,
Madras.

The Madras Port Trust Workmen
Employees' Union,
18, Krishnan Koil Street,
Madras-1.

(iii) Name of the Union —

The Madras Port Trust Employees' Union.

(iv) Total number of workmen employed in the undertaking affected—About 12,000.

(v) Estimated number of workmen affected or likely to be affected by the dispute—About 12,000.

The arbitrator shall make his award within period of three months or within such further time as is extended by mutual agreement between us in writing.

The previous agreement entered into by us on 4th June 1973 and published by the Government of India, Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) in Part II, Section-3, Sub-section (ii) of the Gazette of India as per their Order No. L-39013/1/73-P & D (1) dated the 4th July 1973 to refer the above mentioned industrial dispute to the arbitration of Shri A. T. Zambre, the then Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 2, 4th Floor, City Ice Building, 298, Bazargate Street, Fort, Bombay, is hereby cancelled.

Signature of the Parties.
Sd/-

Representing employers : Sd/- 24-5-74

Representing workmen : Sd/- 24-5-74

Witness 1. Sd/- 24-5-74

2. Sd/- 24-5-74

Dated at Madras this 24th day of May, 1974.

[No. L-39013/1/73-P&D (ii)]

V. SANKARALINGAM, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 जून, 1974

New Delhi, the 10th June, 1974

क्रा० आ० 1591.—यत्. इण्डियन ट्यूब कम्पनी लिमिटेड (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने, जिसका पंजीकृत कार्यालय 43 चौरंगी रोड, कलकत्ता-16 में स्थित है, उपदान सन्धाय अधिनियम, 1972 (1972 का 39) की धारा 5 के अधीन छूट के लिये आवेदन किया है;

और यत्: केन्द्रीय सरकार की राय में इण्डियन ट्यूब कम्पनी लिमिटेड के वर्मशरियो को, उपदान और पेंशन सम्बन्धी फायदों के सम्बन्ध में उक्त स्थापन पर यथा लागू भविष्य विधि नियमों और विनियमों के अधीन, संश्लेष उपदान और पेंशन सम्बन्धी फायदे उक्त अधिनियम के अधीन प्रवृत्त उपदान और पेंशन सम्बन्धी फायदों से कम अनुकूल नहीं है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, इस शर्त के अध्वधीन कि उक्त स्थापन इण्डियन ट्यूब कम्पनी लिमिटेड के भविष्य निधि नियमों और विनियमों में कोई ऐसा संशोधन नहीं करेगा जिस से कि उसमें समाविष्ट उपबन्ध उक्त अधिनियम के अधीन प्रवृत्त फायदों से कम अनुकूल हो जायें, उक्त स्थापन को उक्त अधिनियम के उपबन्धों के प्रवर्तन में, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिये, छूट देती है।

[क्रा० सं० एग० 70020/7/73-सी०एफ०-2(एफ०पी०जी०)पार्ट-24]

दलजीत सिंह, उप-सचिव

S.O. 1591.—Whereas the Indian Tube Company Limited, having its registered office at 43, Chowringhee Road, Calcutta, 16 (hereinafter referred to as the said establishment) has applied for exemption under section 5 of the Payment of Gratuity Act, 1972 (39 of 1972);

And whereas in the opinion of the Central Government the gratuity and pensionary benefits payable under the Indian Tube Company Limited's Provident Fund Rules and Regulations as applicable to the employees of the said establishment with respect to the gratuity and pensionary benefits are not less favourable to the said employees than those conferred under the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 5 of the said Act, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of the provisions of the said Act, for a period of one year commencing from the date of publication of this notification in the official Gazette, subject to the condition that the said establishment shall not make any modification in the Indian Tube Company Limited's Provident Fund Rules & Regulations so as to make the provisions contained therein less favourable than the benefits conferred under the said Act.

[No. S. 70020/7/73-PF. II (FPG) Pt. XXIV]

DALJIT SINGH, Deputy Secy.

